@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 17 अप्रैल 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 156 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

जमीन खरीद केस में दूसरे दिन ईडी के सामने रॉबर्ट वाड्रा की पेशी

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। गुरुग्राम भूमि सौदे के मामले में प्रवर्तन निदेशालय आज भी रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ कर रहा है। इससे पहले बीते दिन वायनाड सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा से करीब छह घंटे पूछताछ हुई थी। लगातार दूसरे दिन पूछताछ से पहले जानेमाने कारोबारी ने बुधवार को कहा कि वह इन सबके लिए बहुत मजबूत हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर कटाक्ष करते हुए एक सियासी कार्टून भी पोस्ट किया। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि उनके और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ साजिश रची जा रही है। हमारे खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध के तहत कार्रवाई की जा रही है। सब वक्त का खेल है, समय बदलेगा। उन लोगों को भी झेलना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि मैं देश छोड़कर भागने वाला नहीं हूं। मैं सभी सवालों का जवाब दूंगा। मुझे कोई दिक्कत नहीं है, आप जितनी चाहें उतनी एजेंसियों का इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि हरियाणा में जब इसकी जांच हुई तो प्रशासन ने पाया कि कुछ भी गलत नहीं हुआ। खट्टर जी ने मुझे उसी मामले में क्लीन चिट दे दी। मुझे समझ नहीं आ रहा कि 7 साल बाद फिर मुझसे पूछताछ क्यों हो रही है। वाड्रा ने कहा कि वह निर्दोष हैं और सत्य की जीत होगी। वाड्रा ने फेसबुक पर पोस्ट किया, मेरे जन्मदिन के सप्ताह के दौरान की जा रही सेवाएं कुछ दिनों के लिए रोक दी गई है। मैंने बुजुर्गों को भोजन कराने और विभिन्न क्षेत्रों के सभी बच्चों को उपहार देने की जो योजनाएं बनाई हैं, उन्हें मैं तब तक जारी रखूंगा, जब तक कि सरकार मुझे अच्छे काम करने और अल्पसंख्यकों के प्रति उनके अन्यायपूर्ण व्यवहार के बारे में बोलने से नहीं रोकती या फिर अगर मेरे राजनीति में आने की इच्छाएं और बातें भी होती हैं। लोगों की इच्छाओं और जरूरतों को पूरा करने से मुझे कोई नहीं रोक सकता। मैं यहां किसी भी तरह के अन्यायपूर्ण दबाव के लिए तैयार हूं। मैं सत्य में विश्वास करता हूं, और सत्य की जीत होगी। गुरुग्राम भूमि मामले में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से की गई घंटों पूछताछ के बाद रॉबर्ट वाड्रा ने आरोप लगाया कि संघीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है।

वक्फ संपत्तियों पर सुप्रीम सुनवाई

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि जो संपत्तियां वक्फ घोषित हो चुकी हैं, चाहे वह परंपरा से वक्फ हो या बाकायदा दस्तावेज से घोषित वक्फ हो, उन्हें वापस सामान्य संपत्ति घोषित नहीं किया जाएगा। हालांकि केंद्र सरकार ने इस पर आपत्ति जताई और अदालत से आग्रह किया कि इस पर कोई आदेश देने से पहले उसे सुना जाए। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में 17 अप्रैल दोपहर 2 बजे अगली सुनवाई तय की है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि बहुत से मुसलमान ऐसे भी हैं जो वक्फ कानून से शासित नहीं होना चाहते। उन्होंने यह भी बताया कि नया वक्फ संशोधन कानून संसद की संयुक्त समिति की 38 बैठकों के बाद बना है और इसे 98.2 लाख लोगों की राय जानने के बाद पारित किया गया। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने वक्फ संशोधन अधिनियम का हवाला दिया और कहा कि वह उस प्रावधान को चुनौती दे रहे हैं, जिसमें कहा गया है कि केवल मुसलमान ही वक्फ बना सकते हैं। सिब्बल ने पूछा, राज्य कैसे तय कर सकता है कि मैं मुसलमान हूं या नहीं और इसलिए वक्फ बनाने के योग्य हूं या नहीं? उन्होंने कहा, सरकार कैसे कह सकती है कि केवल वे लोग ही वक्फ बना सकते हैं जो पिछले पांच सालों से इस्लाम का पालन कर रहे हैं? वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी, जिन्होंने कुछ याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व किया, ने कहा कि वक्फ अधिनियम का पूरे भारत में प्रभाव होगा और याचिकाओं को उच्च न्यायालय में नहीं भेजा जाना चाहिए। जब किवक्फ अधिनियम का विरोध कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने कहा कि उपयोगकर्ता की तरफ से वक्फ इस्लाम की एक स्थापित प्रथा है और इसे खत्म नहीं किया जा सकता। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने पहले इन याचिकाओं को एक उच्च न्यायालय को भेजने पर विचार किया, लेकिन बाद में कपिल सिब्बल, अभिषेक सिंघवी, राजीव धवन और केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सहित वरिष्ठ अधिवक्ताओं की दलीलें सुनीं। इस सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा- क्या आप अब

हिंदू धार्मिक ट्रस्टों में मुसलमानों को भी शामिल करेंगे? अगर हां, तो खुलकर कहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर कोई संपत्ति 100-200 साल पहले वक्फ घोषित हुई है, तो उसे अब अचानक से बदला नहीं जा सकता। कोर्ट ने आगे कहा- आप इतिहास को दोबारा नहीं लिख सकते। सुप्रीम कोर्ट ने एक और अहम बात कही- वक्फ बोर्ड और सेंट्रल वक्फ काउंसिल के सभी सदस्य मुस्लिम ही होंगे, सिर्फ जो पदेन सदस्य हैं, वो किसी भी धर्म के हो सकते हैं। वक्फ का मतलब होता है किसी संपत्ति को धार्मिक या समाजसेवा के काम के लिए स्थायी रूप से समर्पित करना। वक्फ बाय यूजर वह व्यवस्था है जिसमें कोई संपत्ति लंबे समय से धार्मिक उपयोग में रही हो (जैसे मस्जिद, कब्रिस्तान, मदरसा आदि) ङ्क भले ही उसके मालिक ने इसे लिखित रूप में वक्फ घोषित न किया हो। अब तक करीब 72 याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं, जिनमें एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, जमीयत उलेमा-ए-हिंद, डीएमके, कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी और मोहम्मद जावेद शामिल हैं। बता दें कि, नया कानून 5 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के बाद लागू हुआ है।

हर मुलाकात का राजनीतिक मतलब निकालना सही नहीं: उप मुख्यमंत्री शिंदे

मुंबई, 16 अप्रैल। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे से मुलाकात को लेकर उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंधे ने कहा कि यह एक शिष्टाचार भेंट थी। उन्होंने कहा, हम बालासाहेब ठाकरे के समय से एक साथ काम करते थे। कुछ कारणों से हम कुछ समय तक मिल नहीं पाए। आप जानते हैं कि वह कारण क्या थे। लेकिन अब हम कभी भी मिल सकते हैं और बातचीत कर सकते हैं। वह भी मुझसे मिलते हैं। हर मुलाकात का राजनीतिक मतलब निकालना सही नहीं है। शिंदे ने मंगलवार राज ठाकरे से उनके दादर स्थित आवास शिवतीर्थ पर मुलाकात की। पिछले साल विधानसभा चुनाव के बाद शिंदे का यह पहला शिवतीर्थ दौरा था। सूत्रों ने बताया कि इस दौरान शिवसेना प्रमुख के साथ उनके पार्टी सहयोगी और उद्योग मंत्री उदय सामंत भी मौजूद थे। राज ठाकरे के बेटे अमित और मनसे के मुंबई प्रमुख संदीप देशपांडे भी इस दौरान वहां मौजूद थे। एक शिवसेना कार्यकर्ता ने बताया कि ठाकरे ने शिंदे को रात के खाने (डिनर) पर आमंत्रित किया था। यह मुलाकात इस वजह से अहम मानी जा रही है, क्योंकि इस साल बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के चुनाव हो सकते हैं। यह चुनाव पिछले तीन वर्षों से लंबित हैं। बीते दो महीनों में मनसे ने राज्य में हर जगह मराठी भाषा के उपयोग की मांग को लेकर अपने आंदोलन को फिर से सक्रिय किया है। 2024 के विधानसभा चुनाव में माहिम क्षेत्र में शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सदासरवणकर, अमित ठाकरे और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के महेश सावंत के बीच त्रिकोणीय मुकाबला हुआ था।

भाजपा समाज को बांट रही, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे: ममता

सौरभ शर्मा

कोलकाता, 16 अप्रैल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को मौलवियों और मुस्लिम धर्म गुरुओं के साथ बैठक करेंगी। यह बैठक वक्फ संशोधन अधिनियम के संबंध में हो रही है। बैठक कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में होगी। स्टेडियम के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस दौरान ममता ने कहा कि उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति में सभी धर्मों के लोगों ने भूमिका निभाई है, लेकिन संविधान को कमजोर करने के प्रयास जारी है। भाजपा समाज को बांटने का काम कर रही है। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा कि मुर्शिदाबाद में सांप्रदायिक हिंसा पूर्व नियोजित थी। ममता ने कहा कि भाजपा ने रामनवमी के दौरान दंगे कराने की योजना बनाई थी, लेकिन वह विफल रही। मैं लोगों को विभाजित नहीं होने दूंगी। मैं एकता चाहती हूं। मैं समाज को एकसाथ लेकर चलने में विश्वास रखती हूं। हम भाजपा को केंद्र की सत्ता से बेदखल करने के बाद उसके लाए गए सभी जनविरोधी विधेयकों को वापस लेंगे। उन्होंने कहा कि सभी धर्मगुरु लोगों के पास जाएं और उन्हें एकता का संदेश दें। हमें साथ मिलकर रहना है। सभी का साथ रहना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद जिले के कुछ इलाकों में वक्फ कानून को लेकर कुछ हिंसक घटनाएं हुईं। अगर टीएमसी वक्फ हिंसा में शामिल होती, जैसा कि विपक्ष दावा कर रहा है, तो उसके नेताओं के घरों पर हमला नहीं

होता। संसद में वक्फ कानून के खिलाफ लड़ाई में टीएमसी सबसे आगे रही। भाजपा की ओर से पाले जा रहे कुछ मीडिया घराने बंगाल को बदनाम करने के लिए अन्य राज्यों में हुई हिंसा के वीडियो प्रसारित कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को अमित शाह पर लगाम लगानी चाहिए। मैं प्रधानमंत्री मोदी से अपील करती हूं कि वे किसी भी अत्याचारी कानून को अनुमति न दें और अपने गृह मंत्री पर नियंत्रण रखें। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा, केंद्र को जवाब देना चाहिए कि कितने युवाओं को नौकरी मिली है? दवाओं, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि की गई है, लेकिन कुछ गोदी मीडिया केवल बंगाल के खिलाफ बोलते हैं। अगर आपको कुछ कहना है, तो मेरे सामने आकर कहें, मेरे पीछे नहीं। भाजपा की ओर से वित्तपोषित कुछ मीडिया चैनल बंगाल के फर्जी वीडियो दिखाते हैं। हमने उन्हें पकड़ा। उन्होंने कर्नाटक, यूपी, बिहार और राजस्थान के आठ वीडियो दिखाए और बंगाल को बदनाम करने की कोशिश की। उन्हें शर्म आनी चाहिए। ममता बनर्जी ने कहा कि मुर्शिदाबाद में बीएसएफ की गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत की जांच के लिए मुख्य सचिव से अनुरोध किया जाएगा। ममता ने कहा, कल मैंने एएनआई का एक ट्वीट देखा, जिसमें गृह मंत्रालय के हवाले से कहा गया था कि बांग्लादेशी उपद्रवी मुर्शिदाबाद हिंसा में शामिल है। अगर यह सच है, तो इसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। बीएसएफ सीमा की देखभाल करती है, राज्य सरकार नहीं।

जस्टिस बीआर गवई होंगे अगले मुख्य न्यायाधीश

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के लिए न्यायमूर्ति भूषण आर गवई के नाम की सिफारिश की गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह सिफारिश विधि मंत्रालय को भेज दी है। प्रस्ताव वर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से भेजा गया है। वे 13 मई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। परंपरा के अनुसार, वर्तमान सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के रूप में सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश की सिफारिश करते हैं। जस्टिस गवई वरिष्ठता के क्रम में सबसे आगे हैं, जिसके चलते उनके नाम की सिफारिश की गई है। गौरतलब है कि इससे पहले कानून मंत्रालय ने सीजेआई जस्टिस खन्ना से उनके उत्तराधिकारी का नाम देने की आधिकारिक अपील की थी। जस्टिस गवई के नाम पर अगर मुहर लगती है तो वे देश के 52वें मुख्य

न्यायाधीश होंगे। वे 14 मई को सीजेआई पद की शपथ ले सकते हैं। जस्टिस गवई का कार्यकाल हालांकि छह महीने का ही होगा क्योंकि वे नवंबर 2025 में रिटायर हो रहे हैं। जस्टिस गवई को 24 मई 2019 में सुप्रीम कोर्ट में जज नियुक्त किया गया था। जस्टिस गवई का जन्म 24 नवंबर 1960 को महाराष्ट्र के अमरावती में हुआ था। जस्टिस गवई के पिता दिवंगत आरएस गवई भी एक मशहूर सामाजिक कार्यकर्ता और बिहार और केरल के पूर्व राज्यपाल रहे। जस्टिस गवई ने अपने वकालत करियर की शुरुआत साल 2003 में बॉम्बे उच्च न्यायालय में बतौर एडिशनल जज की थी। इसके बाद साल 2005 में वे स्थायी जज नियुक्त हुए। जस्टिस गवई ने 15 वर्षों तक मुंबई, नागपुर, औरंगाबाद और पणजी की पीठ में अपनी सेवाएं दीं।

भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर रही: सिद्धारमैया

बंगलूरू, 16 अप्रैल। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आरोप पत्र दाखिल करने के मामले में भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए है। उन्होंने राहुल गांधी और सोनिया गांधी का बचाव करते हुए कहा कि यह राजनीतिक बदले की कार्रवाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर रही है और जांच एजेंसियों को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर रही है। बता दें कि नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने बीते 9 अप्रैल को विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सुमन दुबे और कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा का नाम है। इसके विरोध में कांग्रेस लगातार रूप से प्रदर्शन कर रही है। साथ ही भाजपा पर राजनीतिक बदला लेने का आरोप भी लगा रही है। वहीं कर्नाटक भर में आयोजित रोजगार मेला को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य में बेरोजगारी से निपटने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

सभी याद रखें सोनिया-राहुल जमानत पर बाहर: रविशंकर प्रसाद

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। नेशनल हेराल्ड मनी लॉड्रिंग मामले में भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस पर हमला बोला। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सभी को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी जमानत पर बाहर हैं। कांग्रेस को सरकारी संपत्तियों का दुरुपयोग करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने वक्फ कानून का विरोध करने पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को भी खरी-खरी सुनाई। नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राहुल गांधी, सोनिया गांधी और अन्य के खिलाफ ईडी की शिकायत पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन उसे सरकारी संपत्तियों का दुरुपयोग करने और इसे नेशनल हेराल्ड को देने का अधिकार नहीं है। इस पूरी संपत्ति को परिवार के हाथों में पहुंचाने के लिए बहुत ही दिलचस्प तरीके से साजिश रची गई। ये संपत्तियां दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर एक संपत्ति, मुंबई, लखनऊ, भोपाल और पटना में संपत्तियां हैं। उन्होंने कहा कि यंग इंडिया लिमिटेड को एक धर्मार्थ संगठन माना जाता था, लेकिन अब तक यह पता नहीं चला है कि इसने क्या दान किया? 50 लाख रुपये में 90 करोड़ रुपये लिखकर हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति हासिल कर ली। एक बात ध्यान में रखनी चाहिए कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने मामले को खत्म करने

के लिए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली। भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी को जवाब देना चाहिए कि कानून को अपना काम करने देना चाहिए या नहीं? नरेंद्र मोदी की सरकार कानून को अपना काम करने देगी। सरदार पटेल ने कहा था कि नेशनल हेराल्ड को पैसे देने वाले लोग अच्छे लोग नहीं हैं। फिर भी एक अखबार जिसे कांग्रेस पार्टी का पूरा संरक्षण प्राप्त था, वह क्यों नहीं पनप सका? क्योंकि यह अखबार केवल विज्ञापन इकट्ठा करने और सरकारी सहयोग से संपत्ति बनाने का साधन था। जिस अखबार से आजादी के लिए लड़ रहे लोगों की आवाज को मजबूत करने की उम्मीद थी, उन्होंने उस अखबार को निजी व्यवसाय, एटीएम बना दिया। ईडी की चार्जशीट के बाद कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि किसी के पास भी लूट करने का लाइसेंस नहीं है। भाजपा ने कांग्रेस के इस आरोप को प्रतिशोध की कार्रवाई बताया। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस से कहा कि वह केवल राजनीतिक प्रतिक्रिया देने के बजाय गांधी परिवार के खिलाफ आरोपों के मूल में जवाब दे। हम कांग्रेस की धमकियों की निंदा करते हैं। उन्होंने सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा पर हरियाणा में तत्कालीन कांग्रेस सरकार की मिलीभगत से भूमि सौदे में भारी मुनाफा कमाने के आरोप का भी जिक्र किया। उन्होंने ममता बनर्जी पर भी सवाल उठाए। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि मैं ममता बनर्जी से कुछ बड़े सवाल पूछना चाहता हूं।

महादेव बेटिंग एप मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। महादेव बेटिंग एप मामले को लेकर देश में प्रवर्तन निदेशालय की ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। इस बीच ईडी बुधवार को मामले में दिल्ली, मुंबई, चंडीगढ़, अहमदाबाद, इंदौर, जयपुर, चेन्नई और संबलपुर में लगभग 15 स्थानों पर छापेमारी कर रही है। इस बीच प्रवर्तन निदेशालय ने कर्नाटक के भोवी विकास निगम (केबीडीसी) में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दूसरी गिरफ्तारी की है। यह निगम राज्य सरकार का एक विभाग है, जो भोवी समुदाय के कल्याण के लिए है, जो कर्नाटक की अनुसूचित जाति सूची में शामिल है। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि केबीडीसी की पूर्व प्रबंध निदेशक आर लीलावती को 12 अप्रैल को हिरासत में लिया गया था। उन्हें बंगलूरू में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के विशेष न्यायालय के समक्ष पेश किया गया और ईडी की हिरासत में भेज दिया गया। ईडी ने इस मामले में इस महीने की शुरुआत में तलाशी ली और अपनी पहली गिरफ्तारी केबीडीसी के पूर्व महाप्रबंधक बीके नागराजप्पा के रूप में की। वह भी वर्तमान में एजेंसी की हिरासत में हैं। ईडी ने दावा किया कि लीलावती ने नागराजप्पा, सुब्बाप्पा (केबीडीसी के तत्कालीन अधीक्षक) और अन्य जैसे अन्य संदिग्धों या आरोपियों के साथ मिलीभगत करके फर्जी संस्थाओं के नाम पर धोखाधड़ी से बैंक खाते बनाकर केबीडीसी से धन के हस्तांतरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ईडी के खिलाफ कांग्रेस का देशव्यापी प्रदर्शन

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने 9 अप्रैल को विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सुमन दुबे और कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा का नाम है। यह चार्जशीट धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 3 (मनी लॉन्ड्रिंग) और धारा 4 (सजा) के तहत दाखिल की गई है। इसे लेकर कांग्रेस ने ईडी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पार्टी ने आज देशभर में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। 05-21 क्क, 16-क्क-2025असम के नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट पर डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, राहुल गांधी अक्सर अदाणी और अंबानी पर आरोप लगाते हैं कि उन्होंने इतना पैसा कैसे बनाया है। मेरा सवाल है कि एक राजनीतिक परिवार से होने के बावजूद उन्होंने 50 लाख रुपये को 2000 करोड़ रुपये में बदलने के लिए व्यापारिक गुर कैसे सीखे। हमें भी यही फॉर्मूला बताएं ताकि मैं असम के लिए ऐसा कर सकूं। कांग्रेस के लोगों को सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मांग करनी चाहिए कि वे पार्टी को ये 2000 करोड़ रुपये वापस दें। क्या आपने कांग्रेस पार्टी के दफ्तरों की हालत देखी है?.. लोगों को यह एहसास नहीं है कि गांधी परिवार पैसा बना रहा है लेकिन आम कांग्रेसी वंचित रह रहे हैं... अब मां और बेटे दोनों को ईडी के सामने पेश होना चाहिए और अपनी बेगुनाही साबित करनी चाहिए। नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट पर कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, यह कानूनी छद्मवेश में प्रतिशोध के अलावा कुछ नहीं है। ईडी को जवाब देना चाहिए कि एनडीए के किसी सहयोगी या भाजपा नेता को ईडी ने क्यों नहीं छुआ। चुनिंदा न्याय वास्तव में राजनीतिक ठगी के अलावा कुछ नहीं है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर श्वष्ठ की चार्जशीट को लेकर कहा, कार्रवाई होगी और मैं न्यायालय से आग्रह करूंगा कि जल्द से जल्द न्याय हो। कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा ने नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर श्वष्ठ की चार्जशीट को लेकर कहा, यह केवल राजनीति से प्रेरित है, कांग्रेस पार्टी, राहुल गांधी की सच्चाई से डरकर ऐसी कार्रवाई ये(भाजपा) कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर आरोप लगाकर दायर की गई चार्जशीट को स्वीकार नहीं करेगी। हमें सड़कों पर उतरना होगा... हम सच्चाई के लिए लड़ेंगे... जब हम अंग्रेजों से नहीं दबे, तो हम उनकी दमनकारी

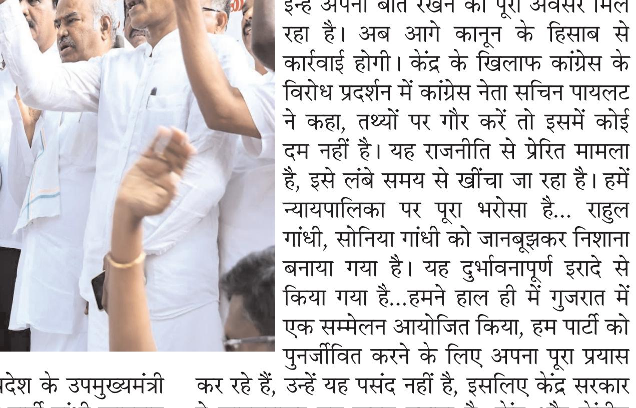

नीतियों से भी नहीं दबेंगे। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, कांग्रेस पार्टी गांधी खानदान के गुलाम की तरह काम कर रही है। संविधान देश के 140 करोड़ लोगों के लिए बराबर है। नेशनल हेराल्ड मामले में बड़ा भ्रष्टाचार हुआ था जिसकी जांच कांग्रेस सरकार में ही शुरू हुई थी। जांच एजेंसियों को अपना काम करने देना चाहिए। नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर श्वष्ठ की चार्जशीट को लेकर हरियाणा सरकार के मंत्री अनिल विज ने कहा, श्वष्ठ ने अपने अनुसंधान में जो पाया, उसके मुताबिक से ही कार्रवाई कर रही है। इन्हें अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिल रहा है। अब आगे कानून के हिसाब से कार्रवाई होगी। केंद्र के खिलाफ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा, तथ्यों पर गौर करें तो इसमें कोई दम नहीं है। यह राजनीति से प्रेरित मामला है, इसे लंबे समय से खींचा जा रहा है। हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है... राहुल गांधी, सोनिया गांधी को जानबूझकर निशाना बनाया गया है। यह दुर्भावनापूर्ण इरादे से किया गया है...हमने हाल ही में गुजरात में एक सम्मेलन आयोजित किया, हम पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए अपना पूरा प्रयास कर रहे हैं, उन्हें यह पसंद नहीं है, इसलिए केंद्र सरकार ने जानबूझकर यह कदम उठाया है...केंद्र और केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन में पार्टी नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, हमारे लोग आक्रोशित हैं, जनता आक्रोशित है

मुर्शिदाबाद में हिंसा के दौरान महिलाओं के उत्पीड़न की जांच करेगा महिला आयोग

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक जांच समिति का गठन किया है। यह समिति मुर्शिदाबाद हिंसा के दौरान महिलाओं के उत्पीड़न और उनके विस्थापन की जांच करेगी। महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहटकर ने मुर्शिदाबाद हिंसा पर स्वतः संज्ञान लिया है। रहटकर खुद भी मुर्शिदाबाद में हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगी और पीड़ितों से मुलाकात करेंगी। मुर्शिदाबाद जिले के कई इलाकों में वक्फ कानून के विरोध में बीती 11-12 अप्रैल को हिंसा भड़क गई थी। ये हिंसा सुती, धुलियान और जंगीपुर इलाकों में हुई। इस हिंसा में तीन लोगों की मौत हुई और कई अन्य घायल हुए। धुलियान के मंदिरपाड़ा इलाके में कथित तौर पर कई महिलाओं का उत्पीड़न किया गया। हिंसा के चलते मुर्शिदाबाद में बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ। सैंकड़ों की संख्या में महिलाएं बच्चे भागीरथी नदी पार कर पड़ोसी माल्दा जिले में पहुंच गए और अब वहां कैंपों में रह रहे हैं। महिला आयोग की अध्यक्ष ने बयान जारी कर कहा कि आयोग मुर्शिदाबाद से आ रहीं खबरों को लेकर बेहद चिंतित है। महिलाओं को न सिर्फ हिंसा का सामना करना पड़ा बल्कि उन्हें अपनी गरिमा और अपने घरों को भी छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि जांच समिति ऐसे सुझाव देगी, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाएं न होने पाएं। जांच समिति हितधारकों के साथ बात करेगी और हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा कर पीड़ितों से भी चर्चा करेगी। महिला आयोग की अध्यक्ष रहटकर और आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार और डिप्टी सचिव शिवानी डे 17 अप्रैल की शाम को कोलकाता पहुंच सकते हैं। कोलकाता से समिति 18 अप्रैल को माल्दा जाएगी, जहां विस्थापितों से बात करेगी। साथ ही प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों से भी चर्चा की जाएगी। 19 अप्रैल को महिला आयोग की जांच समिति मुर्शिदाबाद में हिंसा प्रभावित इलाकों जैसे शमशेरगंज, जाफराबाद आदि का दौरा करेगी और पीड़ितों से मुलाकात करेगी।

यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस और स्वीडन में तनातनी

एजेंसी

स्टाकहोम । रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर यूरोपीय देशों ने रूस पर दवाब बनाना शुरू कर दिया है। इसकी शुरूआत स्वीडन ने कर दी है। हाल ही में यूक्रेन मिसाइल हमले करने पर स्वीडन ने रूस के राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब किया है। स्वीडिश विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक इंटरनेशनल मानवीय नियमों के मुताबिक लोगों के बुनियादी ढांचों की सुरक्षा करना रूस का कर्तव्य और जिम्मेदारी है। इस मामले में स्वीडन ने रूस के राजदूत से अपने देश का रूख भी स्पष्ट करने को कहा है। इस तरह राजदूत को तलब करना यह दिखाता है कि स्वीडन यूक्रेन पर हमलों को लेकर रूस के प्रति खासा नाराज है। गौरतलब है कि रविवार को रूस ने यूक्रेन के सुमी शहर पर मिसाइल से हमला किया था। इस हमले में 35 लोग मारे गए थे।

नेपाली कांग्रेस के महामंत्री का आरोप, कहा- बिचौलियों की पहुंच पीएम ओली के बेडरूम तक

काठमांडू। नेपाल की दो तिहाई की गठबंधन सरकार के भीतर एक बार फिर से विवाद अपने चरम पर पहुंच गया है। सत्तारूढ़ गठबंधन के सबसे बड़े घटक दल नेपाली कांग्रेस के महामंत्री ने आरोप लगाया है कि यह सरकार बिचौलियों से घिरी है, जिनकी पहुंच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के बेडरूम तक है। नेपाली कांग्रेस के महामंत्री गगन थापा ने राजधानी काठमांडू में मंगलवार को एक कार्यक्रम में कहा कि ओली सरकार अभी भी ट्रैक्टर के स्पीड से चल रही है।उन्होंने कहा कि देश बिचौलियों के हाथ में है, जिनकी पहुंच पीएम के बेडरूम तक है। ओली सरकार को असफल बताते हुए गागा थापा ने कहा कि जिस उद्देश्य से इस सरकार का गठन किया गया था, वह उद्देश्य से भटक गया है। नेपाल के केंद्रीय बैंक के गवर्नर की नियुक्ति का प्रसंग उठते हुए कांग्रेस के महामंत्री थापा ने कहा कि सरकार में अच्छे और सच्चे तथा ईमानदार व्यक्ति को गवर्नर बनाने को लेकर चर्चा होने के बजाए किस बिचौलिए का कौन उम्मीदवार है और उनमें से किसकी नियुक्ति होगी, इस बात पर चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि इस सरकार में की गई सभी नियुक्तियों में कोई न कोई बिचौलिया ही हावी रहा है। देश की खराब होती अर्थव्यवस्था का जिक्र करते हुए गगन थापा ने कहा कि इसके लिए भी कुछ बड़े बिचौलियों की शीर्ष स्तर के नेताओं तक पहुंच ही जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि इस देश के बिचौलिए इतने शक्तिशाली हो गए हैं कि बजट की नीति में क्या संशोधन करना है, टैक्स स्लैब क्या रखना है, किन वस्तुओं पर कर बढ़ाना है, किस पर घटाना है, किन वस्तुओं के आयात कर को बढ़ाना है, किसको घटाना है, ये सभी सरकार के बड़े बिचौलिया ही तय करते हैं।

ईरान-अमेरिका परमाणु वार्ता पर खामेनेई का सधा हुआ बयान, न ज्यादा उम्मीद, न निराशा

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिका के साथ चल रही परमाणु वार्ता को लेकर तटस्थ रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि वह इस प्रक्रिया को लेकर न तो अत्यधिक आशावादी हैं और न ही निराशावादी। खामेनेई का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब हालिया वार्ताओं के बाद देश में संभावित आर्थिक सुधार की उम्मीदें तेज हो गई हैं। गत सप्ताहांत ओमान में ईरान और अमेरिका के बीच हुई बातचीत को दोनों देशों ने सकारात्मक बताया था। इसके बाद ईरानी मुद्रा रियाल में लगभग 20 प्रतिशत की मजबूती देखी गई, जिससे आम लोगों को आर्थिक प्रतिबंधों से राहत की आशा जगी है। खामेनेई ने संसद सदस्यों के साथ बैठक में कहा, ÷यह एक निर्धारित प्रक्रिया है, जिसकी शुरुआत ठीक दिशा में हुई है। लेकिन इसे सतर्कता से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों पक्षों के लिए लाल रेखाएं तय की जानी चाहिए ताकि आगे कोई अस्पष्टता न रहे। हालांकि उन्होंने जनता को यह चेतावनी भी दी कि इन वार्ताओं को लेकर अत्यधिक उम्मीदें न पालें और देश की दिशा को इन पर निर्भर न करें। ईरान के शीर्ष नेता का यह बयान संकेत देता है कि तेहरान अब भी अमेरिकी नीतियों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं है, खासकर 2018 की उस घटना के बाद जब तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2015 में हुए परमाणु समझौते को रद्द कर दिया था और ईरान पर फिर से सख्त प्रतिबंध लगा दिए थे।

पेरू के पूर्व राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को भ्रष्टाचार के मामले में 15 साल की सजा

लीमा। पेरू की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति ओलांटा हुमाला और उनकी पत्नी नादिन हेरेडिया को धन शोधन का दोषी पाते हुए 15 साल जेल की सजा सुनाई है। जज नायको कोरोनाडो की अध्यक्षता वाली थर्ड नेशनल कोलीजिएट क्रिमिनल कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। अन्य न्यायाधीशों ने फैसले का समर्थन किया। अदालत ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति और उनकी पत्नी ने लगभग नौ महीने पूर्व-ट्रायल हिरासत (ट्रायल से पहले की गिरफ्तारी) में बिताए हैं, उन्हें सजा की अवधि में शामिल माना जाएगा। गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति और उनकी पत्नी पर आरोप है कि ब्राज़ील की निर्माण कंपनी ओडेब्रेच ने 2006 से 2011 के बीच नेशनलिस्ट पार्टी को चुनावी अभियान के लिए उन्हें अवैध रूप से धन मुहैया कराया था।

चीन में 'भारतीय दोस्तों' का स्वागत : अमेरिका के साथ टैरिफ युद्ध में उलझे बीजिंग ने जारी किए 85,000 वीजा

एजेंसी

बीजिंग । भारत स्थित चीनी दूतावास ने 1 जनवरी से 9 अप्रैल, 2025 के बीच भारतीय नागरिकों को 85,000 वीजा जारी किए। दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के एक बड़े प्रयास के तहत यह कदम उठाया गया। चीनी राजदूत जू फेइहोंग ने एक्स पर लिखा, '9 अप्रैल, 2025 तक, भारत में चीनी दूतावास और वाणिज्य दूतावासों ने इस वर्ष चीन की यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों को 85,000 से अधिक वीजा जारी किए हैं। चीन आने के लिए अधिक से अधिक भारतीय मित्रों का स्वागत है, ताकि वे एक खुले, सुरक्षित, जीवंत, ईमानदार और मैत्रीपूर्ण चीन का अनुभव कर सकें। वीजा की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है, 2025 के पहले चार महीनों में ही 85,000 वीजा जारी किए गए हैं। जबकि 2023 तक 1,80,000 वीजा जारी किए गए थे। पिछले वर्ष, चीनी दूतावास ने अपने वीजा आवेदन शर्तों को अपडेट किया

था और कई प्रमुख छूटें प्रदान की थीं। भारतीय आवेदकों को अब अपने वीजा आवेदन जमा करने से पहले ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक करने की जरूरत नहीं है। इसके बजाय वे सीधे कार्य दिवसों के दौरान वीजा केंद्रों पर आवेदन जमा कर सकते हैं। वहीं 180 दिनों से कम अवधि के लिए अल्पकालिक, एकल या दोहरे प्रवेश वाले वीजा के लिए आवेदन करने वाले लोगों को फिंगरप्रिंट जैसे बायोमेट्रिक डाटा प्रदान करने से छूट दी गई। इन परिवर्तनों के साथ-साथ, चीनी दूतावास ने वीजा आवेदन शुल्क भी कम कर दिया है। आवेदकों के लिए नए, कम शुल्क लागू किए हैं। चीन ने यह जानकारी ऐसे समय में जारी कि है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लगभग हर देश पर संभावित व्यापार शुल्क लगाने की चेतावनी दी है। उनके निशाने पर विशेष तौर पर चीन है, जो वाशिंगटन का प्रमुख व्यापारिक साझेदार और आर्थिक प्रतिद्वंद्वी है। ट्रंप ने चीनी आयात पर अमेरिकी टैरिफ को बढ़ाकर 145 प्रतिशत कर दिया है, जबकि अन्य देशों के सामानों पर नए टैरिफ को रोक दिया है। जवाबी कार्रवाई में, चीन ने अमेरिकी उत्पादों पर 125 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। चीन ने भारत और अन्य देशों से भी अपील की कि वे अमेरिकी टैरिफ दुरुपयोग के खिलाफ खड़े हों। भारत में चीनी दूतावास के प्रवक्ता यू जिंग ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत और चीन, दो सबसे बड़े विकासशील देशों के रूप में, अमेरिकी टैरिफ कार्रवाइयों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए।

ट्रम्प की चेतावनी, राजनीतिक रुख के कारण हार्वर्ड का टैक्स छूट का दर्जा हो सकता है रद्द

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय की टैक्स छूट को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि विश्वविद्यालय राजनीतिक, विचारधारात्मक और आतंक-समर्थक मानसिकता को बढ़ावा देता रहा, तो उसकी टैक्स छूट रद्द कर दी जा सकती है और उसे एक राजनीतिक इकाई के रूप में कर देना पड़ सकता है। ट्रंप ने यह टिप्पणी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए की। उन्होंने लिखा, अगर हार्वर्ड राजनीतिक, वैचारिक और आतंक-प्रेरित/समर्थक बीमारी को बढ़ावा देता रहा, तो शायद उसे टैक्स छूट की स्थिति से वंचित कर दिया जाना चाहिए और एक राजनीतिक इकाई की तरह टैक्स लगाया जाना चाहिए। ट्रंप का यह बयान उस पृष्ठभूमि में आया है जब हार्वर्ड ने उनके प्रशासन की कुछ मांगों को मानने से इनकार कर दिया। हालांकि विश्वविद्यालय ने इस विवाद पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन यह मुद्दा अमेरिका में शिक्षा संस्थानों की स्वतंत्रता और उनकी राजनीतिक भूमिकाओं को लेकर एक बार फिर चर्चा में आ गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका में विश्वविद्यालयों को टैक्स छूट का दर्जा शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उनके योगदान के कारण दिया जाता है, न कि उनके राजनीतिक विचारों के आधार पर। लेकिन ट्रंप के इस बयान ने इस बहस को फिर से जीवंत कर दिया है कि क्या शिक्षण संस्थानों को अपनी वैचारिक स्थिति के कारण दंडित किया जा सकता है।

अमेरिका के टेक्सास में खसरे का प्रकोप, 560 से अधिक मामले सामने आए

एजेंसी

ह्यूस्टन । अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े राज्य टेक्सास में खसरे के 561 मामले सामने आए। टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट हेल्थ सर्विसेज (डीएसएचएस) ने यह जानकारी दी। डीएसएचएस ने बताया कि पिछले पांच दिनों में 20 नए केस दर्ज किए गए। इसके साथ ही अब तक खसरे से पीड़ित 58 रोगियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीएसएचएस ने संभावना जताई कि रोग के अत्यधिक संक्रामक होने के कारण इसके मामलों में वृद्धि हो सकती है। अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने शुक्रवार को बताया कि इस साल करीब 24 राज्यों में खसरे के 712 मामले सामने आए। इनमें से लगभग 97 प्रतिशत मामले उनके हैं जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है या जिनके वैक्सीनेशन की स्थिति स्पष्ट नहीं है।समाचार एजेंसी की मानें तो टेक्सास के सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने पिछले महीने ही चेतावनी दी थी कि यह प्रकोप कई महीनों तक या पूरे साल तक जारी रह सकता है। उन्होंने बताया कि औसत से कम टीकाकरण स्तर वाली समुदायों को इस प्रकोप से सबसे

अधिक नुकसान हो रहा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर प्रकोप जारी रहा तो संयुक्त राज्य अमेरिका 2000 में घोषित खसरे से मुक्त होने का दर्जा खो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, खसरा एक अत्यधिक संक्रामक वायरल बीमारी है। संक्रमित व्यक्ति के सांस लेने, खांसने या छींकने के कारण यह आसानी से फैलता है। यह गंभीर बीमारी मौत का कारण भी बन सकता है। कोई भी शख्स इस बीमारी के चपेट में आ सकता है लेकिन यह बच्चों में सबसे आम है। यह बीमारी सांस लेने वाले तंत्र को संक्रमित करती है और फिर पूरे शरीर में फैल जाती है। खसरा के लक्षण की अगर हम बात करें तो इसमें तेज बुखार, खांसी, नाक बहना और पूरे शरीर पर दाना आना शामिल है। खसरे से बीमार होने या दूसरे लोगों में फैलने से रोकने के लिए टीका लगवाना ही सबसे बेहतर विकल्प है। 1963 में खसरे के टीके की शुरुआत और व्यापक टीकाकरण से पहले, बड़ी महामारियां लगभग हर दो से तीन साल में होती थीं और हर साल अनुमानतः 2.6 मिलियन लोगों की मृत्यु होती थी। टीके की दो खुराकें लेने की सिफारिश की जाती हैं ताकि प्रतिरक्षा सुनिश्चित हो और प्रकोप को रोका जा सके, क्योंकि पहली खुराक से सभी बच्चों में प्रतिरक्षा विकसित नहीं होती।

लीबिया में नाव पलटी, 4 पाकिस्तानी नागरिकों समेत 11 लोगों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद । उत्तरी अफ्रीकी देश लीबिया में नाव पलटने से 11 लोगों की मौत हो गई। इनमें 4 पाकिस्तानी नागरिक थे। यह जानकारी पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने दी। यह नाव पूर्वी लीबिया के सिर्ते के निकट हरावा तटरेखा के पास विदेशी प्रवासियों को ले जा रही थी। मारे गए चारों पाकिस्तानी सहित सभी 11 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इस दुर्घटना पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दुख व्यक्त किया।

उन्होंने देश के नागरिकों को ऐसे मौत के जाल में फंसाने के जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सीरिया की राजधानी त्रिपोली में पाकिस्तानी मिशन और विदेश कार्यालय को स्थानीय अधिकारियों के साथ संपर्क कर बचे हुए मृतकों को निकालने के आदेश दिए हैं।जारी एक बयान में प्रधानमंत्री ने कहा, लीबिया में पाकिस्तानी मिशन से सिर्ते शहर के

नजदीक हरावा तटरेखा के पास एक और नाव पलटने की घटना की जानकारी मिलने से दुखी हूं। हमारा मिशन और विदेश कार्यालय स्थानीय अधिकारियों के साथ बचे हुए लोगों के शवों को निकालने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। शरीफ ने आगे कहा कि हमारे नागरिकों को इस मौत के जाल में फंसाने वालों के खिलाफ हम ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रखेंगे ताकि किसी भी परिवार को ऐसी घटनाओं में अपने प्रियजनों के ताबूत को ले जाने की जरूरत न पड़े। पाकिस्तानी दूतावास की टीम ने सिर्ते शहर पहुंचने के बाद पाकिस्तानी नागरिकों की मौत की पुष्टि की।

अफगानिस्तानः भूकंप के झटकों से हिला हिंदुकुश क्षेत्र, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.9 मापी गई

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई है। एनसीएस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ÷बुधवार तड़के स्थानीय समयानुसार 4¬43 बजे अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई है। भूकंप का केंद्र 35.83 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.60 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 75 किलोमीटर की गहराई पर था। अभी तक किसी के हताहत होने या इमारतों को नुकसान की कोई तत्काल खबर नहीं है, लेकिन अधिकारी और मानवीय एजेंसियां स्थिति पर करीब से नजर रख रही हैं। हिंदुकुश पर्वत श्रृंखला (जो उत्तर-पूर्वी

अफगानिस्तान में फैली है) यह अत्यधिक भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र का हिस्सा है, जहां जटिल टेक्टोनिक संरचना के कारण भूकंप बार-बार आते हैं। अफगानिस्तान भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के बीच टकराव वाले क्षेत्र में स्थित है, जो इसे विशेष रूप से भूकंपीय गतिविधि के लिए संवेदनशील बनाता है। संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (यूएनओसीएचए) ने देश की प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशीलता को दोहराया, और कहा कि बार-बार आने वाले भूकंप उन समुदायों को असमान रूप से प्रभावित करते हैं, जो पहले से ही दशकों के संघर्ष और पुराने अविकास से कमजोर हो चुके हैं। रेड क्रॉस के अनुसार, अफगानिस्तान में विशेष रूप से हिंदुकुश जैसे भूगर्भीय रूप से अस्थिर क्षेत्रों में हर साल शक्तिशाली भूकंप आते हैं। पश्चिमी प्रांत हेरात भी एक महत्वपूर्ण फॉल्ट लाइन पर स्थित है, जो देश के भूकंपीय जोखिम को और बढ़ाता है। अक्टूबर 2023 में, 6.3 तीव्रता सहित कई शक्तिशाली भूकंपों ने पश्चिमी अफगानिस्तान, विशेष रूप से हेरात को तबाह कर दिया था, जिसमें 1,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और हजारों लोग विस्थापित हुए थे।

अमेरिकी नागरिकता के लिए इंटरव्यू देने गया फिलिस्तीनी छात्र गिरफ्तार

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका की नागरिकता लेने के लिए इंटरव्यू देने पहुंचे फिलिस्तीनी छात्र को मंहगा पड़ गया। उसे अमेरिका की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। छात्र पर आरोप है कि गाजा युद्ध के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में छात्र ने सक्रिय भूमिका निभाई थी। फिलीस्तीनी छात्र मोहसिन महदावी पिछले करीब दस साल से अमेरिका में रह रहा है। वह 2015 से वहां का ग्रीन कार्ड धारक भी है। वह अमेरिकी नागरिकता के लिए यूएस स्टेट वर्मोंट के इमिग्रेशन दफ्तर में पहुंचा था। जब वह नागिरकता के लिए इंटरव्यू देने अंदर आफिस में गया तो उसे पहले हिरासत में लिया गया। उसके बाद लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। छात्र अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर चुका है। अब वह मास्टर डिग्री करना चाहता है।उधर गिरफ्तार किए गए छात्र महदावी के वकील लूना ड्रोबी ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन ने छात्र को फिलिस्तीनियों के समर्थन में आवाज उठाने के कारण गिरफ्तार किया है। यह पूरी तरह से असंवैधानिक है।

विकासशील देशों पर नए अमेरिकी 'टैरिफ़' मत थोपिएः यूएन व्यापार प्रमुख

एजेंसी

वाशिंगटन। आयात शुल्क (टैरिफ़) थोपे जाने की ख़बरों से विश्व बाज़ारों व व्यापार जगत में बड़ी उथल-पुथल मची है और आशंकाएँ व अनिश्चितताएँ गहरा रही हैं. इस पृष्ठभूमि में, संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास एजेंसी की प्रमुख रेबेका ग्रीनस्पैन ने यूएन न्यूज़ के साथ एक बातचीत में बताया कि उन निर्धनतम देशों को इन शुल्कों से छूट दी जानी चाहिए, जिनकी गतिविधियों का व्यापार घाटे पर मामूली असर ही है. संयुक्त राष्ट्र ने चिन्ता जताई है कि व्यापार क्षेत्र में पसरी अनिश्चितता का उन अर्थव्यवस्थाओं पर असर हो सकता है जोकि पहले से ही सम्वेदनशील हालात का सामना कर रही हैं.इससे पहले, यूएन महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने मंगलवार को कहा था कि व्यापार युद्ध बेहद नकारात्मक हैं, और उनके भयावह नतीजे सामने आ सकते हैं. टैरिफ़ किसी देश में आने वाले आयात पर लगाया जाने वाला कर है, जिसका भुगतान आमतौर पर निर्यातक को करना होता है. यह सामान के मूल्य के प्रतिशत के रूप में लिया जाता है. यानि, एक अतिरिक्त क़ीमत, जिससे सामान महंगा होता है और इसे फिर आमतौर पर उपभोक्ता द्वारा चुकाया जाता है. की शीर्ष अधिकारी ने गुरूवार को फ़ाइनेंशियल टाइम्स में प्रकाशित एक साक्षात्कार में, अमेरिका से अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करने की अपील की. उन्होंने कहा कि ऐसे 44 सबसे कम विकसित देश हैं, जिनका योगदान अमेरिका के व्यापार घाटे में दो प्रतिशत से भी कम है. अधिक टैरिफ़ थोपे जाने से उनका मौजूदा ऋण संकट और भी बदतर हो जाएगा. रेबेका ग्रीनस्पैन ने यूएन न्यूज़ को बताया कि ह्ष्ट्रञ्जष्ठ द्वारा विकासशील देशों को कई प्रकार से सहयोग मुहैया कराया जा रहा है. साथ ही, उन्होंने क्षेत्रीय व्यापार सम्बन्धों को और भी मज़बूत बनाए जाने की वकालत की, जिससे इन देशों को अन्तरराष्ट्रीय व्यापार वार्ता में अपना पक्ष मज़बूती से सामने रखने में मदद मिलेगी.इस इंटरव्यू को संक्षिप्तता व स्पष्टता के लिए सम्पादित किया गया है.यूएन न्यूज़¬ दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन, एक दूसरे पर भारी व्यापार शुल्क थोपने या उसकी धमकी देने की प्रक्रिया में हैं. आपके अनुसार, ये हमारे लिए कितनी बड़ी चिन्ता का विषय हैरेबेका ग्रीनस्पैन¬ जब दो मुख्य वैश्विक अर्थव्यवस्थाएँ शुल्क लगाती हैं, तो इसका असर सिर्फ़ टैरिफ़ युद्ध में शामिल अर्थव्यवस्थाओं पर ही नहीं, बल्कि हर किसी पर पड़ता है. हम पहले से ही कम विकास और ऊँचे कर्ज़ के 'नए सामान्य' हालात का सामना कर रहे हैं, और हम चिन्तित हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की गति धीमी हो जाएगी. हमारा ध्यान सम्वेदनशील हालात से जूझ रहे देशों पर इससे होने वाले प्रभावों पर है, जिनमें सबसे कम विकसित देश और लघु द्वीपीय विकासशील देश शामिल हैं. उन देशों के साथ जो हो रहा है, वह वास्तव में हमें चिन्तित करता है. उ ADB/Deng Jia चीन के आंतरिक मंगोलिया में एक कारखाना (फ़ाइल) यूएन न्यूज़¬ कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि यह युद्ध के बाद बनाई गई अन्तरराष्ट्रीय व्यवस्था का अन्त हो सकता है।

शिक्षकों ने नेपाल सरकार का आग्रह ठुकराया, आंदोलन 15वें दिन भी जारी

एजेंसी

काठमांड। नेपाल के सभी निजी तथा सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की हड़ताल का 15वां दिन है। देशभर के शिक्षक आज भी काठमांडू की सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार ने शिक्षकों की मांग को देखते हुए संसद का बजट अधिवेशन बुलाने का फैसला भी ले लिया है, लेकिन इसके बावजूद शिक्षक महासंघ सिर्फ आश्वासन पर अपनी हड़ताल खत्म करने को तैयार नहीं है। महासंघ ने देशभर के बाकी शिक्षकों को भी काठमांडू आने की अपील की है। प्रधानमंत्री निवास में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में शिक्षकों के मुद्दों को हल करने के लिए 25 अप्रैल से संसद सत्र बुलाकर शिक्षक संबंधी विधेयक पेश करने का फैसला लिया है। इसके बाद शिक्षा मंत्री विद्या भट्टराई ने हड़ताली शिक्षकों से आंदोलन खत्म करने का आग्रह भी किया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि

शिक्षकों की हड़ताल के कारण दसवीं की बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच नहीं हो पा रही है, जिसके साथ ही 12वीं की बोर्ड परीक्षा में भी विलंब हो रहा है। उन्होंने शिक्षा अधिनियम सहित शिक्षकों की मांगों को पूरा करने का भरोसा दिया है। नेपाल शिक्षक महासंघ की उपाध्यक्ष और सरकार से वार्ता करने के लिए गठित समिति की संयोजक नानुमया पराजुली सहित महासंघ के अन्य नेताओं ने सरकार के इरादे पर अविश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से मौखिक आश्वासन मिला है। संसद सत्र में इस बिल को पेश किया जाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। उन्होंने कहा कि अभी तक विधेयक संसदीय समिति के ही पहुंच पाया है, जहां एक-एक बिंदुओं पर सहमति होने में कम से कम एक महीने का समय लग सकता है। पराजुली ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि 15 दिन से आंदोलित शिक्षक खाली हाथ वापस नहीं जाने वाले हैं।

मालदीव ने लगाया इजरायली पासपोर्ट धारकों के प्रवेश पर प्रतिबंध

एजेंसी

कोलंबो। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव आव्रजन अधिनियम में तीसरे संशोधन को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत इजरायली पासपोर्ट धारकों को मालदीव गणराज्य के क्षेत्र में प्रवेश करने से रोक दिया गया है। राष्ट्रपति

कार्यालय ने यह जानकारी दी।

ओडेसा में नाटो महासचिव ने दोहराया समर्थन, यूक्रेन को 22 अरब डॉलर की सुरक्षा सहायता का वादा

एजेंसी

ओडेसा (यूक्रेन)। नाटो महासचिव मार्क रूटे ने यूक्रेन के बंदरगाह शहर ओडेसा का दौरा करते हुए यूक्रेन के प्रति गठबंधन के अटूट समर्थन को दोहराया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 की पहली तिमाही में नोटो सहयोगी देशों ने यूक्रेन को 20 अरब यूरो (लगभग 22 अरब डॉलर) की सुरक्षा सहायता देने का संकल्प लिया है। रूटे ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, ÷मैं यहां इसलिए हूं क्योंकि मैं मानता हूं कि यूक्रेन के नागरिकों को अपने देश में वास्तविक शांति और सुरक्षा का अधिकार है। ओडेसा के एक अस्पताल में उन्होंने ज़ेलेंस्की के साथ घायल सैनिकों से भी मुलाकात की।यह दौरा ऐसे समय हुआ जब हाल ही में रूस ने उत्तर-पूर्वी शहर सुमी पर दो बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया, जिसमें

35 नागरिकों की मौत हो गई थी, जिनमें दो बच्चे भी शामिल थे, और 119 लोग घायल हुए थे। इससे पहले, 04 अप्रैल को ज़ेलेंस्की के गृहनगर क्रिवी रिह पर भी मिसाइल हमला हुआ था, जिसमें 20 लोगों की जान गई थी। रूटे ने हालिया हमलों को भीषण हिंसा करार देते हुए कहा, इन हालात में बातचीत आसान नहीं है, लेकिन हम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुरू की गई शांति वार्ताओं का समर्थन करते हैं। बता दें कि ट्रंप के नेतृत्व में सऊदी अरब में कीव और मॉस्को के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है। हालांकि, रूस ने युद्धविराम के लिए कई शर्तें लगाकर इस प्रक्रिया को रोक रखा है। इसके बीच, यूरोपीय देशों और यूक्रेन ने मिलकर एक बहुराष्ट्रीय सुरक्षा ढांचा तैयार करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है, जिसे कोएलिशन ऑफ द विलिंग कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य युद्धविराम के बाद भविष्य में किसी भी रूसी आक्रामकता को रोकना है। जेलेंस्की ने बताया कि तुर्की ब्लैक-सी की सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा सकता है। तुर्की में चल रही बैठक में यूक्रेन, फ्रांस, ब्रिटेन और तुर्की के सैन्य प्रतिनिधि इस विषय पर चर्चा कर रहे हैं। नाटो प्रमुख ने कहा, ÷यह वार्ता इस बात का संकेत है कि हम भविष्य की सुरक्षा तैयारियों की दिशा में गंभीर हैं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

महाराष्ट्र के राज्यपाल ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स हैंडल पर मुलाकात की तस्वीरें साझा की हैं। वहीं राज्यपाल ने एक्स पोस्ट में कहा कि आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलकर प्रसन्नता हुई।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर हुई कांग्रेस-राजद की बैठक, 17 अप्रैल को पटना में होगी आगे की चर्चा

नई दिल्ली। इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पक्ष और विपक्ष के राजनीतिक दल रणनीति बनाने में जुट गए हैं।इसी संदर्भ में दिल्ली में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस की बैठक हुई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई इस बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भाग लिया। आगे की चुनावी रणनीति को लेकर अब 17 अप्रैल को पटना में बैठक बुलाई गई है जिसमें विपक्ष के अन्य दलों के प्रतिनिधियों के भी भाग लेने की संभावना है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के आवास पर हुई बैठक में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार शामिल हुए। वहीं, राजद सांसद मनोज झा भी बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आज की बैठक में महागठबंधन की मजबूत बनाए जाने पर विचार किया गया। बिहार में इस बार निश्चित तौर पर बदलाव होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में बिहार की जनता को हम एक सशक्त, सकारात्मक, न्यायप्रिय व कल्याणकारी विकल्प देंगे। युवा, किसान-मजदूर, महिलाएँ, समाज के पिछड़े, अति पिछड़े व अन्य सभी वर्गों के लोग बिहार में महागठबंधन की सरकार चाहते हैं।

ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल को तुष्टीकरण की प्रयोगशाला के रूप में इस्तेमाल कर रही हैं : भाजपा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसा को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए ममता बनर्जी पर तुष्टीकरण का आरोप लगाया है। ममता बनर्जी बंगाल को तुष्टीकरण की प्रयोगशाला के रूप में इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने हिन्दुओं पर हो रहे हमले और हिंसा के लिए ममता को जिम्मेदार बताया है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि बंगाल के अंदर जो हिन्दुओं पर हमले हो रहे है, उस हिंसा को ममता बनर्जी उकसा रही है और समर्थन कर रही है।वक्फ संशोधन बिल को जब संसद ने पारित किया तो देश में एक खुशी की लहर है, लेकिन बंगाल में स्वामी विवेकानंद, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, रविंद्रनाथ टैगोर की धरती को आज ममता बनर्जी ने एक तुष्टीकरण की प्रयोगशाला बना दिया है। एक तरफ पुलिस एसएससी घोटाले में ममता बनर्जी के सामने आने के बाद प्रदर्शनकारी शिक्षकों पर लाठीचार्ज हो रहा है। दूसरी तरफ जब कट्टरपंथी भीड़ हिंदुओं पर हमला करती है तो पुलिस चुप रहती है। यहां तक कि जब उन पर पत्थर फेंके जाते हैं तो भी वे जवाब नहीं देते क्योंकि ममता बनर्जी ने उन्हें हिंसा जारी रखने का निर्देश दिया है। भाजपा मुख्यालय में आज आयोजित प्रेसवार्ता में प्रदीप भंडारी ने कहा कि 5 अप्रैल के बाद ममता बनर्जी ने सार्वजनिक तौर पर बयान दिया है कि वे वक्फ संशोधन बिल का विरोध करेंगी। इसके बाद उनके करीबी सहयोगी और मंत्री सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने सार्वजनिक तौर पर तनाव भड़काया और खुलेआम दावा किया कि उन्हें ममता बनर्जी का समर्थन प्राप्त है। इससे कट्टरपंथी तत्वों को साफ संदेश गया कि उन्हें खुद मुख्यमंत्री का समर्थन प्राप्त है।

शिक्षा से संवेदना और जीवन मूल्यों का विकास आवश्यक: डॉ जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत विकास परिषद, दिल्ली प्रान्त (उत्तर) ने प्रधानमंत्री संग्रहालय, नई दिल्ली में सामाजिक समरसता में शिक्षा एवं संस्कारों की भूमिका विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया। गोष्ठी के मुख्यातिथि प्रधानमंत्री कार्यालय एवं कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ जितेन्द्र सिंह ने समाज निर्माण में शिक्षा एवं संस्कारों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि आज का जो विषय है, यह किसी को सिखाया नहीं जा सकता। शिक्षा केवल लोगों में भावना उत्पन्न कर सकती है। शिक्षा प्राप्त करने से यह आवश्यक नहीं कि समरसता और संस्कार आ जाएं। केंद्रीय मंत्री ने कई महापुरुषों के वक्तव्यों को साझा करते हुए भारत की ताकत पर जोर दिया। देश के बंटवारे को लेकर कहा कि देश के पढ़े-लिखे लोगों ने ही देश का बंटवारा कराया। वहीं नई शिक्षा नीति को लेकर कहा कि भविष्य में इसके अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। पुरानी शिक्षा को लेकर कहा कि मुझे

यह हैरानी हुई कि लोग इसे कैसे झेलते रहे। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदर्श कुमार गोयल ने कहा कि आज का विषय बहुत महत्वपूर्ण है। बीते दिनों डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई, जिनका आज के विषय से गहरा नाता है। अंबेडकर ने संविधान में सभी में एकता की भावना उत्पन्न करने के लिए इस विषय को जोड़ा। उन्होंने आगे भारतीय संस्कृति पर जोर देते हुए कहा कि एक हैं तो सेफ हैं यह बिल्कुल सही कहा जा रहा है। वहीं वक्फ कानून को लेकर बंगाल में हुई हिंसा पर कहा कि कानून का विरोध हो सकता है, लेकिन जिस प्रकार की हिंसा हुई वह गलत है। विशिष्ट अतिथि कर्नल सिंह जी, राष्ट्रीय संयोजक (संपर्क- भारत विकास परिषद) एवं पूर्व निदेशक, प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि सामाजिक समरसता के लिए केवल शिक्षा नहीं, बल्कि लोगों की सोच में भी बदलाव की आवश्यकता है। वोटबैंक की राजनीति के लिए लोगों को बहकाया जा रहा है। आज के युवाओं को अपने रोल मॉडल को सही ढंग से चुनना होगा। प्रो. बलराम पाणी जी, डीन ऑफ कॉलेजेस, दिल्ली विश्वविद्यालय ने शिक्षा प्रणाली की वर्तमान चुनौतियों की चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ युवाओं को अपने संस्कारों पर भी काम करना होगा। भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुरेश जैन ने परिषद के उद्देश्य, कार्यपद्धति एवं सेवा-संस्कार आधारित दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हाल ही में अंबेडकर जयंती मनाई गई। उन्होंने लोगों को शक्ति दी। भारत विकास परिषद के अंदर सेवा की भावना है।

डीआरआई ने आईजीआई एयरपोर्ट पर 7.56 किलोग्राम कोकीन जब्त की

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर करीब 75.6 करोड़ रुपये मूल्य की 7.56 किलोग्राम कोकीन जब्त करने के साथ ही एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण अभियान में विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर डीआरआई ने 14 अप्रैल को इंदिरा गांधी अंतराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर दुबई से आने वाले एक भारतीय नागरिक को रोका। यात्री के बैगेज की गहन जांच के बाद पांच खाली हैंडबैग यानी पर्स पाए गए। इन पांच बैगों की भीतरी परतों को काटने पर 7.56 किलोग्राम वजन के सफेद पाउडर के 10 पैकेट छिपे पाए गए। राजस्व खुफिया निदेशालय ने इस पाउडर को जांच के लिए भेजा तो कोकीन की पुष्टि हुई। बरामद कोकीन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 75.6 करोड़ रुपये कीमत आंकी गई है। इसके बाद पकड़े गए व्यक्ति को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। डीआरआई तस्करी ऑपरेशन में शामिल किसी भी संभावित नेटवर्क की पहचान करने के लिए आगे की जांच कर रहा है।

आईएएस अधिकारियों के विकास कार्य राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होंगे: राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्तमान में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के रूप में कार्यरत 2023 बैच के आईएएस अधिकारियों के एक समूह ने राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रपति ने आईएएस अधिकारियों से कहा कि स्थानीय और राज्य स्तर पर उनके द्वारा किए गए विकास और जनकल्याण के कार्य राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होंगे। राष्ट्रपति ने आईएएस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे असाधारण दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से आईएएस अधिकारी बने हैं। इससे उनके व्यक्तिगत जीवन में भी बड़ा बदलाव आया है। अब और भी अधिक दृढ़ संकल्प और समर्पण के साथ उन्हें अनगिनत लोगों के जीवन में परिवर्तनकारी बदलाव लाने का अवसर मिला है। उनकी सेवा और अधिकार का क्षेत्र इतना व्यापक है कि वे अपनी पहली पोस्टिंग में ही कई साथी नागरिकों के जीवन को बेहतर बना सकते हैं। राष्ट्रपति ने उन्हें

वंचितों के उत्थान के लिए विशेष प्रयास करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी सलाह दी कि वे अपने करियर के दौरान कुछ समय बाद पोस्टिंग वाले स्थानों का दौरा करें और अपने काम के दूरगामी परिणाम देखें। राष्ट्रपति ने कहा कि अधिकारियों को सिविल सेवकों के अधिकारों और कर्तव्यों को ध्यान में रखना चाहिए। एक लोकसेवक के कर्तव्य उसकी ज़िम्मेदारियां हैं और उसके अधिकार उन कर्तव्यों को पूरा करने का साधन हैं। राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि उनके करियर की असली कहानी उनके काम से बनेगी, न कि सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स की संख्या बढ़ाने से। उनकी असली सामाजिक संपत्ति उनके अच्छे काम से तय होगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक लोकसेवक को ईमानदारी और उद्देश्य के साथ काम करना चाहिए। पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का हम सभी सामना कर रहे हैं।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Satyavir Singh S/O Nand Ram R/O Post Office- Najafgarh, 4/28, Roshan Garden, Kakrola Road, Najafgarh, South West Delhi, Delhi- 110043, declare that the name of mine has been wrongly written as SATYABIR SINGH in my Service Record. The actual name of mine is Satyavir Singh.

NAME CHANGE
I, Shakuntla Devi is legally Mother of 4579083W Rank-HAV Name: Narender Kumar presently residing at Vill. Lakhoh, PO-Balh, Bihal Teh-Barsar, Distt.:Hamirpur, Himachal Pradesh-176040 have changed my name from Sakuntala to Shakuntla Devi vide affidavit dated 07.04.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, VIJAY KUMAR S/o RAM SINGH, R/o House No. 3138, 3rd Floor, Gali Satghara Banjabi Basti Sabji Mandi, Kamla Nagar, Malka Ganj, North Delhi, Delhi-110007, declare that name of mine has been wrongly written as VIJAY in my Service Record. The actual name of mine is VIJAY KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SAROJ KUMAR ROUT S/O CHAKRADHAR ROUT Presently Residing PLOT NO-253, HASTSAL VILLAGE, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059, Permanent Resident VILLAGE-JAIMARA, POST OFFICE-SASANDA, JAINMARA, JAJAPUR, ODISHA-755027 have changed my name and shall hereafter be known as SAROJA KUMAR ROUT

NAME CHANGE
It is for general information that I, NAWIN KUMAR THAKUR S/o DIGAMBER THAKUR R/o B-1/317-B, Gali-10, New Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi-110096, declare that name of mine has been wrongly written as NAVEEN THAKUR in my minor daughter namely SHEETAL aged 17 years in her CBSE 10th class Educational Documents. The actual name of mine is NAWIN KUMAR THAKUR.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Kusum is the owner of Freehold Residential Plot area measuring 50 Sq. Yds. i.e. 41.80 Sq. Mtrs. Part of Khasra No.663 Situated at Village Kuleshra Pargana Dadri Tehsil and District Gautam Budh Nagar, U.P. by virtue of Sale Deed dated 20.01.2023 Vide Doc No.1764, Book No.1, Volume No.42266, on Page Nos.327-342, Registered on 20.01.2023, in S.R-Greater Noida. In the chain documents below mentioned document not available i.e. Original Sale Deed dated 17.08.2022 executed by Mr. Balraj Singh in favour of Mr. Anil Kumar Vide Doc no. 18225, Vol no. 41576 Page no. 289-302 SR- Greater Noida., Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mrs. Sushila Devi which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch- Greater Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अमरेशवती** पत्नी **प्रवीण कुमार** पुत्री **सुरजीत सिंह निवासी मकान नं. 813, गली नंबर 01, पुष्पांजलि कॉलोनी लोनी, 25 फुटा रोड के पास, गाजियाबाद, यूपी** ने case **CIS No. 712/16 U/s 138 NI Act, थाना भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है **अमरेशवती** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अमरेशवती** फरार हो गयी है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **CIS No. 712/16 U/s 138 NI Act, थाना भजनपुरा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अमरेशवती** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **17.05.2025** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री इसरा जैदी
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–04
कमरा नं. 64, चौथा तल, उत्तर पूर्वी जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4706/NE/2025(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मो. दिलशाद**, **पुत्र** : मो. शज़ाद, **पताः** अशोक का मकान, पूजा कॉलोनी, लोनी, गाज़ियाबाद, उ.प्र. ने मुकदमा **FIR No. 651/15 U/s 392/411 IPC, थानाः भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मो. दिलशाद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मो. दिलशाद** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 651/15 U/s 392/411 IPC, थानाः भजनपुरा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मो. दिलशाद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पंकज राय
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी–01
कमरा नं. 73, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4705/NE/2025
(Court Matter)

PEGASUS LAND AND HOUSING PRIVATE LIMITED
Corp. Off.: ROF Group, Building No. 80, First Floor, Sector-44, Gurgaon-122003, Ph. 0124-4399399

Notice is hereby given to the Public at large that the following booking of residential apartments in the Affordable Housing Project **"ROF ATULYAS"** being developed by **M/s Pegasus Land and Housing Pvt. Ltd.** situated at **Sector 93,** Gurugram, Haryana vide **License no. 19 of 2020 dated 01.08.2020** has been cancelled due to non –payment of installments or allotment amount by successful allottee (s) of their apartments till its due date or any other reason, the information/reminders of which has been given them according to terms of the Haryana Affordable Housing Policy 2013, dated 19/8/2013 (as amended).

Application No.	Carpet Area (Sq. Ft.)	Apartment No.
1168	2 BHK+S.ROOM TYPE-2(641.426)	T4-1308
52696	2 BHK, TYPE-2 (468.556 SQ.FT.)	T7-303
52649	2 BHK, TYPE-1 (502.571 SQ.FT.)	T7-1001

Therefore, all the person/allottee (s) are hereby informed to submit claims/objections in writing, if any, for the cancellation of the said apartments to the undersigned company/developer along with the relevant documents to support their claims/ objections within 7 days from the date of publication hereof.
In the absence of any claim within the stipulated period above, it shall be presumed and/or deemed that the allottee (s) or concern has no such claims/objections by virtue of this notice and, if any, the same have been waived or abandoned without any reference to such claims/objections made thereafter and necessary action will be taken as per rules for the process of re-allotment.

For Pegasus Land and Housing Pvt. Ltd.
Place: Gurugram (Haryana) Director

NAME CHANGE
I RAMESH CHAND AMBAWATA S/O ROOP CHAND R/O 515/1 GANJE MOHLLA JAUNAPUR MEHROLI DELHI-110047 HAVE CHANGE MY NAME TO RAMESH CHAND FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I hitherto known as AAKAASH VARMA S/o S P VERMA R/o D-2307 Savior Greenarch, Sector-Techzone-4, Bishrakh, PO: I.A Surajpur, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201306 have changed my name and shall hereafter be known as AKASH VARMA.

NAME CHANGE
I,JANNAT D/O Juned R/O S82/256 JAGDAMBA CAMP MALVIYA NAGAR Malviya Nagar Malviya Nagar Hauz Khas South Delhi Delhi-110017,have changed my name and shall hereafter be known as Sahana

NAME CHANGE
I hitherto known as Shashi kala Panday alias Shashi Pandey D/O Raj Dev Tiwari W/O Trilokey Nath Pandey, R/O RC-460, Azad Vihar, Block E, Khora Colony, Khora Ghaziabad,Uttar Pradesh-201309, have changed my name and shall hereafter be known as Shashi Kala Panday

NAME CHANGE
I, Reena W/o Pradeep Kumar residing at House No. 907, Pana Mojan, Village Bawana, North West Delhi-110039, have changed the name of my minor Son Ayush aged 15 Years and he shall thereafter be known as AYUSH SHARAWAT.

NAME CHANGE
I, Yogesh Keshari S/O Ram Chandra Keshari R/O 769/90A/1A, Baghambari Gaddi, Allahpur, Prayagraj, Uttar Pradesh-211006 have changed my name to Yogesh Kumar Keshari for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sharda Devi, D/o Jwala Prasad, W/o Ram Chander, R/o RZ-6, Gali No.-1, Kailash Puri, Palam Colony, South West Delhi, Delhi-110045, have changed my name and shall hereafter be known as GYARSI DEVI ALIAS SHARDA DEVI.

NAME CHANGE
It is for general information that I, PARMOD KUMAR S/o PRAKASH CHAND, R/o House No. 450, Kh.No. 43, Dada Mai Wala Road, Bankner, PO: Narela, Dist.: North West Delhi, Delhi-110040, declare that name of mine has been wrongly written as PRAMOD KUMAR in my Service Record, and as PARMOD KUMAR KANDERA in my 10th & 12th class Educational Documents. The actual name of mine is PARMOD KUMAR.

NAME CHANGE
L Daropati Devi Mother of No, 4589412P Rank NK Name Pintu Gujar residing at vill- Jhadisa, PO- Jhadisa Distt Karauti, Rajasthan-321611 have changed my name from Dropti Devi to Daropati Devi vide affidavit dated 08.04.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Monika Shukla alias Monika Bajpai D/O Babu Lal Shukla W/O Anurag Bajpai R/O SE-609, Shastri Nagar, Ghaziabad , Ghaziabad Uttar Pradesh -201002, have changed my name and shall hereafter be known as Monika Bajpai

PUBLIC NOTICE
I, VENKATESWARARAO SIDDEPARAPU S/O BHASKARARAO SIDDEPARAPU R/O QTR No- 741, Type 2, SPG Complex, Sec O8, Dwarka New Delhi-110077, declare that name of mine, my wife and my minor Son have been wrongly written as SIDDEPARAPU VENKATESWARA RAO, SIDDEPARAPU VENKATA SANDHYA and SIDDEPARAPU SUSHANT HARSHIK in my minor Son namely SUSHANT HARSHIK SIDDEPARAPU, aged 8 years in his Transfer Cirtificate. The actual name of mine, my wife and my minor Son are VENKATESWARARAO SIDDEPARAPU, VENKATA SANDHYA SIDDEPARAPU and SUSHANT HARSHIK SIDDEPARAPU respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
I, ADITYA SHARMA S/o MAHESH SHARMA R/o C-314, X/1030, New Chand Mohalla, Gandhi Nagar, Delhi - 110031 has embraced Sikhisam and renounced Hinduism on 03.04.2024. In future my name will be considered as ADITYA SINGH and not ADITYA SHARMA.

NAME CHANGE
I, VIJETA W/O GAURAV CHAUDHARY residing at H NO-14/77, GEETA COLONY, DELHI-110031 have changed my name to VIJETA CHAUDHARY for all future purposes.

NAME CHANGE
I, THULASI BHAI Mother of No-15188349Y Rank-HAV Name-SANTHOSH SUDHAKARAN residing at VILL-PALAMEL, PO-NOORANAD, TEHSIL-MAVELIKARA, DIST-ALAPPUZHA, KERALA-690504, have changed my name from THULASI BHAI to THULASIBAI O for all future purposes vide Affidavit dated 16/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Anju Singh W/O: Dilip Kumar Singh, R/O 209, Street No-5, Near Air Force Hindan, New Karhera Colony, Mohan Nagar, PO: Mohan Nagar, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201007,have changed my name and shall hereafter be known as ANJANI SINGH.

PUBLIC NOTICE
I, VENKATESWARARAO SIDDEPARAPU S/O BHASKARARAO SIDDEPARAPU R/O QTR No- 741, Type 2, SPG Complex, Sec O8, Dwarka New Delhi-110077, declare that name of mine, my wife and my minor Son have been wrongly written as SIDDEPARAPU VENKATESWARA RAO, SIDDEPARAPU VENKATA SANDHYA and SIDDEPARAPU SUSHANT HARSHIK in my minor Son namely SUSHANT HARSHIK SIDDEPARAPU, aged 8 years in his Transfer Cirtificate. The actual name of mine, my wife and my minor Son are VENKATESWARARAO SIDDEPARAPU, VENKATA SANDHYA SIDDEPARAPU and SUSHANT HARSHIK SIDDEPARAPU respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Reena W/o Pradeep Kumar residing at House No. 907, Pana Mojan, Village Bawana, North West Delhi-110039, have changed the name of my minor Daughter Unnati aged 5 Years and she shall thereafter be known as UNNATI SHARAWAT.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sweta Kumari D/O Devendra Kumar Bharti,R/O H.NO-558B, NYAY KHAND- III, NEAR VIVEKANAND PUBLIC SCHOOL, INDIRAPURAM, INDIRAPURAM, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201014,have changed my name and shall hereafter be known as SWETA BHARTI.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Amrita Kumari W/o Mr. Vidyakant Kumar purchasing Freehold Residential Property Bearing No. 127-B, Upper Ground Floor, Rear Side Flat, Savitri Nagar, Malviya Nagar, Out of Khasra No. 47, Near Choti Masjid, Situated in Sheikh Sarai, Within Lal Dora, Near Police Station Malviya Nagar, DELHI, South Delhi 110017. from Mrs. Kamlesh Kumari D/o Mr. Shankar Dass., initially Mr. Shankar Dass S/o Mr. Ganesh Dass is the owned by virtue of Registered Sale deed dated 12.06.1967, thereafter Mr. Shankar Dass S/o Mr. Ganesh Dass executed Will in favour of His Wife Mrs. Shanti Devi, thereafter Mrs. Shanti Devi and Mr. Shankar Dass expired on 31.07.2020 and 05.11.1994, and same property sold to be Mrs. Amrita Kumari W/o Mr. Vidyakant Kumar our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by DMI Housing Finance A-21, 3rd Floor, Bara Mohalla, Duggal Colony, Deoli Road, Khanpur, Near Relaxo Showroom, Delhi-110062 If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
It is for general information that I, KOMAL ARORA W/O LATE SH. RAJESH ARORA R/O 1631, OLUTERRAM LINE GTB NAGAR, KINGSWAY CAMP, DR. MUKERJEE NAGAR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110009 declare that name of my husband and my minor daughter has been wrongly written as RAVINDER KUMAR and VANIKA SACHDEVA in my minor daughter VANIKA ARORA aged 14 years in her Aadhar card-729117425369. The actual name of my husband and my minor daughter are RAJESH ARORA and VANIKA ARORA, which may be amended accordingly.

Change of Gender
I, PRANAV GROVER S/o Sh. Ashish Grover assigned as Male at the time of birth R/o C4H/163b JANKAPURI NEW DELHI 110058, Delhi hereby undertake that I PRANAV GROVER want to change my gender as FEMALE. Henceforth I will be known as PRANAV GROVER D/o Sh Ashish Grover. The above statement made by me is true & correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I will be personally responsible for the same and the Department of Publication will not be liable for any consequences arising therefrom.

NAME CHANGE
I, GAURAV GROVER S/O MULAKH RAJ GROVER residing at H NO-562/63, GALI NO-14, WEST GURU ANGAD NAGAR, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 have changed my name to GAURAV KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Gaurav alias Gaurav Kumar S/O Shiv Kumar R/O 61B, D.D.A.Flat , Manglapuri, Phase-1,Palam Colony ,South West Delhi, Delhi -110045, have changed my name and shall hereafter be known as Gaurav Kumar

NAME CHANGE
I, VIJETA CHAUDHARY W/O GAURAV CHAUDHARY residing at H NO-14/77, GEETA COLONY, DELHI-110031 have changed my minor son name from AARAV to AARAV CHAUDHARY for all future purposes.

NAME CHANGE
I Pradeep Saran S/O Jagpal Saran, R/O D-163, Old Seemapuri ,Old Seemapun, East Delhi, Jhilmil, Delhi, 110095 have changed the name of my minor daughter namely Nandni Saran aged 14 years and she shall hereafter be known as ADITI SARAN.

NAME CHANGE
I, No-15490301H Rank-DFR Name-RAGVINDER SINGH residing at VILL-MANGAL, PO-CHAK CHIMNA, TEHSIL-BISHNAH, DIST-JAMMU, JAMMU AND KASHMIR-181141, have changed my minor daughter's name from RAVLEEN KAUR to RAVLEEN KOUR for all future purposes vide Affidavit dated 16/04/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client Mr. Subhashish Das is purchasing the Upper Ground Floor, L-corner front side, without roof rights, area measuring 66.66 Sq. Yds. out of total land area measuring 200 Sq. Yds. out of Property bearing No. H-3/10, out of Khasra No. 83/20/1, situated in the revenue estate of Village Palam, colony known as Mahavir Enclave, New Delhi-110045 from Mr. Shashank Gupta who is the owner of the said property vide Sale Deed dated 21.02.2024 registered as DOC NO. 2024/16/I/2393,and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** That the Surviving Member Certificate of Late Mr. P.K. Maitra and Late Mrs. A. Maitra is not available. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Max Law Firm
LG-07, Sector-63
Noida, 201301
Contact no- 120 409 5113

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Sh. Satya Pal Yadav** is the Owner of Plot No. 5, area measuring 133 Sq. Yds. out of Khasra No. 342/12, situated in the abadi of Kewal Park, Delhi, in the area of Village Azadpur Delhi through Sale Deed Sale Deed dated 15.01.1993 as doc. No. 318 executed by Smt. Ragni Rastogi in favour of Sh. Satya Pal Yadav in respect of Said Plot.
The above-said owner has misplaced the **(1) Original** Sale Deed Dated 03.02.1958 as doc. No. 195 executed in favour of Sh. Jyoti Prashad in respect of said plot. **(2) Original** Relinquishment Deed dated 23.02.1988 as doc. No. 591 executed by Smt. Santosh Kumari, Smt. Pushpa, Smt. Raksha & Smt. Shashi in favour of Smt. Maya Devi in respect of Said Plot. Application No.-2757643/2025, registered at P.S. Crime Branch, Delhi on 16.04.2025. Anyone who finds the above-mentioned documents, Kindly handover the same to the Manager of **Tata Capital Ltd., F12 1st Floor| Dasmesh Niwas| Preet Vihar Vikas Marg| New Delhi| 110092.**
Sh. Satya Pal Yadav is in the process of mortgaging the said plot with Tata Capital Ltd. Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.
If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting
Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Renu Devi** is the owner of Plot No. 10A, area measuring 50 Sq. Yds., out of Khasra No. 106 & Plot No. 10 & 11, area measuring 100 Sq. Yds. out of Khasra No. 106K, (Total land area measuring 50+100 Sq. Yds = 150 Sq. Yds.), situated in the Daulat Ram Colony Majra, Vill. Roopvas, Pargana/Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. through Sale Deed dated 28.06.2019 as doc. No. 13115 executed by Suresh in favour of Renu Devi in respect of Plot No. 10A, area measuring 50 Sq. Yds., out of Khasra No. 106 and Sale Deed dated 18.03.2023 as doc. No. 9997 executed by Munesh Pal in favour of Renu Devi in respect of Plot No. 10 & 11, area measuring 100 Sq. Yds. out of Khasra No. 106K of said property.
Renu Devi is in the process of mortgaging the said flat with **Art Housing Finance (India) Limited.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 7 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 7-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.
If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 7-days period by contacting
Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client Mr. Ishpreet Singh is purchasing the Entire Third Floor, with roof rights, built-up Property bearing No. 81, area admeasuring 40 Sq. Yds. i.e. 33.444 Sq. Mtrs., situated in Block A-2A (A-2A/81), Janakpuri, New Delhi-110058 from Mr. Bhupinder Chopra who is the owner of the said property vide Sale Deed dated 12.06.2024 registered as DOC NO. No.2024/25/I/15879, and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Max Law Firm
LG-07, Sector-63
Noida, 201301
Contact no- 120 409 5113

NAME CHANGE
I, Bhagvan Singh is legally father of 4580346W Rank-HAV Name: Arvind Singh presently residing at 109, Naubadpur, Bhognipur, Kanpur Dehat, Shekhapur, Uttar Pradesh -209112 have changed my name from Bhagwan Singh to Bhagvan Singh vide affidavit dated 15.04.2025 executed before Notary Public, Delhi.

महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट के नजदीक करीब 3 हजार एकड़ में बनेगा आईएमसी : नायब सैनी

● एनआईसीडीसी के सहयोग से विकसित होगा आईएमसी ● मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई अहम बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए हिसार स्थित महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट के नजदीक लगभग 3 हजार एकड़ में औद्योगिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (आईएमसी) स्थापित किया जाएगा। इस पर लगभग 4680 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस आईएमसी को हरियाणा सरकार और नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनआईसीडीसी) के सहयोग से विकसित किया जाएगा। यह जानकारी यहां मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई एक अहम बैठक में दी गई। बैठक में नागरिक उड्डयन मंत्री श्री विपुल गोयल भी मौजूद रहे।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि देशभर में विनिर्माण क्षेत्र में विकास को गति देने तथा व्यवस्थित और नियोजित शहरीकरण सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के आधार पर एकीकृत इंडस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित कर रही है। अमृतसर- कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत 7 राज्यों में कुल 6 शहरों में इंडस्ट्रियल टाउनशिप स्थापित की जाएगी, जिसमें हिसार में स्थापित होने वाला आईएमसी सबसे बड़ी परियोजना है, जो लगभग 3 हजार एकड़ में विकसित होगी। इस आईएमसी को दो चरणों में विकसित किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि इस परियोजना के विकसित होने से लगभग 32 हजार करोड़ रुपये के निवेश आने की संभावना है और 10 हजार से अधिक रोजगार के अवसर

सृजित होंगे। आईएमसी में सड़क, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट (एसटीपी) सहित सभी प्रकार की बुनियादी और आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए जल्द ही इस एनआईसीडीसी तथा हरियाणा सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया जाएगा।

महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट के होने से आईएमसी में उद्योगों को होगा बहुत बड़ा लाभ

मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को जल्द ही औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस आईएमसी में भारत के साथ-साथ विदेशी कंपनियों से भी निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिसार में चिन्हित 7200 एकड़ में से लगभग 4212 एकड़ में महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट है और लगभग 2988 एकड़ में आईएमसी स्थापित की जाएगी। एयरपोर्ट के नजदीक होने से उद्योगों को बहुत बड़ा लाभ मिलेगा।

हरियाणा को दो इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से होगा बड़ा फायदा

बैठक में बताया गया कि एनआईसीडीसी द्वारा विकसित किया जा रहा दिल्ली- मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत हरियाणा के नांगल चौधरी में लगभग 886 एकड़ पर एकीकृत मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक हब भी बनाया जाएगा। इस प्रकार, हरियाणा को दो इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का बड़ा फायदा मिलने वाला है, जिससे प्रदेश में निवेश के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के विजन के तहत विकसित हरियाणा बनाने के लिए उद्योगों का विकास अति आवश्यक है। उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने प्रदेश में 10 आईएमटी स्थापित करने का संकल्प लिया है। संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, नागरिक उड्डयन विभाग के प्रधान सचिव श्री श्यामल मिश्रा, एनआईसीडीसी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री रजत कुमार सैनी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

गर्मी की शुरुआत होते ही बेजुबान पक्षियों की सेवा के लिए महात्मा ज्योतिबा फुले ब्रिगेड की पहल

नारनौल। तेज गर्मी और चिलचिलाती धूप में जहां इंसान स्वयं को राहत देने के लिए अनेक उपाय करता है, वहीं बेजुबान पक्षी अक्सर पानी और भोजन के अभाव में दम तोड़ देते हैं। इसी मानवीय चिंता को समझते हुए महात्मा ज्योतिबा फुले ब्रिगेड ने एक सराहनीय पहल की है। ब्रिगेड के संस्थापक गौतम सैनी के नेतृत्व में स्थानीय राजकीय महिला महाविद्यालय के प्रांगण में पक्षियों के लिए दाना-पानी के पात्र और घोंसले लगाए गए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. पी. सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने अपने कर-कमलों से पात्र स्थापित किए। महत्वपूर्ण बात यह रही कि इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. आर. पी. सिंह के साथ-साथ महाविद्यालय का संपूर्ण स्टाफ भी सम्मिलित रहा। जिसने इस आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। प्राचार्य डॉ. आर. पी. सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा प्रकृति के संरक्षण और जीवों की सेवा हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। गर्मियों में जब जीव-जंतु पानी की एक बूंद को तरसते हैं, ऐसे में इस प्रकार की छोटी-छोटी पहलें उनके लिए जीवनदायिनी सिद्ध होती हैं।

कुपोषण से बचाव की जानकारी दी

नारनौल। ग्राम पंचायत रामपुरा में पोषण पखवाड़ा के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुपोषण से बचाव की जानकारी दी गई। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन के खंड संसाधन संयोजक धर्मेंद्र ने बताया कि कुपोषण से बचने के लिए संतुलित आहार के साथ पेयजल गुणवत्ता बहुत जरूरी है। जिस प्रकार मनुष्य के स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित आहार जरूरी होता है। जिसमें प्रोटीन, विटामिन, वसा, कार्बोहाइड्रेट आदि की उचित मात्रा जरूरी है। उसी प्रकार पेयजल के लिए उसका टीडीएस, फ्लोराइड, पीएच, अल्केनिटी आदि मिनरल्स का संतुलित होना भी जरूरी है। इसलिए सभी को भूमिगत जल का दोहन अपनी आवश्यकता के अनुसार करना चाहिए। जो पेयजल कनेक्शन नालियों के अंदर हैं, उनको नालियों से बाहर निकालना चाहिए और सभी पर टूटी जरूर लगी हो, ताकि दूषित जल व अन्य जीव पेयजल लाइन में ना जा पाए और जल जनित बीमारियों से बचा जा सके। स्वास्थ्य विभाग से ए.एन.एम. निर्मला ने डायरिया के लक्षण एवं रोकथाम के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

हकेंवि विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना, कुलपति ने दिखाई हरी झंडी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी द्वारा बी.टेक. विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। आगामी 19 अप्रैल तक चलने वाले इस भ्रमण को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि आज का समय अनुभव से सीखने का है। व्यावहारिक ज्ञान राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का मुख्य अंग है। जिसका उद्देश्य विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करना है। कौशल-आधारित और अनुभव-आधारित शिक्षा को अपनाकर विद्यार्थी राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान दे सकेंगे। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी के डीन एवं भ्रमण के समन्वयक प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि इस भ्रमण में विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और सिविल इंजीनियरिंग विभाग के 63 विद्यार्थी प्रतिभागिता कर रहे हैं। भ्रमण का संचालन प्रो. फूल सिंह, सुश्री इंदु सैनी, और डॉ. अमित कुमार द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भ्रमण के दौरान विद्यार्थी बांध, विद्युत उप-केन्द्र (सबस्टेशन), और विभिन्न आधारभूत संरचना परियोजनाओं का भ्रमण करेंगे। इससे उन्हें विषय का व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करने और शैक्षणिक ज्ञान को और अधिक समृद्ध करने में मदद मिलेगी।

जिलाभर में मंडियों और खरीद केंद्रों पर 28459.50 मीट्रिक टन गेंहू की हुई खरीद

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि नूंह जिला की अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों पर अब तक 28459.50 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। उन्होंने खरीद एजेंसियों को खरीद की गई गेंहू की फसल के नियमित उठान कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि गेहूं फसल की खरीद प्रक्रिया में नूंह अनाज मंडी में 12560.70 मीट्रिक टन, तावड़ू में 3692.70 मीट्रिक टन, पुन्हाना में 11120.70 मीट्रिक टन, फिरोजपुर-झिरका में 112.50 मीट्रिक टन, पिनगवां में 972.90 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई है। उन्होंने बताया कि हरियाणा वेयर हाउस द्वारा 24941.00 मीट्रिक टन तथा हेफेड द्वारा 1098.20 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई है। उपायुक्त ने बताया कि प्राइवेट मिलर्स द्वारा 2420.30 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई है। उन्होंने बताया कि हरियाणा वेयर हाउस द्वारा नूंह अनाज मंडी में 12490.1 मीट्रिक टन, तावडू अनाज मंडी में 1165.6 मीट्रिक टन, पुन्हाना अनाज मंडी में 10294.1 मीट्रिक टन, पिनगवां अनाज मंडी में 972.9 मीट्रिक टन, फिरोजपुर-झिरका अनाज मंडी में 18.3 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। उन्होंने बताया कि हैफेड द्वारा तावडू अनाज मंडी में 1098 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधाओं के लिए प्रशासन पूरी तरह सजग है।

अम्बाला छावनी नई अनाज मंडी में किसानों व मजदूरों को 10 रुपए प्रति थाली की दर से मिलेगा भोजन : अनिल विज

एजेंसी

अम्बाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी में नई अनाज मंडी प्रदेश में ऐसी पहली अनाज मंडी है जोकि जीटी रोड पर स्थित हैं। यहां पर किसानों के लिए रेस्ट हाउस की सुविधा उपलब्ध है। इसी कड़ी में आज किसानों व मजदूरों के लिए 'अटल किसान मजदूर कैंटीन' शुरू की गई हैं जिसमें उन्हें 10 रुपए में भोजन की सुविधा उपलब्ध होगी।

श्री विज आज जीटी रोड स्थित अनाज मंडी में अटल किसान मजदूर कैंटीन का उद्घाटन करने के उपरांत मौजूद किसानों व अन्य लोगों को संबोधित कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने इस मौके पर कहा कि आज खुशी की बात है कि यहां पर अटल किसान मजदूर कैंटीन का श्रीगणेश किया गया हैं। हमारी सरकार हर वर्ग, हर क्षेत्र व हर व्यक्ति का पूरा ध्यान रखती हैं। गेहूं का सीजन आ गया हैं, इसके तहत मंडी में किसानों, मजदूरों व अन्यों को भरपेट भोजन मिल सके, इसके लिए यहां पर अटल किसान मजदूर कैंटीन शुभारम्भ किया गया हैं। इसके साथ-साथ अन्य मंडियों में भी अटल किसान मजदूर

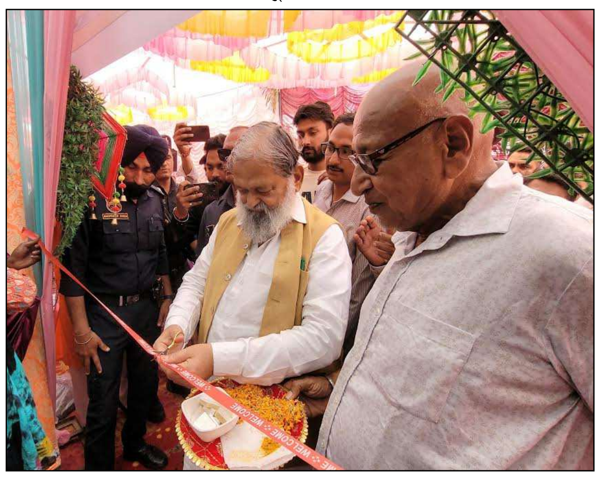

कैंटीन बनाने का काम किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कैंटीन में 10 रुपए की दर से दोपहर का भोजन उपलब्ध कराया जाएगा जबकि 15 रूपए प्रति थाली की अदायगी मार्केटिंग कमेटी अम्बाला छावनी सब्सिडी के रूप में कैंटीन संचालक महिला स्वयं सहायता समूह को करेगी। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि उनका सबसे पहला प्रोजेक्ट अम्बाला छावनी की इस मंडी को जीटी रोड पर बनाने का था। इससे पहले यह अनाज मंडी अम्बाला छावनी सदर बाजार में होती थी। न तो वहां पर अनाज रखने की सुविधा थी, न ट्रॉली खड़ी करने की और न किसानों के बैठने की व्यवस्था होती थी। सारे बाजार गेहूं की ढेरियों से भरे रहते थे। आढ़तियों, किसानों के साथ-साथ बाजार के दुकानदारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। मैंने इन लोगों की समस्या को ध्यान में रखते हुए सबसे पहला प्रोजेक्ट नई अनाज मंडी अम्बाला छावनी जीटी रोड मोहड़ा के नजदीक शिफ्ट कराया। अनाज मंडी में किसानों के लिए किसान रेस्ट हाउस की सुविधा के साथ-साथ अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध है। इसी कड़ी में आज यहां पर किसान रेस्ट हाउस के हॉल में अटल किसान मजदूर कैंटीन बनाई गई हैं ताकि यहां पर आने वाले किसान एवं मजदूरों को रियायती दर पर पौष्टिक भोजन मिल सकें। मार्केटिंग बोर्ड द्वारा यहां पर स्थाई रूप से कैंटीन चलाने के लिए जगह चिन्हित कर ली गई हैं और टेंडर प्रक्रिया के होने के बाद जल्द से जल्द यहां पर यहां पर 7 लाख रुपए की लागत से अटल किसान मजदूर कैंटीन बनाने का काम किया जाएगा।

इस मौके पर स्वयं सहायता समूह से ममता शर्मा ने बताया कि इस कैंटीन में खतौली गांव की चार महिलाओं के द्वारा भोजन तैयार किया जाएगा और यह महिलाएं आजीविका मिशन के तहत कार्य करेंगी।

48 वर्षों के राजनीतिक कद के आगे हर कोई नजर आया 'बोना'

- चार दशक के राजनीतिक करियर में सिर्फ दो बार नहीं मिली सफलता
- हर चुनाव में चुनौती के साथ चमकता हुआ निकला राव का चेहरा
- पढ़िये राव इंद्रजीत सिंह के बेदाग राजनीतिक करियर की कहानी

एजेंसी

रेवाडी। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की 48 वर्षों की राजनीति में ऐसा कोई नेता नहीं उभर सका जो उनकों लगातार चुनौती देता रहा हो। केंद्रीय मंत्री राव इंदरजीत सिंह ने वर्ष 1977 में राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी। उन्होंने वर्ष 1977 में कांग्रेस पार्टी की टिकट पर जाटूसाना से चुनाव लड़कर विधायक चुने गए। राव लगातार इस विधानसभा सीट से विधायक बनते रहे और प्रदेश की राजनीति में लगातार उनका कद बढ़ता गया। विधानसभा चुनाव में केवल एक बार राव नरबीर सिंह से शिकस्त मिली वही कारगिल युद्ध के दौरान मिली सहानुभूति के चलते भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ रही सुधा यादव ने उन्हें पराजित किया था। एक्सीडेंटल इन दो हार को छोड़ कभी भी कोई नेता उनके आगे टिक नहीं पाया। लगातार पांच बार लोकसभा चुनाव जीतने का रिकॉर्ड भी राव इंद्रजीत सिंह के नाम ही है। दक्षिणी हरियाणा में राव के कद को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार अपनी सरकार में तीसरी बार राव इंद्रजीत सिंह को तर्जीह दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में चुनिंदा ही ऐसे मंत्री होंगे जिनको लगातार तीसरी बार कैबिनेट में जगह मिली हो।

राव के विरोध में चमकाते रहे राजनीति : अगर पिछले 5 दशकों की राजनीति की बात करें तो रामपुरा हाउस के विरोध की राजनीति ही देखने को मिली है। दक्षिणी हरियाणा में जो भी नेता उभरा सबसे पहले तो उसने रामपुरा हाउस के विरोध की राजनीतिक शुरू की लेकिन जब उसको यह लगने लगा कि विरोध के चलते वह विधायक या सांसद नहीं बन सकता तो ऐसे लोगों ने समय-समय पर रामपुरा हाउस में जाकर नाक रगड़ी है।

विरोधियों को रखा हाशिये पर -

राव की 48 वर्षों की राजनीति में अहीरवाल की राजनीति में ऐसा ही

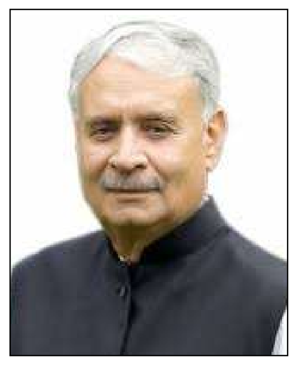

कोई शख्स हो जिसने राव कों टक्कर दी हो। ऊंची उड़ान भरने वाले नेताओ के राव ने जल्दी ही पंख काट दिए। गत विधानसभा चुनाव उदाहरण है कि राव ने कैसे अपने विरोधियों को लपेटा और कैसे अपने समर्थकों को विधायक बनवाया।

मुख्यमंत्री के साथ भी नहीं बैठी पटरी-

राव की पटरी मुख्यमंत्री के साथ भी नहीं बैठी, भूपेंद्र सिंह हुड्डा से लेकर मनोहर लाल खट्टर तक से उनका आंकड़ा 36 का ही रहा। राव ने कभी भी दबाव की राजनीति सहन नहीं की। यही कारण रहा की राव की पटरी मुख्यमंत्री के साथ नहीं बैठी।

गर्मी व लू से बचाव के लिए सभी विभाग जरूरी प्रबंध करें सुनिश्चित- उपायुक्त मीणा

● उपायुक्त ने हीट वेव व हीट स्ट्रोक से बचाव के प्रबंधों बारे अधिकारियों को दिए निर्देश

एजेंसी

नूंह। जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने जिला सचिवालय सभागार में गर्मी के मौसम में हीट वेव व हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए संबंधित विभागाध्यक्षों की समीक्षात्मक बैठक ली और सभी को निर्देश दिए कि सभी विभाग गर्मी व हीट वेव से बचाव के लिए सभी प्रकार के प्रबंध व तैयारियां सुनिश्चित करें। अधिकारी अपने विभाग से संबंधित एडवाइजरी भी अखबारों में जारी करवाएं। हीट वेव से संबंधित जानकारी के लिए जिला में कंट्रोल रूम भी स्थापित किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को जिला व उपमंडल स्तर पर भी हीट वेव से संबंधित नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे हीट वेव व हीट स्ट्रोक से बचाव के संबंध में लोगों को जागरूक करें। लोगों को बताएं कि गर्मी से बचने के लिए वे क्या करें और क्या न करें। बच्चों व बुजुर्गों को भी गर्मी से बचने व अधिक धूप में बाहर जाने से बचने संबंधी गाइडलाइन का अधिक से अधिक प्रचार करें। सभी अस्पतालों, पीएचसी व सीएचसी पर पर्याप्त मात्रा में दवाइयां व ओआरएस की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

हिसार एयरपोर्ट का निर्माण हरियाणा के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में बड़ा कदम : किरण चौधरी

एजेंसी

भिवानी। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हिसार में हवाई अड्डे के अनावरण से हरियाणा प्रदेश में नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास होगा। इस हवाई अड्डे के बनने से हरियाणा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश व दुनिया से जुड़ेगा। वही यमुनानगर में थर्मल प्लांट को लेकर भी किरण चौधरी ने इसे ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता वाला कदम बताया। यह बात उन्होंने भिवानी में अपने आवास पर पत्रकार वार्ता के दौरान कही। पत्रकार वार्ता के दौरान किरण चौधरी ने कहा कि हालही में ताशकंद में आयोजित इंटर पार्लियामेंट यूनियन में उन्हे भाग लेने का अवसर मिला। दुनिया के 180 देश इस यूनियन के सदस्य है। इस दौरान उन्होंने भारत की तरफ से 6 पेपर पेश किए, जिसमें भारत की न्यूक्लियर पावर पॉलिसी पर देश का रूख दुनिया को बताना रहा। उन्होंने कहा कि भारत की नीति के अनुसार भारत न्यूक्लीयर वेपन यूज करने वाला पहला देश नहीं होगा। भारत की

नीति वसुदेव कुटुंब की है। भारत विवादों के बीच मध्यस्ता कर समस्या का हल निकालने में विश्वास रखने वाला देश है। उन्होंने इस सम्मेलन के दौरान महिला सशक्तिकरण पर भी देश का रूख रखे जाने की बात कही। महिला स्वास्थ्य पर भी उन्होंने देश का रूख रखा। उन्होंने ताशकंद के इस अधिवेशन में भारत के रूख को लेकर बताया कि भारत एक सेक्युलर देश है, यहां कानून सुप्रीम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों के चलते भारत का नाम विश्व पटल पर इज्जत से लिया जाता है। किरण चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिसार में मुसलमानों के हितों को लेकर अपने वक्तव्य में जो बात कही है, उससे स्पष्ट होता है कि प्रधानमंत्री मुस्लिम समुदाय के हितों को लेकर कितने गंभीर है। हालही में वक्फ संशोधन विधेयक-2024 के तहत कुछ संशोधन किए गए, जिसके चलते अब मुस्लिम समुदाय के लोगों को वक्फ बोर्ड की संपत्ति का वास्तविक लाभ मिल सकेंगा। नए संधोशन के सेक्शन-40 के तहत अब मुस्लिम समुदाय के तहत पिछड़ा वर्ग, महिलाएं व बच्चों को विशेष अधिकार मिलेंगे तथा वक्फ बोर्ड की संपत्ति का प्रयोग इन वर्गो के हित में किया जा सकेगा। पहले ये अधिकार पुराने बिल के तहत सीमित लोगों तक थे तथा वक्फ बोर्ड के ट्रिब्यूनल के तहत इसको लेकर कोई में भी आवाज नहीं उठाई जा सकती थी। अब वक्फ बोर्ड की जमीन को किराये पर देकर शैक्षणिक व अन्य कल्याणकारी संस्थानों में प्रयोग किया जा सकेगा। अभी तक वक्फ संपत्ति का केवल 3 प्रतिशत इस्तेमाल होता था, अब वक्फ बोर्ड की संपत्तियों का लाभ मुस्लिम समुदाय को व्यापक स्तर पर मिल पाएगा। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए किरण चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की दो बार शीर्ष कमेटी की मीटिंग हो चुकी है, परन्तु अभी तक वे अपने नेता नहीं चुन पाए है। उन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा का नाम लिए बगैर कहा कि एक व्यक्ति किसी को आगे नहीं आने देते तथा शीर्ष नेतृत्व को अपने नियंत्रण में लिए हुए है।

जिला नगर योजनाकार की टीम ने अवैध कालोनी पर की तोड़फ़ोड़

● कार्यवाही में लगभग 25 डीपीसी, 4 चारदीवारी व 5 अवैध निर्माण के साथ-साथ सभी रोड नेटवर्क उखाड़े

एजेंसी

नारनौल। स्थानीय जिला नगर योजनाकार की टीम ने आज शहरी क्षेत्र अटेली में राजस्व संपदा अटेली से कनीना रोड पर गांव खोड़ में लगभग 08 एकड़ भूमि में अवैध कालोनी में तोड़फ़ोड़ की कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में लगभग 25 डीपीसी तथा 4 चारदीवारी व 05 अवैध निर्माण के साथ-साथ सभी रोड नेटवर्क उखाड़ दिए गए। यह पूरी तोड़फ़ोड़ कार्यवाही जिला नगर योजनाकार अधिकारी गुंजन वर्मा की अगुवाई में कनिष्ठ अभियंता धर्मपाल, योगेन्द्र कुमार, विकास, नरेश कुमार के साथ पुलिस बल की मौजूदगी में जिला प्रशासन की मदद से अमल में लाई गई। जिला नगर योजनाकार अधिकारी श्रीमती वर्मा ने लोगों से अपील की है कि नियन्त्रित क्षेत्र/शहरी क्षेत्र में कोई भी निर्माण बिना विभागीय अनुमति के न करें तथा महानिदेशक, नगर तथा ग्राम

आयोजना विभाग चंडीगढ़, से लाइसेंस अनुमति लेने उपरांत ही कृषि भूमि को रिहायशी अथवा वाणिज्यिक उपयोग के लिए परिवर्तित करें, अन्यथा चूककर्ताओं के खिलाफ विभागीय कार्यवाही की जाएगी। इसलिए आम जन से बार-बार यही अपील की जाती है कि किसी भी अवैध कॉलोनी में कोई प्लाट प्रापर्टी डीलर्स के बहकावे में आकर न खरीदें और न ही अवैध निर्माण करें। इसके अतिरिक्त कोई भी प्लॉट खरीदने से पहले कॉलोनी की वैधता बारे व निर्माण करने से पूर्व नियमानुसार अनुमति लेने बारे जिला नगर योजनाकार कार्यालय नारनौल से किसी भी कार्य दिवस में पता किया जा सकता है। जिला नगर योजनाकार नारनौल ने बताया कि भविष्य में जिले में अन्य स्थानों पर विकसित की जा रही अवैध कालोनियों तथा अवैध निर्माण के खिलाफ कार्यवाही जारी रहेगी।

लड़ाई-झगड़ा करने के मामले में पुलिस ने की कार्यवाही

गुरुग्राम। झगड़ा करने पर 15 लोगों के विरुद्ध पुलिस ने कार्यवाही की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जिले के गांव धानाबास में 15 अप्रैल को लड़ाई-झगड़े की शिकायत देने के लिए दो पक्ष थाना में मामला दर्ज कराने आए हुए थे। दोनों पक्ष थाने में पुलिस टीम के सामने अपनी-अपनी बात रख रहे थे, इसी दौरान दोनों पक्षों से कुछ व्यक्ति तैश में आ गए तथा आपस में लड़ाई-झगड़ा करने लगे, जोर-जोर से चिल्लाने लगे तथा मारपीट पर उतारू हो गए। पुलिस टीम द्वारा उन्हें समझाने के बाद भी वो लोग नही माने तो पुलिस टीम द्वारा एक पक्ष से अजय, समय सिंह, विजय, कालू, रणवीर, राहुल, रितेश सभी निवासी गांव धानाबास, गुरुग्राम तथा दूसरे पक्ष से विनोद, आकाश यादव, सतेंद्र, रवि यादव व राम अवतार सभी निवासी गांव धानाबास को गिरफ्तार करके उनके खिलाफ नियमानुसार निवारक कानूनी कार्यवाही की गई।

यूनिफॉर्म न पहनकर चलने वाले टैक्सी व ऑटो चालकों के किए चालान

एजेंसी

गुरुग्राम। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा के निर्देशानुसार कार्य करते पुलिस उपायुक्त यातायात विरेंद्र विज की देखरेख में यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा यूनिफॉर्म ना पहनकर ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा व टैक्सी चलाने वाले चालकों के विरुद्ध विशेष चालान अभियान चलाया गया। यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा विभिन्न चौक/चौराहों पर जाकर ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा, टैक्सी चालकों को जागरूक करने के लिए भी अभियान चलाया गया है, परंतु फिर भी कुछ ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा व टैक्सी चालक बिना यूनिफॉर्म पहने अपने वाहनों को चलाते हुए पाए गए। जिनके विरुद्ध गुरुग्राम पुलिस द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुए यातायात पुलिस गुरुग्राम

द्वारा उनके चालान किए गए। यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा एक से 14 अप्रैल तक कुल यूनिफॉर्म ना पहनकर यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले कुल 1376 वाहन चालकों के चालान किए गए, जिनकी कुल जुर्माना राशि 10 लाख 01 हजार रुपए है।

यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा ऑटो रिक्शा, टैक्सी व ई-रिक्शा चालकों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाती है,जिस दौरान उन्हें यात्रियों के साथ मधुर व्यवहार करने, वाहन को निर्धारित गति में चलाने, वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का इस्तेमाल न करने, किसी भी प्रकार का नशा न करने, यातायात नियमों की पालना करने इत्यादि के बारे में जानकारी देकर जागरूकता करने के साथ उन्हें डायल-112 और हेल्पलाइन नंबर 1095 की भी जानकारी दी जाती है। अत~ सभी ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा व टैक्सी चालक अपना वाहन चलाते समय निर्धारित की गई ग्रे-वर्दी पहनकर चलें। गुरुग्राम पुलिस आपकी सेवा व सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है।?

यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 में दो फीसदी बढ़ी : सियाम

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर दो फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 43 लाख इकाइयों के पार पहुंच गई। यात्री वाहनों की कुल बिक्री में यूटिलिटी वाहनों की हिस्सेदारी 65 फीसदी रही, जो वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 60 फीसदी थी। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यह 42,18,750 इकाई रही थी। उद्योग निकाय सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 11 फीसदी बढ़कर 27,97,229 इकाई पर पहुंच गई, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 25,20,691 इकाई थी। इसकी तुलना में यात्री कारों की बिक्री में 13 फीसदी की गिरावट देखी गई, जो पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की 15,48,947 इकाई से घटकर 13,53,287 इकाई रह गई। सियाम ने कहा कि यात्री वाहन खंड ने भी वित्त वर्ष 2024-25 में अब तक का सबसे अधिक 7.7 लाख इकाई का निर्यात दर्ज किया है। वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में यह 15 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। निर्यात में वृद्धि देश में निर्मित होने वाले वैश्विक मॉडल की मांग से प्रेरित रही। उद्योग निकाय के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री नौ फीसदी बढ़कर 1,96,07,332 इकाई रही, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 1,79,74,365 इकाई थी।

जेके टेक और इन्वेनियम की साझेदारी

नई दिल्ली। डेटा सेवा प्रदान करने वाली कंपनी जेके टेक ने प्राइवेट मार्केट असेट्स के प्रमुख डेटा इंटीग्रिटी प्लेटफॉर्म इन्वेनियम के साथ मिलकर वैकल्पिक निवेश के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने के लिए आज साझेदारी की। जेके टेक के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) समीर नागपाल और इन्वेनियम के अध्यक्ष एवं सीईओ पैट्रिक ओ'मैरा ने यहां यह घोषणा करते हुये कहा कि इस साझेदारी के तहत, ब्लॉकचेन और एआई का लाभ उठाकर वैकल्पिक निवेश के लिए इन्वेनियम का नेक्स्ट जेनरेशन प्लेटफ़ॉर्म विकसित किया जाएगा ताकि दुनिया के प्राइवेट मार्केट का स्वरूप बदला जा सके। इसका उद्देश्य डेटा को अधिक पारदर्शी बनाना, ट्रांजैक्शन को व्यवस्थित करना और दुनिया भर के निवेशकों के लिए इसे अधिक मूल्यवान बनाना है। इस दिशा में दोनों कंपनियों की सम्मिलित प्रगति में जेके टेक के आईपी का इंटीग्रेशन भी शामिल है, जो स्ट्रक्चर्ड डेटा के क्षेत्र में इन्वेनियम की क्षमताओं को बेहतर बनाता है। साथ ही, इसमें प्राइवेट मार्केट के डेटा को संभालने में इन्वेनियम की काबिलियत और जेके टेक की एडवांस्ड इंजीनियरिंग क्षमताओं का लगातार उपयोग भी शामिल है। इस साझेदारी का उद्देश्य कामकाजी क्षमता को बेहतर बनाने के साथ-साथ प्राइवेट मार्केट में निवेश पर भरोसे की एक नई मिसाल कायम करना है।श्री नागपाल ने कहा कि जेके टेक ने अपने जेनरेटिव एआई सॉल्यूशन को जीवा नाम दिया है, जिसे इस साझेदारी के तहत इन्वेनियम के प्लेटफ़ॉर्म से जोड़ा जाएगा।

स्केलेबल और निवेश परिणाम आधारित समाधान प्रदान करेगी टेलेनिटी

नई दिल्ली। संचार सेवा प्रदाताओं के लिए अत्याधुनिक सेवाएं एवं समाधान प्रदान करने वाली कंपनी टेलेनिटी सिस्टम्स सॉफ्टवेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी 20 वीं वर्षगांठ के अवसर पर स्केलेबल, निवेश-परिणाम आधारित समाधान प्रदान करने का लक्ष्य तय किया है जो भारत सहित वैश्विक संचार सेवा प्रदाताओं को डिजिटल भविष्य की ओर मजबूती से अग्रसर करें। कंपनी ने यहां अपनी वैश्विक दूरसंचार सॉफ्टवेयर समाधान प्रदाता के रूप में दो दशक की यात्रा का उत्सव मनाया जिसमें डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में तेजी और भविष्य के लिए साझेदारी विषय पर आधारित सम्मेलन में भारत के प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं वोडाफोन आइडिया, जियो और बीएसएनएल के विशेषज्ञों, साझेदारों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस मौके पर कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी इल्हान बागोरन ने दूरसंचार क्षेत्र, 5 जी और उससे आगे की दिशा में उद्योग की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा टेलेनिटी की 20वीं वर्षगांठ पर हम नवाचार और ग्राहक-सफलता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराते हैं। हमारा लक्ष्य ऐसे स्केलेबल, निवेश-परिणाम आधारित समाधान प्रदान करना, जो भारत सहित वैश्विक संचार सेवा प्रदाताओं को डिजिटल भविष्य की ओर मजबूती से अग्रसर करें। यही अवसर है कि हम मिलकर डिजिटल परिवर्तन की दिशा पर विमर्श करें और साझेदारियों को सशक्त बनाएं, जो वैश्विक दूरसंचार नवाचार की भविष्य संबंधी अपेक्षाओं का मार्ग प्रशस्त करें।

दुनिया ने भारत की उद्यमशीलता और उसकी अपार संभावनाओं को पहचाना: मंडाविया

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा खेल एवं युवा मामलों के मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने भारत की बढ़ती वैश्विक साख और उद्यमशीलता क्षमता पर जोर दिया और कहा कि आज दुनिया भारतीय उत्पादों को केवल कीमत के आधार पर नहीं बल्कि उनकी गुणवत्ता और स्थिरता के लिए चुन रही है। डॉ. मंडाविया ने यहां यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में आयोजित वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 के दूसरे दिन भारत की वैश्विक उद्यमिता पर जोर देते हुए कहा, दुनिया ने भारत की उद्यमिता और इसकी अपार संभावनाओं को पहचान लिया है। विदेशी खरीददार अब भारतीय उत्पादों को उनकी गुणवत्ता और स्थिरता के आधार पर पसंद कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार उद्यमियों को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली।घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना सस्ता होकर 95,170 रुपये से लेकर 95,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 87,190 रुपये से लेकर 87,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आई कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 99,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 95,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 87,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 95,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,190 रुपये प्रति

10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 95,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 87,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 95,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 87,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 95,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 95,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 87,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 95,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 87,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 95,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 95,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 87,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इंडिगो ने दिल्ली एयरपोर्ट पर 125 से अधिक दैनिक उड़ानों को टी-1 पर स्थानांतरित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की बजट एयरलाइन इंडिगो ने 125 से अधिक अपने दैनिक उड़ानों को टर्मिनल-2 (टी-2) से टर्मिनल-1 पर स्थानांतरित कर दिया है। जिससे टी-1 से उड़ान भरने वाली फ्लाइट्स की कुल उड़ानों की संख्या प्रतिदिन 200 से ज्यादा हो गई है। टी-2 को रखरखाव कार्यों के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इंडिगो ने जारी एक बयान में कहा कि स्थानांतरण प्रयास के परिणामस्वरूप टर्मिनल-1 पर एयरलाइन का यात्री यातायात समेकित हो गया है, जो 15,000 से बढ़कर 40 हजार यात्रियों और उड़ानों का परिचालन 75 से ज्यादा से बढ़कर 200 हो गया है। कंपनी ने कहा कि, "टर्मिनल-2 पर रात में रुकने वाले कुल 26 विमानों को भी सुचारू रूप से टर्मिनल-1 पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इंडिगो के मुख्य

कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने कहा कि एयरलाइन इस अस्थायी चरण के दौरान यात्रियों से मिले सहयोग की सराहना करती है। गौरतलब है कि इससे पहले केवल इंडिगो और अकासा एयर ही टी-2 से अपनी उड़ानें संचालित कर रहे थीं।

शेषसाई टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को आईपीओ लाने के लिए सेबी की मंजूरी मिली

नई दिल्ली। मुंबई स्थित शेषसाई टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिल गई है। कंपनी के इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। मुंबई स्थित शेषसाई टेक्नोलॉजीज लिमिटेड कंपनी ने पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष 27 दिसंबर, 2024 को अपने आईपीओ के कागजात दाखिल किए थे। कंपनी का आईपीओ 600 करोड़ रुपये तक के शेयरों के नए इश्यू और प्रवर्तक प्रवीण लालवानी द्वारा 39,37,008 इक्विटी शेयरों और गौतम संपतराज जैन द्वारा 39,37,007 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण है। कंपनी की योजना नए निर्गम से प्राप्त 195.33 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग मौजूदा विनिर्माण इकाइयों के विस्तार के पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण के लिए और 300 करोड़ रुपये का उपयोग

कंपनी के कुछ बकाया ऋणों के आंशिक या पूर्ण रूप से पुनर्भुगतान और पूर्व भुगतान के लिए और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने की है। उल्लेखनीय है कि मुंबई स्थित शेषसाई टेक्नोलॉजीज लिमिटेड कंपनी भुगतान समाधान, और संचार और पूर्ति समाधान पेश करने पर अपना ध्यान केंद्रित करती है, जो मुख्य रूप से बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा उद्योग को पूरा करती है, जिसमें डेटा सुरक्षा और अनुपालन इसके समाधानों के मूल में है।

जेके टेक और इन्वेनियम ने ब्लॉकचेन तथा एआई के जरिए वैकल्पिक निवेश को नया रूप देने के लिए साझेदारी की

एजेंसी

नई दिल्ली। जेके टेक एआई पर आधारित डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन समाधान उपलब्ध कराने में दुनिया में सबसे आगे है, जिसने प्राइवेट मार्केट असेट्स के प्रमुख डेटा इंटीग्रिटी प्लेटफ़ॉर्म, इन्वेनियम के साथ मिलकर वैकल्पिक निवेश के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने के लिए आज एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत ब्लॉकचेन और एआई का लाभ उठाकर वैकल्पिक निवेश के लिए इन्वेनियम का नेक्स्ट जेनरेशन प्लेटफ़ॉर्म विकसित किया जाएगा, ताकि दुनिया के प्राइवेट मार्केट का स्वरूप बदला जा सके। इसका उद्देश्य डेटा को अधिक पारदर्शी बनाना, ट्रांजैक्शन को व्यवस्थित करना और दुनियाभर के निवेशकों के लिए इसे अधिक मूल्यवान बनाना है।इस दिशा में दोनों कंपनियों की सम्मिलित प्रगति में जेके टेक के आईपी का इंटीग्रेशन भी शामिल है, जो स्ट्रक्चर्ड डेटा के क्षेत्र में इन्वेनियम की क्षमताओं को बेहतर बनाता है। इसके साथ ही इसमें प्राइवेट मार्केट के डेटा को संभालने में इन्वेनियम की काबिलियत और जेके टेक की एडवांस्ड इंजीनियरिंग क्षमताओं का लगातार उपयोग भी शामिल है। इस साझेदारी का उद्देश्य कामकाजी क्षमता को बेहतर बनाने के साथ-साथ प्राइवेट मार्केट में निवेश पर भरोसे की एक नई मिसाल कायम करना है। यकीनन प्राइवेट मार्केट का अगला जेनरेशन पूरी तरह डिजिटल होगा, जिसके लिए वास्तविक समय में डेटा प्रोसेसिंग की जरूरत होगी। जेके टेक ने अपने जेनरेटिव एआई सॉल्यूशन को जीवा (जीआईवीए) का नाम दिया है, जिसे इस साझेदारी के तहत इन्वेनियम के प्लेटफ़ॉर्म से जोड़ा जाएगा। इस इंटीग्रेशन से संस्थागत निवेशकों के अलावा ऐसेट मैनेजर्स और फाइनेंस कंपनियां पहले से बेहतर ऑटोमेशन का लाभ उठाने, डेटा पर आधारित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने और समझदारी से निर्णय लेने में सक्षम होंगी। अब दोनों कंपनियां अमेरिका, अबू धाबी और भारत के प्रमुख बाजारों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए साथ मिलकर बढ़ा निवेश कर रही हैं, जिससे वैकल्पिक निवेश के क्षेत्र को नया रूप देने के उनके संकल्प को और मजबूती मिल रही है। इस मौके पर जेके टेक के प्रेसिडेंट एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ), समीर नागपाल ने कहा, इन्वेनियम के साथ इस साझेदारी से यह जाहिर होता है कि जेके टेक वित्तीय सेवाओं में इनोवेशन को आगे बढ़ाने के अपने इरादे पर अटल है। जीवा को इन्वेनियम के प्लेटफ़ॉर्म के साथ जोड़कर, हम पहले से कहीं बढ़े पैमाने पर एआई-आधारित ऑटोमेशन और डेटा इंटीग्रिटी को सक्षम बना रहे हैं, जो वैकल्पिक निवेशों का प्रबंध करने और उसे महत्व देने के तरीके को पूरी तरह से बदल रहा है। इन्वेनियम के चेयरमैन एवं सीईओ, पैट्रिक ओ मैरा ने कहा, इन्वेनियम में हम चाहते हैं कि ब्लॉकचेन और एआई की जुगलबंदी से प्राइवेट मार्केट को एक नया स्वरूप मिले।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने स्विगी के साथ किया समझौता, पैदा होंगे 12 लाख से अधिक रोजगार के अवसर

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और ऑनलाइन फूड ऑर्डरिंग और डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया भी मौजूद रहे। इस समझौते से अगले 2-3 वर्षों में 12 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल के जरिए गिग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में रोजगार संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस

अवसर पर अपने संबोधन में डॉ. मंडाविया ने कहा, नेशनल करियर सर्विस पोर्टल पूरे भारत में नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं को जोड़ने वाला एक गतिशील मंच है। 31 जनवरी, 2025 तक 1.25 करोड़ से अधिक सक्रिय नौकरी चाहने वालों और 40 लाख पंजीकृत नियोक्ताओं के साथ, यह कार्यबल जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डॉ. मंडाविया ने सहयोग का स्वागत करते हुए कहा कि एनसीएस पोर्टल के माध्यम से अगले 2-3 वर्षों में 12 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने की स्विगी की प्रतिबद्धता की सराहना योग्य है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह सहयोग एक जीत-जीत मॉडल का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि स्विगी को विविध, कुशल और नौकरी के लिए तैयार प्रतिभा पूल तक पहुंच प्राप्त होगी, देशभर में लाखों नौकरी चाहने वालों को बढ़ी हुई दृश्यता और रोजगार के अवसरों तक पहुंच से लाभ होगा। इस समझौते से स्विगी के साथ यह साझेदारी पोर्टल की पहुंच को तेजी से बढ़ाती गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था में और बढ़ाएगी, जिससे लाखों युवाओं के लिए लचीले और स्थान-आधारित अवसरों तक पहुंच संभव होगी। उन्होंने आगे कहा, स्विगी देश के 500 से अधिक शहरों में काम कर रहा है, जिससे लोगों को रोजगार मिल पा रहा है।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे कारोबारी दिन तूफानी तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई जबरदस्त छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। टैरिफ वॉर से राहत मिलने और मजबूत वैश्विक संकेतों की वजह से घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार दूसरे कारोबार दिन तूफानी तेजी बनी रही। आज के कारोबार की शुरुआत 2 प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ हुई। बाजार खुलने के बाद शुरुआती आधे घंटे के कारोबार में मुनाफा वसूली भी हुई लेकिन इसके बाद पूरे दिन बाजार पर तेजड़ियों का कब्जा बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 2.10 प्रतिशत और निफ्टी 2.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। खरीदारी के सपोर्ट से रियल्टी इंडेक्स 5 प्रतिशत की बढ़त लेकर बंद होने में सफल रहा। इसी तरह मेटल और ऑटोमोबाइल इंडेक्स में भी 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा एनर्जी, आईटी, ऑयल एंड गैस, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थ केयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी जबरदस्त मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 3.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.21 प्रतिशत उछलकर आज के कारोबार का अंत किया।

मार्च में म्यूचुअल फंड्स ने लार्जकैप में की सबसे अधिक खरीदारी, मिडकैप के चुनिंदा शेयर की भी हुई लिवाली

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में जारी उतार चढ़ाव के बीच मार्च महीने में म्यूचुअल फंड्स द्वारा किए गए कारोबार का आंकड़ा आ गया है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि मार्च में लार्जकैप स्टॉक्स में म्यूचुअल फंड्स ने सबसे अधिक निवेश किया। इसी तरह मिडकैप के भी चुनिंदा शेयरों में म्यूचुअल फंड्स खरीदारी करते रहे। डिपॉजिटरी से मिले आंकड़ों के अनुसार मार्च के महीने में म्यूचुअल फंड्स ने लार्ज कैप में शामिल फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में अपने पोजीशन में बदलाव किया। वहीं एनर्जी, फार्मास्यूटिकल, कैपिटल गुड्स, ई-कॉमर्स, आईटी, टेलीकॉम, मेटल और केमिकल्स सेक्टर के शेयरों में म्यूचुअल फंड्स ने बिकवाली पर जोर दिया। म्यूचुअल फंड्स द्वारा मार्च के महीने में की गई सबसे अधिक खरीदारी के आंकड़ों पर नजर

डालें तो इस महीने एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 3,363 करोड़ रुपये का निवेश किया गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में म्यूचुअल फंड्स ने 3,003 करोड़ रुपये की खरीदारी की, जबकि एटरनल में म्यूचुअल फंड्स ने 2,892 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके अलावा म्यूचुअल फंड्स ने मार्च के महीने में टीसीएस में 1,669 करोड़ रुपये का, जियो फाइनेंशियल में 1,493 करोड़ रुपये का, बजाज फिनसर्व में 1,254 करोड़ रुपये का, मैक्स फाइनेंशियल में 1,143 करोड़ रुपये का, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में 1,120 करोड़ रुपये का, हिताची एनर्जी इंडिया में 1,041 करोड़ रुपये का और टेक महिंद्रा में 1,006 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसी तरह अगर मार्च में म्यूचुअल फंड्स द्वारा की गई बिकवाली पर नजर डालें, तो इस महीने कोटक महिंद्रा बैंक के 3,632 करोड़ रुपये के शेयर म्यूचुअल फंड्स कंपनियों ने बेचे। इसी तरह म्यूचुअल फंड्स ने भारती एयरटेल के 2,716 करोड़ रुपये के शेयर और आवास फाइनेंशियर्स के 2,056 करोड़ रुपये के शेयर मार्च महीने के दौरान बेचे। इसके अलावा म्यूचुअल फंड कंपनियों ने एक्सिस बैंक में 1,855 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज में 1,430 करोड़ रुपये सन फार्मास्यूटिकल्स में 1,325 करोड़ रुपये, लार्सन एंड टूब्रो में 1,296 करोड़ रुपये, एचसीएल टेक्नोलॉजी में 1,283 करोड़ रुपये, मारुति सुजुकी में 1,210 करोड़ रुपये और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज में 1,152 करोड़ रुपये की बिकवाली की।

खुदरा महंगाई दर भी मार्च में घटकर छह साल के निचले स्तर 3.34 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर जनता को राहत बड़ी राहत देने वाली खबर है। थोक महंगाई के बाद खुदरा महंगाई दर भी सालाना आधार पर मार्च में घटकर करीब छह साल के निचले स्तर 3.34 फीसदी पर आ गई है। इससे पहले अगस्त, 2019 में यह 3.28 फीसदी के स्तर पर रही थी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि सब्जियों तथा प्रोटीन वाले उत्पादों की कीमतों में गिरावट के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर मार्च में मामूली रूप से घटकर करीब छह साल के निचले स्तर 3.34 फीसदी पर आ गई है। आंकड़ों के मुताबिक खाद्य महंगाई मार्च महीने में 2.67 फीसदी रही, जबकि फरवरी में यह 3.75 फीसदी और मार्च, 2024 में 8.52 फीसदी थी। ग्रामीण महंगाई 3.79 फीसदी से

घटकर 3.25 फीसदी और शहरी महंगाई 3.32 फीसदी से बढ़कर 3.43 फीसदी हो गई है। महंगाई के बास्केट में लगभग 50 फीसदी योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है।रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पिछले हफ्ते नीतिगत दर रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर छह फीसदी कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए खुदरा महंगाई दर चार फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। आरबीआई ने पहली तिमाही में इसके 3.6 फीसदी, दूसरी तिमाही में 3.9 फीसदी, तीसरी तिमाही में 3.8 फीसदी और चौथी तिमाही में 4.4 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जबकि जोखिम दोनों ओर समान रूप से संतुलित हैं।

भारतीय यात्री अच्छे स्थानीय सामान की खरीद को प्राथमिकता देते हैं: अमेरिकन एक्सप्रेस रिपोर्ट

नई दिल्ली। अमेरिकन एक्सप्रेस इंडिया की 2025 की ग्लोबल ट्रैवल ट्रेंड्स रिपोर्ट के अनुसार पर्यटन के लिए निकलने वाले 81 प्रतिशत भारतीय अपनी देश-विदेश की यात्रा में उच्च गुणवत्ता वाले स्थानीय सामान (जैसे, कॉफी बीन्स, फ़ारसी कालीन, इतालवी चमड़े के सामान) खरीदने को प्राथमिकता देते हैं।सर्वे के आधार पर तैयार इस रिपोर्ट के भारतीय किसी महंगे सामान की खरीद, खेल या सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भी इस साल यात्रा की तैयारी कर रहे हैं रहे और गंतव्य के चयन में रुचि और खर्च दोनों में संतुलन रखना चाहते हैं। यात्रा संबंधी सूचनाओं और बुकिंग में भारतीय सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का खूब प्रयोग करते हैं। जारी इस रिपोर्ट के अनुसार 92 प्रतिशत भारतीय अपनी यात्रा की याद को सजोए रखने के लिए कुछ खास तरह के सामान की तलाश करते हैं, ताकि वे उन्हें अपने मित्रों और परिवार के साथ साझा कर सकें और उससे जुड़ी कहानी को भी उन्हें बता सकें। रिपोर्ट में कहा गया है कि भ्रमण पर निकलने वाले भारतीय यात्री यात्रा के इरादे और योजना को पूरी सोच समझ के साथ तय करते हैं।

टैरिफ वॉर के कारण भारत में चीनी उत्पादों की डंपिंग का खतरा बढ़ा, सरकार से सेफगार्ड ड्यूटी लगाने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच तेज हो रहे टैरिफ वॉर के कारण भारत में चीनी उत्पादों की डंपिंग का खतरा बढ़ने लगा है। इस टैरिफ वॉर के कारण चीनी कंपनियां ने अमेरिका में होने वाले अपने निर्यात के नुकसान की भरपाई भारतीय बाजार से करने की रणनीति अपनाई है। इसके लिए चीन की कंपनियां भारत को निर्यात होने वाले अपने उत्पादों पर बड़ा डिस्काउंट ऑफर कर रही हैं। चीन की कंपनियां अपने उत्पादों को भारतीय बाजार में अधिक से अधिक खपाने के लिए अलग-अलग सेक्टर्स में 7 से 15 प्रतिशत तक का डिस्काउंट ऑफर कर रही हैं। इस डिस्काउंट के कारण भारतीय उपभोक्ताओं को सस्ती कीमत पर चीनी उत्पादन मिल सकेंगे, लेकिन इसकी वजह से भारतीय उद्योगों की हालत खराब हो सकती है। ऐसा होने पर चीनी कंपनियां अपने उत्पादों को भारतीय बाजारों में कम कीमत पर बेचने के लिए डंप कर सकती हैं, जिससे तुलनात्मक तौर पर महंगे भारतीय उत्पाद की बिक्री पर नकारात्मक असर पड़ेगा। इस आशंका को देखते हुए इंडियन मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने केंद्र सरकार से एक्स्ट्रा डिस्काउंटेड चीनी उत्पादों पर सेफगार्ड ड्यूटी लगाने की मांग की है, ताकि भारतीय उद्योग भी मार्केट कंपटीशन में अपना अस्तित्व बचा सकें। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी उत्पादों पर 145 प्रतिशत ड्यूटी लगाने का ऐलान किया है। इसके जवाब में चीन ने अमेरिकी उत्पादों पर 125 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही है। दोनों देशों के बीच टैरिफ वॉर लगातार गहराता जा रहा है, जिससे दोनों ही देश के लिए एक दूसरे के साथ कारोबार करना कठिन हो गया है। ये स्थिति तब है

जब दोनों ही देश उत्पादों की मांग और आपूर्ति के मामले में एक दूसरे पर काफी हद तक निर्भर हैं। चीन के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 30 प्रतिशत है। अब टैरिफ वॉर शुरू हो जाने के कारण बड़ी मात्रा में चीनी उत्पाद अमेरिका में नहीं बिक पाएंगे। इससे चीन की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स को भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। यही वजह है कि चीन अब अपने तैयार हो चुके उत्पादों को डिस्काउंटेड रेट पर भारतीय बाजार में बेचने की कोशिश में जुट गया है। इंडियन मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अनुसार चीन की कंपनियों ने इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट मार्केट को टारगेट करते हुए जबरदस्त डिस्काउंट देने की बात कही है। चीन की कंपनियां स्मार्टफोन, फ्रिज, टीवी जैसे आइटम्स पर 7 से 15 प्रतिशत तक का डिस्काउंट ऑफर कर रही हैं। इसी तरह मेडिकल डिवाइस, टेक्सटाइल और रबर के उत्पादों में भी भारी छूट देने की बात कही जा रही है। इसके अलावा चीनी कंपनियां अन्य सेक्टर्स में भी अपने उत्पाद डंप करने की रणनीति में लगी हुई हैं। हालांकि केंद्र सरकार पहले से ही देश में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए कई सेक्टर्स में प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम चला रही है। इसके बावजूद चीन की भारतीय बाजार में अपने उत्पादों को डंप करने की स्ट्रेटजी भारतीय उद्योगों पर भारी पड़ सकती है। यही वजह है कि भारतीय उद्योगों ने सरकार से सेफगार्ड ड्यूटी लगाने की मांग की है।

गोंद से किस तरह अलग है गोंद कतीरा यहां जानें इसके फायदे

गर्मी में गोंद कतीरे और सर्दी में गोंद का सेवन बहुत फायदेमंद होता है. ये दोनों दिखने में लगभग एक जैसे होते हैं. लेकिन इन दोनों की तासीर एक दूसरे से बहुत अलग होती है. आइए जानते हैं इस आर्टिकल गोंद और गोंद कतीरे में क्या अंतर होता है.

मौसम के मुताबिक डाइट में बदलाव होने लगता है. अब गर्मी के मौसम में ऐसी चीजों का सेवन करना चाहिए, जो तपती गर्मी से बचाने और शरीर को ठंडक महसूस और एनर्जी प्रदान करने में मदद करे. जिसमें एक गोंद कतीरा भी शामिल है. गर्मी में बहुत से लोग इसे अलग-अलग तरह से लेते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होता है.

गोंद कतीरा और गोंद दिखने में लगभग एक जैसा हो होते हैं. लेकिन इन दोनों में काफी अंतर होता है. जिसके कारण दोनों को अलग-अलग मौसम और तरीके से लिया जाता है. आइए जानते हैं इसके बारे में क्या अंतर होता है, इसे लेने के फायदे और नुकसान क्या होते हैं.

गोंद कतीरा

गोंद कतीरा की तासीर ठंडी होती है. इसे गर्मी में मौसम में लेना फायदेमंद होता है. यह कतीरे के पेड़ से निकलता है. यह सूखा हुआ गोंद की तरह होता है जो पानी में भिगोने पर फूलकर जिलेटिन जैसा हो जाता है, इसे पानी या छाछ जैसी लिक्विड चीजों के साथ लिया जाता है. इसे रातभर पानी में भिगोकर सुबह शरबत या दूध में मिलाकर पिया जाता है. इसे फालूदा में मिलाया जाता है, जो ठंडक और स्वाद दोनों बढ़ाती है. गोंद कतीरा को गुलाब शरबत या बेल शरबत में मिलाकर गर्मियों में उपयोग किया जाता है.

यह गर्मी में शरीर को ठंडक प्रदान करने में मदद करता है, जिससे लू और हीट स्ट्रोल से बचाव किया जाता है. साथ ही शरीर को हाइड्रेट रखने में भी मदद मिलती है. साथ ही गोंद कतीरे में कैल्शियम अच्छी मात्रा में पाया जाता है, इसलिए ये हड्डियों के लिए भी फायदेमंद होता है. हड्डियों को मजबूत बनाता है. इससे शरीर हाइड्रेट रहता और ऐसे में ये स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है. साथ ही इससे वजन कम करने में भी मदद मिलती है.

गोंद

गोंद भी दिखने में गोंद कतीरे की तरह ही होता है. इसका सेवन कई तरह से किया जाता है. गोंद को घी में तलकर सूखे मेवे, आटा और गुड़ के साथ लड्डू बनाए जाते हैं. कुछ लोग भुना हुआ गोंद गर्म दूध में मिलाकर भी पीते हैं. इसे अलग-अलग तरीको से खाया जाता है. इसमें कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं. इसे आमतौर पर ÷एडिबल गोंद÷ या ÷गोंद बबूल÷ के नाम से जाना जाता है और इसकी तासीर गर्म होती है.

गोंद पाचन में सुधार करने, इम्यूनिटी को बढ़ाने और स्किन को हेल्दी रखने में मदद करता है. क्योंकि इसकी तासीर गर्म होती है इसलिए इसका सेवन सर्दी में किया जाता है. जिससे ये शरीर को ठंड से बचाव करने में मदद करता है. लेकिन गोंद और गोंद कतीरा दोनों को ही एक सीमित मात्रा में खाना चाहिए.

संघवाद की हिमायत में फैसला

सुप्रीम कोर्ट के फैसले में स्पष्ट शब्दों में और बलपूर्वक इस बात को कहा गया है कि राज्यपाल की भूमिका तो संविधान के रखवाले की है यानी उसका काम संघीय व्यवस्था का सुचारु रूप से काम करना सुनिश्चित करने में मदद करना है। उसकी भूमिका किसी भी तरह से राजनीतिक खिलाड़ी की नहीं है और विपक्षी राजनीतिक खिलाड़ी की तो हर्गिज-हर्गिज नहीं है।नरेंद्र मोदी के राज में राज्यपाल के पद को जिस तरह से विपक्ष-शासित राज्यों में सत्ताधारी संघ-भाजपा जोड़ी की क्षुद्र राजनीति का हथियार बनाया गया है, उस पर यकायक किसी तरह से रोक लग जाएगी, यह मानना मुश्किल है। फिर भी तमिलनाडु राज्य बनाम तमिलनाडु राज्यपाल आदि मामले में हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय खंडपीठ ने जो असाधारण फैसला सुनाया है, उसने मौजूदा निजाम में राज्यपालों की भूमिका के सवाल को एक बार फिर बहस के केंद्र में ला दिया है।न्यायाधीशगण जेबी पारदीवाला और आर माधवन के फैसले का महत्व सिर्फ इतना ही नहीं है कि पहली बार तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित ऐसे दस विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी के बिना ही पारित करार दे दिया गया है, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के अनुसार राज्य के राज्यपाल ने अवैध तरीके से सालों से रोका हुआ था।

राज्यपाल की यह नकारात्मक सक्रियता इस हद तक पहुंच गयी थी कि 2023 में जब सुप्रीम कोर्ट ने इसी विवाद में यह फैसला दिया था कि राज्यपाल, विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक अपने पास रोक कर नहीं रख सकता है और उसके पास ऐसे किसी भी विधेयक को मंजूरी देने के सिवा दो ही विकल्प थे, या तो विधेयक को नामंजूर कर के विधानसभा को लौटा दे या फिर परामर्श के लिए राष्ट्रपति को भेज दे। उस समय राज्यपाल ने बरसों से रोक कर रखे जा रहे विधेयकों को विधानसभा के दोबारा पारित कर के भेजने के बाद, उन पर मंजूरी देने के बजाए, कथित रूप से परामर्श के नाम पर राष्ट्रपति के पाले में डाल दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस समूचे धतकर्म को अवैध करार देते हुए, संबंधित दस विधायकों को राज्य विधानसभा द्वारा उनके दोबारा पारित कर लौटाए जाने की तारीख से ही, पारित घोषित कर दिया है।इस फैसले का असर यह भी है कि केरल की एलडीएफ सरकार ने भी ऐसे ही मामले में, अपने राज्य के राज्यपाल द्वारा लंबे अर्से से रोक कर रखे गए, विधानसभा द्वारा पारित हुए विधेयकों को, इसी प्रकार से पारित घोषित किए जाने की मांग की है। राज्यपालों की विधानसभा की कार्यवाही में रोड़े अटकाने की अनुचित हरकतों को कटघरे में खड़ा किए जाने की यह बात निकली है, तो दूर तक जाएगी। याद रहे कि उत्तर हो या दक्षिण या पूर्व, कोई भी विपक्ष-शासित राज्य नहीं है, जहां मोदी राज द्वारा बैठाए गए राज्यपालों ने इस तरह की असंवैधानिकता नहीं की है। तमिलनाडु और केरल ही नहीं, तेलंगाना, पंजाब, दिल्ली आदि की सरकारें भी, ऐसी ही शिकायतों के साथ सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर पहुंची थीं। इसे देखते हुए यह कहने में जरा भी अतिरंजना नहीं होगी कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला, राज्यपालों के ऐसी असंवैधानिकता करने के लिए जिम्मेदार, केंद्र सरकार के मुंह पर एक करारा तमाचा है।लेकिन, जैसे इस मामले में मोदी राज की इसी संलिप्तता का परोक्ष साक्ष्य पेश करते हुए, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी हरकतों को गैर-कानूनी ठहराते हुए सुप्रीम भर्त्सना किए जाने के बावजूद, न सिर्फ राज्यपाल के पद से इस्तीफा देने से इंकार कर दिया है, वह तो राज्यपाल के पद की मर्यादाओं को मिट्टी में मिलाते हुए, हर रोज नये-नये विवाद खड़े करने में लगा हुआ है। ताजातरीन विवाद उसने मदुरै में एक सार्वजनिक शिक्षा संस्था के कार्यक्रम में छात्रों से जय श्रीराम के नारे लगवा कर किया है, जो एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए सरासर असंवैधानिक आचरण है। बहरहाल, इन मामलों में केंद्र की संलिप्तता के प्रत्यक्ष साक्ष्य भी कम नहीं हैं। ऐसे ही एक साक्ष्य में केंद्र की ओर से इसके इशारे किए जा रहे हैं कि सरकार, सुप्रीम कोर्ट के उक्त फैसले के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका दायर करने जा रही है।वास्तव में इस मामले में केंद्र सरकार को ही एक प्रकार से एक पक्ष बनाते हुए, देश के एडवोकेट जनरल ने इस मामले में तमिलनाडु के राज्यपाल की पैरवी की थी। तमिलनाडु के राज्यपाल के पक्ष में एडवोकेट जनरल द्वारा यह पूरी तरह से संविधानविरोधी और संघीय व्यवस्था विरोधी दलील दी गयी थी कि राज्यपाल के पास, विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूर करने, नामंजूर करने या राष्ट्रपति को भेजने के सिवा एक चौथा विकल्प भी होता है, जिसे आम लोगों की भाषा में पॉकेट वीटो कहा जाता है यानी विधेयक को लिया और जेब में डालकर भूल गए। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले में न सिर्फ यह स्पष्ट कर दिया गया है कि राज्यपाल को इस तरह के किसी भी वीटो का कोई अधिकार नहीं है, बल्कि यह भी साफ कर दिया गया है कि राज्यपाल को और यहां तक कि राष्ट्रपति को भी, ऐसे विधेयकों के मामले में इस समुचित समय सीमा के अंदर अपना फैसला देना होगा और यह समय सीमा एक महीने से लेकर तीन महीने तक की है। इस तरह, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी तरफ से तो राज्यपाल द्वारा राज्य विधानसभा के निर्णय के रूप में, राज्य की जनता की इच्छा का रास्ता रोके जाने की इस बढ़ती प्रवृत्ति का रास्ता बंद ही कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले में स्पष्ट शब्दों में और बलपूर्वक इस बात को कहा गया है कि राज्यपाल की भूमिका तो संविधान के रखवाले की है यानी उसका काम संघीय व्यवस्था का सुचारु रूप से काम करना सुनिश्चित करने में मदद करना है। उसकी भूमिका किसी भी तरह से राजनीतिक खिलाड़ी की नहीं है और विपक्षी राजनीतिक खिलाड़ी की तो हर्गिज-हर्गिज नहीं है। कहने की जरूरत नहीं है कि मोदी राज में विपक्ष शासित राज्यों के राज्यपालों को, विपक्षी राजनीतिक खिलाड़ी की ठीक ऐसी ही भूमिका में घटा दिया गया है।

अव्वल तो राज्यपालों की नियुक्ति ही इन अपेक्षाओं के आधार पर ही की जा रही है और अगर कोई कमी रह जाती है, तो केंद्र के निर्देशों से उन्हें संघ-निर्देशित रास्ते पर ले आया जाता है। बेशक, हमारे देश में संघीय व्यवस्था के संदर्भ में, राज्यपालों के पद का केंद्र की राजनीतिक इच्छा के हिसाब से दुरुपयोग किए जाने का इतिहास, मोदी राज से कहीं पुराना है। तरह-तरह के बहानों से निर्वाचित राज्य सरकारों को गिराने/हटाने के लिए राज्यपाल के पद का इतनी बार दुरुपयोग हुआ है कि न सिर्फ इस पद की भूमिका पर कई आयोगों/ कमेटियों द्वारा रोक-टोक करने वाली टिप्पणियां की गयी हैं तथा शर्तें लगायी गयी हैं, वास्तव में अनेक हलकों से इस पद की ही जरूरत पर भी सवाल उठते रहे हैं। इसके बावजूद, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता है कि मोदी राज में इन प्रवृत्तियों को एक नयी ही ऊंचाई पर पहुंचा दिया गया है और राज्यपालों को विपक्षी सरकार के खिलाफ इस हद तक तथा इतनी नंगई से सत्ताधारी पार्टी के सक्रिय एजेंटों में तब्दील किया गया है, जैसा इससे पहले कभी नहीं हुआ था।इस खेल की नंगई को समझने के लिए एक तथ्य की ओर ध्यान दिलाना ही काफी होगा। तमिलनाडु विधानसभा के जिन विधेयकों को राज्यपाल रवि ने अनंतकाल तक रोके रखने की कोशिश की थी और जिन्हें अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश से कानून बना दिया गया गया है, उनमें उच्च शिक्षा क्षेत्र से संबंधित विधेयक भी शामिल हैं, जो राज्य विश्वविद्यालयों के चांसलर का पद राज्यपाल से लेकर, निर्वाचित सरकार को सौंपने का प्रयास करते हैं।

मोदी राज में संघ-भाजपा द्वारा राज्यपालों को माध्यम बनाकर, जिस तरह राज्य विश्वविद्यालयों पर ही कब्जा करने का अभियान छेड़ा गया है, उसके सामने तमिलनाडु ही नहीं केरल, पश्चिम बंगाल आदि अन्य अनेक विपक्ष-शासित राज्यों को भी, राज्यपाल को पदेन चांसलर के पद से हटाने का रास्ता अपनाना पड़ा है। लेकिन, मोदी राज द्वारा बैठाए गए राज्यपाल, इसके सीधे उनके अपने हितों से जुड़ा मामला होने के बावजूद, विधानसभाओं द्वारा पारित इन विधेयकों को भी दबा कर बैठे रहे हैं।बेशक, विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों का रोक कर रखा जाना, विपक्षी सरकारों के खिलाफ राज्यपाल के पद के दुरुपयोग का एकमात्र हथियार नहीं है। लेकिन, यह संघीय व्यवस्था की जड़ पर ही प्रहार करने वाला ऐसा अतिवादी हथियार जरूर है, जिसकी असंवैधानिकता सुप्रीम कोर्ट की छन्नी से बचकर नहीं निकल पायी है। इससे मौजूदा शासन की बढ़ती संघवादविरोधी प्रवृत्ति पर कुछ अंकुश लगने की उम्मीद तो की ही जा सकती है। पर यह अंकुश उसी हद तक काम करेगा, जिस हद तक विपक्षी ताकतें सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के संघवाद तथा जनतंत्र के लिए महत्व को, आम जनता के बीच ले जाने में कामयाब होंगी।

संपादकीय

अंबेडकर के प्रति मोदी की श्रद्धा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं की तरह नरेन्द्र मोदी की जो विचारधारा विकसित हुई है, उसके तहत जिनके प्रति सर्वाधिक नफ़रत करना सिखाया गया है, उनमें महात्मा गांधी तथा प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के साथ संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर रहे हैं जिनकी सोमवार को देश भर में जयंती मनाई गई। वैसे तो पीएम होने के नाते उन्हें उन सभी राष्ट्र निर्माताओं को उनके जीवन की महत्वपूर्ण तिथियों पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने होते हैं क्योंकि वे जिस पद पर आसीन हैं, यह शिष्टाचार उनके कर्तव्य निर्वहन के अंतर्गत होता है- फिर चाहे उन महामानवों के विचारों से उनकी पटरी बैठे या न बैठे। समझदार तो वे होते हैं जो विपरीत विचारों की शख्सियतों को माल्यार्पण आदि कर अपने उत्तरदायित्व की खानापूरी कर लेते हैं। मोदीजी ने बाबासाहेब की 135वीं जयंती पर उनके योगदान स्वरूप जो बातें कहीं, उसमें विरोधाभासों व विसंगतियों की भरमार थी-हमेशा की भांति। यह बात एक बार फिर से यह साबित हुई कि मोदी हर अवसर को विपक्ष, खासकर कांग्रेस को कोसने तथा खुद की वाहवाही करने से ज्यादा कुछ नहीं मानते, जो हास्यास्पद है, दुर्भाग्यजनक भी। प्रधानमंत्री पद की गरिमा व प्रतिष्ठा के प्रतिकूल तो है ही। वैसे यह मोदी के लिये बड़ी बात नहीं है।सोमवार की सुबह मोदी संसद के भीतर श्रद्धांजलि का औपचारिक कार्यक्रम पूरा करने के बाद, जिसमें तमाम प्रमुख शख्सियतें मौजूद थीं, हरियाणा के हिसार पहुंच गये जहां इस अवसर पर एक भव्य आयोजन किया गया था। अपनी चिर-परिचित शैली में प्रधानमंत्री ने इस शहर के साथ अपने पुराने सम्बन्धों का ज़िक्र किया। उन्होंने अंबेडकर के जीवन-संघर्ष का उल्लेख करते हुए बतलाया %बाबासाहेब का संदेश ही उनकी 11 वर्षीय सरकार की यात्रा का प्रेरणा-स्तंभ है%। अंबेडकर के प्रति अपनी कटिबद्धता को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए पीएम ने दावा किया कि %उनकी सरकार का हर दिन, हर फैसला, हर नीति डॉ. अंबेडकर को समर्पित रहा।% वंचितों, पीड़ितों, शोषितों, गरीबों, आदिवासियों, महिलाओं के जीवन में बदलाव लाकर उनके सपनों को पूरा करना उन्होंने अपनी सरकार का मकसद बतलाते हुए कहा कि उनका निरंतर व तेज विकास ही भाजपा सरकार का मंत्र है। चूंकि सोमवार को ही हिसार-अयोध्या हवाई सेवा शुरु हुई, तो मोदी ने अपने उस वादे का ज़िक्र किया कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज में उड़ेगा। उनका दावा था कि देश में आज यह होता हुआ सब देख रहे हैं।इस अवसर पर उन्होंने कहा- %जब तक बाबासाहेब जीवित थे, कांग्रेस ने उन्हें अपमानित किया। दो बार चुनाव हरवाया तथा उनकी यादें मिटाने की कोशिशें कीं।% मोदी के अनुसार कांग्रेस अंबेडकर के विचारश्चों को हमेशा के लिए खत्म कर देना चाहती थी। पीएम ने डॉ. अंबेडकर को संविधान का संरक्षक और कांग्रेस को उसका भक्षक बतलाया। कांग्रेस के प्रति अपनी भड़ास को निचले स्तर तक ले जाते हुए मोदी ने कहा कि %कांग्रेस ने अनुसूचित जातियों, अनु. जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों को हमेशा दोयम दर्जे का नागरिक समझा। उनके मुताबिक कांग्रेसी नेताओं के घरों में स्विमिंग पूल होते थे तथा गांवों में प्रति सैकड़ केवल 16 घरों में ही पाइप से पानी पहुंचता था। इसस ये वर्ग ही सबसे ज्यादा प्रभावित थे।

वक्फ़ कानून को लेकर भी मोदी कांग्रेस पर बरस तथा इसे %कट्टरपंथियों को खुश करने का साधन% बतलाया जबकि बाकी समाज बेहाल, अशिक्षित व गरीब रहा। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की कुनीति का सबसे बड़ा प्रमाण वक्फ कानून बतलाया। अपने निशाने प उन्होंने कर्नाटक सरकार को भी लिया व आरोप लगाय कि उसने अनु. जाति-जनजाति और ओबीसी के अधिकार छीनकर धर्म के आधार पर आरक्षण दिया। नए वक्फ़ कानून को उन्होंने गरीब और पसमांदा मुस्लिमो महिलाओं, खासकर विधवाओं, बच्चों आदि के लिए लाभप्रद बताया। इसे ही पीएम ने असली सामाजिक न्याय बतलाया। वैसे उनका कांग्रेस से सवाल करन कहीं अधिक मज़ेदार है कि पार्टी का अध्यक्ष मुस्लिम क्यों नहीं है? यदि अध्यक्ष ही हितैषी होने का पैमाना है तो मानना होगा कि कांग्रेस दलित हितैषी तो है .

लोकसभा परिसीमन : लोकतंत्र की मजबूती या क्षेत्रीय तनाव का नया दौर?

मूल प्रश्न यह है कि क्या हमें वर्तमान 543 सांसदों से अधिक सदस्यों वाली संसद की आवश्यकता है? क्या प्रत्येक राज्य में और अधिक विधायकों की जरूरत है? सांसदों की संख्या को परिसीमन के माध्यम से बढ़ाने के फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। ऐसे तर्क दिए जा रहे हैं कि परिसीमन लागू हो जाने के पश्चात जन प्रतिनिधित्व बेहतर होगा।भारत में स्वतंत्रता के बाद कई पुराने-नए विवाद उभरे, कुछ को सरकारों ने बंद बस्ते में डाल दिया। अब एक नया जटिल मुद्दा है लोकसभा सीटों का परिसीमन, जिसे 1976 के 42वें और 2002 के 84वें संविधान संशोधन के जरिए 2026 तक टाला गया। यह विवाद अब फिर से सुर्खियों में है। वर्तमान में लोकसभा की 543 सीटें, 1971 की जनगणना के आधार पर तय हैं। संविधान के अनुसार, हर जनगणना के बाद सीटों का परिसीमन होना चाहिए। 1951 से 1971 तक ऐसा हुआ। आपातकाल के दौरान पारित हुए 42वां संशोधन ने 1971 की जनगणना के आधार पर आवंटित सीटों की संख्या को आगामी 25 वर्षों के लिए स्थिर कर दिया। 2002 के संशोधन ने यह मानते हुए कि देश के विभिन्न हिस्सों में परिवार नियोजन कार्यक्रमों की प्रगति के कारण किसी भी नई जनगणना पर आधारित परिसीमन करने निर्णय लिया जाना उचित नहीं होगा और यह अवधि और 25 वर्षों अर्थात 2026 तक के लिए बढ़ा दी।इस परिप्रेक्ष्य में यह कहा जा सकता है कि 1971 से अब तक कोई नई जनगणना आधारित परिसीमन नहीं हुआ है। 2011 के बाद से कोई जनगणना नहीं हुई है, और अगर अब जनसंख्या के अनुपात में सीटों का पुनर्विन्यास किया गया, तो दक्षिणी राज्यों की सीटों में कटौती हो सकती है। दक्षिण भारत के राज्य इसी कारण से परिसीमन का विरोध कर रहे हैं। आकड़ों के अनुसार, उत्तर भारत के राज्यों की तुलना में विन्ध्य पर्वत के उस पार स्थित राज्यों की जनसंख्या में वृद्धि की दर कम रही है। संविधान, लोकसभा सदस्यों की संख्या निर्धारण में समान अनुपातिता की व्यवस्था देता है लेकिन लद्दाख, गोवा और पूर्वोत्तर जैसे छोटे राज्यों में जनसंख्या की तुलना में अधिक सांसदहैं, जबकि दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों में प्रतिनिधित्व कम है।

मूल प्रश्न यह है कि क्या हमें वर्तमान 543 सांसदों से अधिक सदस्यों वाली संसद की आवश्यकता है? क्या प्रत्येक राज्य में और अधिक विधायकों की जरूरत है? सांसदों की संख्या को परिसीमन के माध्यम से बढ़ाने के फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। ऐसे तर्क दिए जा रहे हैं कि परिसीमन लागू हो जाने के पश्चात जन प्रतिनिधित्व बेहतर होगा। एक सांसद अभी 20-25 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है।

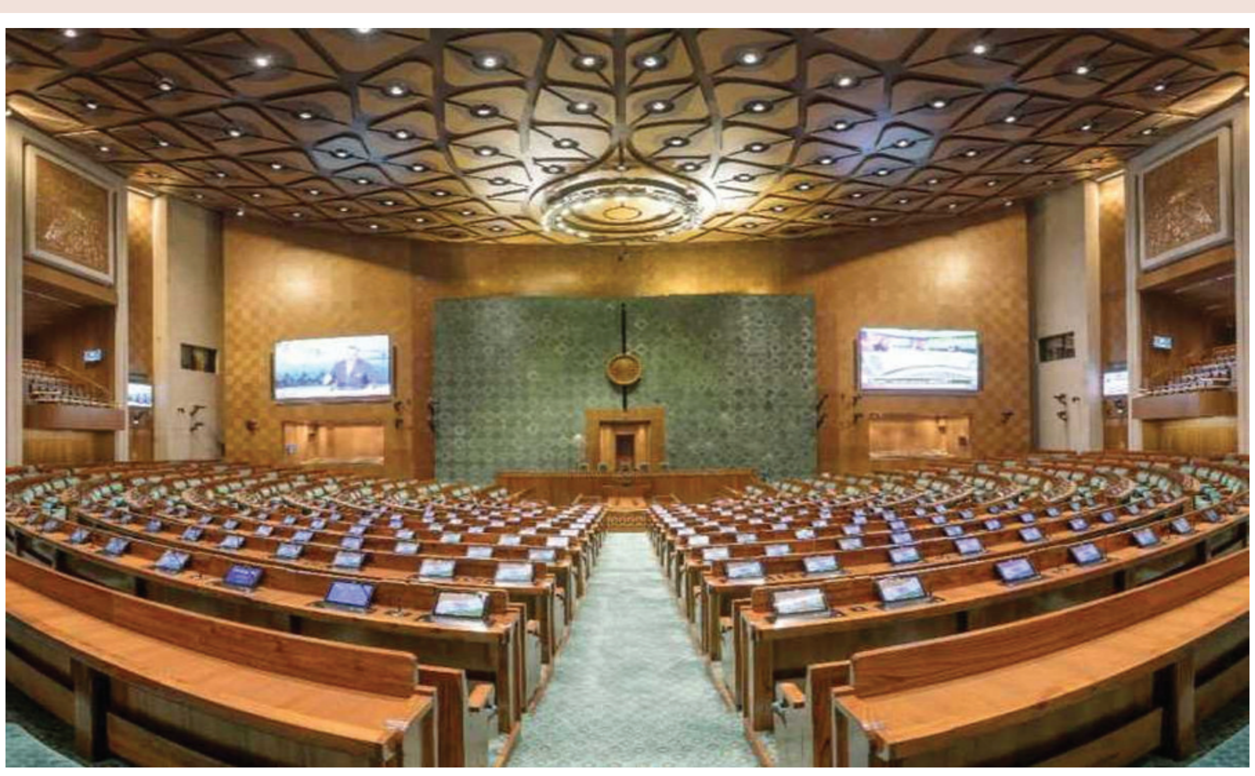

सीटें बढ़ने से यह अनुपात कम होगा, जिससे जनता की समस्याएं बेहतर उठेंगी। जनसंख्या के आधार पर सीटें बढ़ने से तेजी से बढ़ रही आबादी वाले राज्यों की आवाज मजबूत होगी। इससे असंतुलन कम होगा। अधिक सांसद मुद्दों पर गहन एवं विविधतापूर्ण चर्चा कर लोकतंत्र को और समृद्ध करेंगे।यदि यह फ़ायदे हैं तो इसके नुकसान भी कम नहीं हैं। अधिक सांसदों का मतलब वेतन, भत्ते और सुविधाओं पर ज्यादा खर्च। अधिक सदस्यों के साथ संसद में बहस और निर्णय लेना जटिल हो सकता है, जिससे कार्यक्षमता प्रभावित होगी। जनसंख्या आधारित डिलिमिटेशन से उत्तर भारत के राज्यों को अधिक सीटें मिलेंगी,जबकि दक्षिणी राज्य अपने प्रभाव को कम होता देख सकते हैं। सीटें बढ़ने से राजनीतिक दलों को अधिक उम्मीदवार उतारने पड़ेंगे, जिससे चुनावी खर्च और प्रबंधन जटिल हो सकता है। साथ ही, छोटे दलों का प्रभाव कम हो सकता है।परिसीमन लागू करने से पहले हमें भारत की जनसंख्या वृद्धि के भविष्य के परिदृश्य को भी ध्यान में रखना होगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, भारत की जनसंख्या 2040-50 तक 167 करोड़ के शिखर पर पहुंचेगी, फिर घटने लगेगी, क्योंकि सकल प्रजनन दर 2.1 से नीचे आ चुकी है। ऐसे में जनसंख्या आधारित परिसीमन की प्रासंगिकता कम हो रही है। इसलिए, यह आवश्यक है कि जनगणना की प्रक्रिया पूरी की जाये, लेकिन जनसंख्या के अनुपात के आधार पर सीटों के परिसीमन की प्रक्रिया को स्थगित रखा जाये।

पिछले अनुभव बताते हैं कि भारतीय संसदीय लोकतंत्र में विधायिका अनेक कमियों से जूझ रही है। संसद और विधानसभाओं के सत्रों की अवधि लगातार घट रही हैं, और इनमें हंगामा, नारेबाजी या बहिष्कार जैसे व्यवधानों के कारण प्रभावी चर्चा और विधायी कार्य कम हो पाता है। प्रतिनिधियों को जटिल नीतिगत मुद्दों की पर्याप्त समझ नहीं होती, इससे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गुणवत्तापूर्ण गहन बहस नहीं हो पाती। कई निर्वाचित प्रतिनिधियों पर आपराधिक मामले लंबित रहते हैं, जो विधायिका की विश्वसनीयता और नैतिकता पर सवाल उठाते हैं।दलीय अनुशासन से बंधे सांसद और विधायक स्वतंत्र रूप से मतदान करने में असमर्थ होते हैं। संसदीय समितियों का उपयोग विधेयकों की गहन जांच के लिए प्रभावी ढंग से नहीं हो पाता और उनके सुझावों को सरकार द्वारा नजरअंदाज कर दिया जाता है। विधायिका में महिलाओं और कुछ अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व उनकी जनसंख्या के अनुपात में कम है, जिससे उनकी आवाज कमजोर रहती है। कई बार विधेयकों को बिना पर्याप्त चर्चा या जनता की राय लिए जल्दबाजी में पारित कर दिया जाता है, जिससे अपर्याप्त या दोषपूर्ण कानून बनते हैं। विधायिका के भीतर मंत्री परिषद की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी तंत्र की कमी है।

लोकसभा सीटों का परिसीमन भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है, जिसमें जनप्रतिनिधित्व को बेहतर बनाने की संभावना के साथ-साथ क्षेत्रीय असंतुलन और संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ जैसे जोखिम भी जुड़े हैं। अधिक सांसदों से स्थानीय मुद्दों पर ध्यान बढ़ सकता है, लेकिन संसद की कार्यक्षमता, क्षेत्रीय तनाव और वित्तीय लागत जैसे नुकसान इसे विवादास्पद बनाते हैं। वर्तमान संसदीय व्यवस्था में व्याप्त कमियों- जैसे सत्रों की कमी, हंगामा, अपर्याप्त बहस और जवाबदेही के अभाव को देखते हुए केवल सीटों की संख्या बढ़ाना समाधान नहीं है। भारत की विविधता और सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते हुए, परिसीमन से पहले व्यापक सहमति, पारदर्शी जनगणना, और संसदीय सुधारों पर जोर देना ज़रूरी है। इसके बजाय, संसाधनों का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन, और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में करना अधिक लाभकारी होगा। आज भारत को केवल एक विशाल संसद की नहीं, अपितु सशक्त और समावेशी लोकतंत्र की आवश्यकता है। हमें गांधीजी के लोकतांत्रिक आदर्शों को हृदयंगम करना होगा, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की पीड़ा को मिटाया जा सके। सुसंस्कृत प्रतिनिधित्व और दूरदर्शी नीतिगत हस्तक्षेप के माध्यम से राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति को सुनिश्चित किया जा सकता है।

सेहत का फंडा

फलों से पाएँ चमकते दाँत

पीले हो चुके दाँतों को लोग अक्सर ब्लीच, व्हाइटनिंग क्रीम या कोई जैल लगाकर डेंटिस्ट की तगड़ी फीस भरकर सफेद बनाने की कोशिश करते हैं। लेकिन आप चाहें तो घर बैठे ही प्राकृतिक तरीके से यानी फलों का इस्तेमाल कर दाँतों की सफेदी वापस पा सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ रसदार फलों में नेचरल एसिड होता है जो कि ब्लीचिंग का काम करता है। यह दाँतों का पीलापन दूर कर उन्हें सफेद बनाता है।

तो अब आप घर पर ही कुछ फलों जैसे अँगूर, स्ट्रॉबेरी, मौसमी का इस्तेमाल कर अपने दाँत चमका सकते हैं। इस प्राकृतिक तरीके को इस्तेमाल करने से आपके दाँतों को कोई नुकसान भी नहीं पहुँचेगा। अगर आपकी ख्वाहिश बिलकुल मोतियों-से चमकते सफेद दाँत पाने की है तो उन्हें हाइड्रोजन पैरॉक्साइड से साफ करें और पानी से धो लें। आप दाँतों को चमकाने के लिए बेकिंग सोडा और नमक का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

दही में है खूबसूरती का खजाना

हमारे खान-पान में ऐसी कई चीजें शामिल हैं, जिनमें खूबसूरती और स्वास्थ्य का खजाना छिपा होता है। दही भी एक ऐसा ही खजाना है, जिसका उपयोग हर तरह से फायदेमंद है।

आइए जानें दही के गुण- दही के रोजाना सेवन से शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। दही में अजवाइन मिलाकर पीने से कब्ज की शिकायत दूर होती है।

गर्मी के मौसम में दही की छाछ या लस्सी पीने से पेट की गर्मी शांत होती है। इसे पीकर बाहर निकले तो लू से भी बचाव होता है। दही पाचन क्षमता बढ़ाता है। दही में कैल्शियम प्रचुर मात्रा में होता है। इसे रोजाना खाने से पेट की कई बीमारियाँ ठीक हो जाती हैं।

दही का रोजाना सेवन सर्दी और साँस की नली में होने वाले इंफेक्शन से बचाता है। अल्सर जैसी बीमारी में दही के सेवन से विशेष लाभ मिलता है। मुँह में छाले होने पर दही के कुल्ला करने से छाले ठीक हो जाते हैं।

आज के 'ब्यूटीफुल' मर्द

> "आज के युवक भी अपने पहनावे को लेकर सजग हो रहे हैं। लड़कियों की तरह क्रीम लगाना, घंटों सैलून में बैठना, फैशियल करवाना, वैक्सिंग करवाना स्पा में जाना उनकी जीवनशैली का हिस्सा हो चुका है।"

आज से 3 साल पहले का दृश्य था, अनिकेत और पल्लवी कहीं घूमने जाने के लिए तैयार हो रहे थे। अनिकेत 15 मिनट में तैयार हो गया जबकि पल्लवी को 45 मिनिट लगे। अनिकेत भुनभुनाता हुआ कहता था कितना वक्त लगाती हो तुम तैयार होने में ! लेकिन अब 3 साल बाद दोनों शादी में जाने के लिए तैयार हो रहे हैं, तो अनिकेत ने तैयार होने में पल्लवी से 10 मिनट ज्यादा लिए !

आज के युवक भी अपने पहनावे को लेकर सजग हो रहे हैं। लड़कियों की तरह क्रीम लगाना, घंटों सैलून में बैठना, फैशियल करवाना, वैक्सिंग करवाना स्पा में जाना उनकी जीवनशैली का हिस्सा हो चुका है। अब पुरुष भी महिलाओं की तरह सौंदर्यवर्द्धक सर्जरी करवाने लगे हैं। दरअसल पुरुष अपनी पुरानी छवि से ऊब चुके हैं। उन्हें अब कुछ नया और बेहतर चाहिए।

सर्जिकल बदलावों में अधेड़ उम्र के पुरुष ज्यादा रुचि ले रहे हैं। नेशनल स्किन सेंटर के डायरेक्टर नवीन तनेजा कहते हैं 2 साल पहले तक महिलाएँ ही चेहरे की झुर्रियाँ हटवाने, लिप ऑगमेंटेशन के जरिए होंठों को नया आकार देने, हाइड्रेशन, चेहरे के बालों को हटाने और सर्जरी करवाने को प्राथमिकता देती थीं लेकिन आज मेरे पास कई पुरुष भी आते हैं जो अच्छा-खासा पैसा कॉस्मेटिक पर खर्च करते हैं।

साफ, चिकनी कोमल त्वचा मर्दानगी दिखाने के लिए रुखापन अब पुरुषों के लिए जरूरी नहीं है। मेट्रोसेक्सुअल पुरुष कोमलता पसंद करते हैं। डॉ. तनेजा कहते हैं, पुरुषों ने काफी समय पहले से ही थ्रेडिंग करवाना शुरू कर दिया था मगर अब ऐसे पुरुषों की संख्या बढ़ती जा रही है जो थ्रेडिंग के साथ-साथ लेजर हेयर रिमूवल अपनाते हैं ताकि उनकी सख्त दाढ़ी में कुछ नरमी आ सके। नियमित लेजर ट्रीटमेंट त्वचा को रुखा होने से रोकता है।

अब युवा लड़के सख्त से नर्म की ओर अग्रसर हो रहे हैं। कॉस्मेटिक सर्जन डॉ. अजय कश्यप कहते हैं, इसमें कोई दो राय नहीं कि बढ़ती उम्र के साथ चेहरे पर झुर्रियाँ आने लगती है। यही कारण है कि अधेड़ उम्र के पुरुष चीक ऑगमेंटेशन यानी गालों को नया आकार देने को महत्व दे रहे हैं। इसके कई तरीके हैं, कृत्रिम इंप्लांट के साथ सिलिकॉन, पोरेक्स इंप्लांट और इंजेक्टेबल फिलर्स। ज्यादातर पुरुष सिलिकॉन इंप्लांट को तरजीह दे रहे हैं।

पतले व नर्म होंठ लड़के भी अब नर्म होंठ पाना चाहते हैं। पुरुषों के मोटे और भरे होंठ भी अब चलन से बाहर हो गए हैं। प्रशांत मेहरा के होंठ काफी मोटे और बाहर की ओर थे। प्रशांत ने इससे निजात पाने के लिए कॉस्मेटिक सर्जरी करवाने में ही अपनी भलाई समझी। इस प्रक्रिया के तहत होंठों की लंबाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। अतिरिक्त लिप टिश्यू निकाला जाता है, जिससे होंठ पतले हो जाते हैं।

इसके अलावा अब पुरुष अपने हाथ-पैर की भी केयर करने लगे हैं। वे वैक्सिंग भी करवा रहे हैं और हेयर एंड बॉडी स्पा भी लेने लगे हैं। ये सब करवाने में अब पहले जैसी झिझक नहीं रही कि लोग क्या कहेंगे? क्यों न हो, आखिर अच्छा दिखने का अधिकार पुरुषों को भी उतना ही है जितना कि महिलाओं को। सो अब हैंडसम नहीं इन्हें ब्यूटीफुल मर्द कहिए।

'भूल' जाएँ भूलने की आदत

नशीले पदार्थों से रहें दूर अक्सर लोग तनावमुक्त होने के लिए एल्कोहलिक पदार्थों का सेवन करने लगते हैं। इन पदार्थों का सीधा असर दिमाग पर पड़ता है जिससे मनुष्य की याददाश्त क्षमता कमजोर हो जाती है। इस विषय में जानकारी देते हुए न्यूरोसर्जन डॉ. हर्ष सक्सेना ने बताया कि भूलने की बीमारी उन लोगों में ज्यादातर देखने को मिलती है जो शराब का सेवन करते हैं। नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले व्यक्ति पूरी तरह से फोकस होकर बात को नहीं सुन पाते हैं जिससे यह दिमाग में सही ढंग से रजिस्टर नहीं होती है।

> चीजों को रखकर भूल जाना, किसी जरूरी बात का दिमाग से निकल जाना, बातचीत करते समय विषय का ध्यान से हट जाना, नामों का याद न रहना, दिनचर्या में उपयोग में होने वाली छोटी-छोटी बातें भी याद न रहना। यह कुछ ऐसी समस्याएँ हैं जो तेजी से लोगों में बढ़ती जा रही हैं। यूँ कह लीजिए कि लोग भूलने की समस्या के शिकार होते जा रहे हैं। जिसका मुख्य कारण है तनाव, तो वहीं आधुनिक भौतिक सुख-सुविधाओं पर बढ़ती लोगों की निर्भरता भी इसकी एक वजह है। जो मानव की मानसिक क्षमता को घुन की तरह धीरे-धीरे नष्ट करती जा रही है।

लोगों की लाइफ स्टाइल में दिनोंदिन आ रहा परिवर्तन जहाँ दुनिया को तरक्की के नए सोपानों की ओर अग्रसर कर रहा है, वहीं मनुष्य को नई-नई तरह की बीमारियों से भी ग्रसित करता जा रहा है। ऐसी एक बीमारी है बीमेंट्रिया, जिसे सामान्य भाषा में लोग भूलने की आदत कहते हैं। पहले यह समस्या जहाँ बुजुर्ग वर्ग के लोगों में ज्यादा देखने को मिलती थी, वहीं युवाओं और प्रौढ़ वर्ग के लोग भी तेजी से इस बीमारी के शिकार हो रहे हैं। खासतौर पर महिलाओं में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है।

कमजोर होती मस्तिष्क क्षमता लोगों में तेजी से बढ़ रही भूलने की समस्या के विषय में जानकारी देते हुए न्यूरो सर्जन डॉ. विजय परिहार ने बताया कि इस बीमारी में मनुष्य के दिमाग की तंत्रिकाएँ शिथिल हो जाती हैं। मेमोरी को सहेजकर रखने वाला लैम्बिक सिस्टम भी कमजोर हो जाता है। जिसके कारण कोई बात या जगह याद रखने में मुश्किल होती है। यह समस्या दो तरह की होती है। पहले प्रकार की भूलने की बीमारी को रिसेन्ट बीमेट्रिक कहते हैं। इसमें व्यक्ति तुरंत किए हुए कार्यों व बातों को याद नहीं रख पाता है। भूलने की समस्या का यही प्रकार वर्तमान में अधिकांश लोगों में देखने को मिल रहा है। वहीं दूसरे प्रकार की भूलने की बीमारी में व्यक्ति अपनी पुरानी यादों को पूरी तरह से भूल जाता है।

तनाव है मुख्य कारण आपाधापी से भरी जिंदगी में तनाव एक ऐसी समस्या है जो हर बीमारी की मूल जड़ है। लोगों में बढ़ रही भूलने की समस्या की भी मुख्य वजह तनाव ही है। इसके बारे में जानकारी देते हुए डॉ. परिहार ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति के मस्तिष्क में स्ट्रेस लगातार बना रहता है या दिन-ब-दिन बढ़ता जाता है तो इससे ब्रेन के प्रोगेस में दिक्कत आती है। तो वहीं व्यक्ति की मस्तिष्क क्षमता कमजोर होने लगती है जिससे मरीज की सोचने की, याद रखने की खासकर शॉर्ट टर्म मेमोरी और सामान्य व्यवहार की क्षमता प्रभावित होती है। इसके कारण मरीज का मिजाज भी बदल जाता है। छोटी-छोटी बात में चिड़चिड़ाने लगता है, उसके मन में हमेशा बेचैनी बनी रहती है, छोटी-छोटी बात को लेकर भी चिंता करने लगता है जिसके कारण व्यक्ति के मस्तिष्क में स्ट्रेस हमेशा बना रहता है।

महिलाएँ हो रहीं शिकार भूलने की इस बीमारी की सबसे ज्यादा शिकार महिलाएँ हो रही हैं। महिलाओं में इस समस्या का बढ़ने का मुख्य कारण है कि उन्हें एक ही समय में कई कामों पर फोकस करना होता है। नौकरी, घर, बच्चे, रिश्तेदार, शॉपिंग जैसी कई बातें एक साथ एक ही समय में उनके दिमाग में चलती रहती हैं जिसमें जरा डिसबैलेंस होने पर तनाव से घिर जाती हैं जिसके कारण वह अन्य बातें भी भूल जाती हैं।

अपनाएँ यह उपाय सुबह-सुबह सैर पर जाने से दिमाग की कोशिकाओं में शुद्ध वायु का प्रवाह होता है जो मस्तिष्क में रक्त संचार को बढ़ाता है, तो मस्तिष्क को तनाव मुक्त करता है और याददाश्त की क्षमता को बढ़ाता है। दिमाग को चुस्त-दुरुस्त रखने का सबसे आसान उपाय है दिमागी कसरत, जो कई तरह दिमागी खेलों जैसे पजल, सुडोकू, क्रॉस वर्ड आदि के माध्यम से की जा सकती है। यह खेल मेमोरी पवार को बढ़ाते हैं जिससे जगह, नाम आदि आसानी से याद रखे जा सकते हैं।

आसान उपाय हर मर्ज से बचाए

कच्चे आम की गुठली का चूर्ण दही या पानी के साथ सुबह-शाम लेने से कृमि रोग में फायदा होता है।

- हैजा रोग होने पर जब शरीर में ऐंठन होने लगती है या सर्दी के कारण शरीर में ऐंठन होती है तो ऐसे में अखरोट के तेल की मालिश करने से रोग में आराम मिलता है।
- अमरूद के कोमल पत्तों को पीसकर गठिया रोग से सूजे हुए स्थान पर लेप करने से रोग में आराम मिलता है।
- मसूढ़ों से पानी आता हो तो गुलाब तथा अनार के सूखे हुए फूल पीसकर चूर्ण बना लें। इस चूर्ण से मंजन करने से मसूढ़ों से पानी आना रुक जाता है।
- अजीर्ण या कफ की समस्या की वजह से अगर मुँह से बदबू आती हो तो रोज दस ग्राम मुनक्का जरूर खाने चाहिए।
- बड़ की छाल और बबूल के पत्ते और छाल बराबर मात्रा में लेकर एक पानी में भिगो दें। इस पानी से कुल्ला करने पर गले का रोग ठीक होता है।
- बड़ की जटा का चूर्ण दूध की लस्सी के साथ पीने से नकसीर रोग ठीक होता है। बहेड़े और शकर बराबर मात्रा में मिलाकर सेवन करने से आँखों की रोशनी में बढ़ोतरी होती है।
- चूने में दूब बराबर मात्रा में पानी में पीस लें। इस मिश्रण का लेप मस्तक पर करने से मस्तक की पीड़ा दूर होती है।
- इलायची का छिलका दाँतों के रोग,सिरदर्द और मुँह की सूजन में लाभ पहुँचाता है।
- ईसबगोल और मिश्री बराबर-बराबर मात्रा में मिला लें। दूध से इस मिश्रण को एक-एक चम्मच लेने से स्वप्नदोष रोग नहीं सताता है। मिश्रण को दूध से सोने से एक घंटा पूर्व ले लेना चाहिए।

पिंपल्स की दुश्मन सब्जियाँ

युवावस्था में पित्त की प्रतिक्रिया मुँहासों के रूप में सामने आती है। यह हारमोनल असंतुलन से भी हो सकता है या किसी दवा के साइड इफेक्ट से भी। वजह जो भी हो, पित्त को संतुलित करना बहुत आवश्यक है।

- बहुत सी जड़ी-बूटियाँ व सब्जियाँ हैं जो जिस्म को डीटॉक्सीफाई करती हैं। जैसे करेले का जूस, नींबू, घीगवार का जूस, बेल का शरबत बिना शकर के इनका सेवन करें। मगर योग्य चिकित्सक की देखरेख में यह करें।
- बहुत से अनाज भी मुँहासे भगाने का काम करते हैं जैसे ब्राउन राइस, जौ आदि।
- वजन कम करने के लिए भी जौ अच्छा अनाज है। साथ ही इन दोनों अनाजों में आयरन, बी-कॉम्प्लेक्स व अन्य खनिज भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।
- फलों में तरबूज, खरबूजा, सेब, मौसमी आदि सभी पित्त प्रकृति के लिए अच्छे हैं। मुँहासों को शरीर से दूर रखने के लिए आमतौर पर आप सभी फल ले सकते हैं लेकिन बेहतर होगा कि आम से बचें।
- सभी सब्जियाँ ठंडी प्रकृति की होती हैं। इसलिए शरीर को ठंडा करने के लिए सभी सब्जियाँ खाई जा सकती हैं। इनसे मुँहासे भी साफ होते हैं। जहाँ तक सब्जियों के जूस का ताल्लुक है, तो लौकी का जूस, पेठा जूस और बंदगोभी का जूस पित्त प्रकृति के लिए बहुत अच्छे हैं।

घरेलू उपाय, चेहरा चमकाए

सूखी हल्दी की गाँठ को नींबू के रस में मिलाकर लगाने से भी दाग-धब्बे तेजी से मिटने लगते हैं। सूखी त्वचा के दाग-धब्बे मिटाने के लिए दूध में चंदन की लकड़ी घिसकर लगाएँ।

तैलीय त्वचा के दाग-धब्बे मिटाने के लिए चंदन का बूरा गुलाब जल में मिलाकर लगाएँ। यह प्रयोग विशेष रूप से गर्मियों के लिए लाभकारी है।

चोट के निशान पर लाल चंदन रोज पानी में घिस कर लगाएँ 20 दिन में फायदा नजर आने लगेगा। टमाटर में नींबू की दस-बारह बूँदें मिलाएँ इस मिश्रण को चेहरे पर मलने से दाग-धब्बे दूर होते हैं। अक्सर पेट की खराबी से चेहरे पर दाग-धब्बे नजर आते हैं अतः दिन में कम से कम तीन बार नींबू पानी पिएँ, कुछ ही हफ्तों में चेहरा चमकने लगेगा। जीरे का रस इन दिनों होने वाले फोड़े-फुंसी, घमोरियों को रोकता है, रक्त का शुद्धिकरण करता है व पाचनक्रिया को भी व्यवस्थित रखता है। आधा बड़ा चम्मच जीरा रात को सोते समय पानी में भिगो दें। इससे आधी मात्रा के करीब मिश्री को अलग से भिगोएँ। सुबह पानी से निकालकर इसे सिल पर बारीक पीस लें। थोड़ी-सी पुदीना की पत्तियाँ धोकर इसी के साथ पीस लें। इस मिश्रण को एक छनने वाले कपड़े पर रखकर पानी की सहायता से छान लें। घुली हुई मिश्री मिलाएँ। इस पेय को दिन में एक बार जरूर पिएँ।

करेला रक्त शोधक व डायबिटीज में फायदेमंद

करेला अपने आप में एक औषधि है। करेला खाने या उसका जूस पीने से आपके स्वास्थ्य में काफी फायदा होता है। यह आपका खून से लेकर लिवर तक ठीक रखता है। करेला चिकित्सकीय औषधियों में भी काम में लाया जाता है, हालांकि यह टेस्ट में कड़वा और आंखों को नहीं सुहाता है। लेकिन रोजाना एक गिलास करेले का जूस पीने से बहुत सी समस्याएं दूर होती हैं। कच्चे करेले का जूस बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसमें सभी जरूरी विटामिन्स और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं जो कि शरीर को चाहिए।

करेले के फायदे-

1. ब्लड शुगर लेवल को कम करता है : शुगर को नियंत्रित करने के लिए आप तीन दिन तक खाली पेट सुबह करेले का जूस ले सकते हैं। मोर्मसडिन और चैराटिन जैसे एंटी-हाइपर ग्लेसेमिक तत्वों के कारण करेले का जूस ब्लड शुगर लेवल को मांसपेशियों में संचारित करने में मदद करता है।

2. बीजों में पॉलीपेप्टाइड-पी : इसके बीजों में पॉलीपेप्टाइड-पी होता है जो कि इंसुलिन को काम में लेकर डायबिटीज रोगियों में शुगर लेवल को कम करता है।

3. भूख बढ़ाता है : भूख नहीं लगने से शरीर को पूरा पोषण नहीं मिल पाता है, जिससे कि स्वास्थ्य से संबंधित परेशानियां होती हैं। इसलिए करेले के जूस को रोजाना पीने से पाचन क्रिया सही रहती है जिससे भूख बढ़ती है।

4. अग्नाशय के कैंसर के उपचार में उपयोगी: रोजाना एक गिलास करेले का जूस पीने से अग्नाशय का कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाएं नष्ट होती हैं। ऐसा इसलिए होता हैं क्योंकि करेले में मौजूद एंटी-कैंसर कॉम्पोनेंट्स अग्नाशय का कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं में ग्लूकोस का पाचन रोक देते हैं, जिससे इन कोशिकाओं की शक्ति खत्म हो जाती हैं और ये भी खत्म हो जाती हैं।

5. सोराइसिस के लक्षणों को दूर करता है: एक कप करेले के जूस में एक चम्मच नींबू का जूस मिला लें। इस मिशण्रका खाली पेट सेवन करें। तीन से छह महीनें तक इसका सेवन करने से त्वचा पर सोराइसिस के लक्षण दूर होते हैं। यह आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है और सोराइसिस को प्राकृतिक रूप से ठीक करने में मदद करता है।

6. लीवर से विषैले पदार्थ निकालता है: रोजाना एक गिलास करेले का जूस पीने से लिवर मजबूत होता है क्योंकि यह पीलिया जैसी बीमारियों को दूर रखता है। साथ ही यह लिवर से जहरीले पदार्थो को निकालता है और पोषण प्रदान करता है जिससे लिवर सही काम करता है और लिवर की बीमारियां दूर रहती हैं।

7. पाचन शक्ति बढ़ाता है: करेले का जूस कमजोर पाचन तंत्र को सुधारता है और अपच को दूर करता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि यह एसिड के स्त्रव को बढ़ाता है जिससे पाचन शक्ति बढ़ती है। इसलिए अच्छी पाचन क्षमता के लिए सप्ताह में एक बार सुबह करेले का जूस जरूर लें।

8. आंखों की रौशनी बढ़ाता है: लगातार करेले के जूस का सेवन कर आप विभिन्न दृष्टि दोषों को दूर कर सकते हैं। करेले में बीटा-कैरोटीन और विटामिन 'ए' की अधिकता होती है, जिससे दृष्टि ठीक होती है। इसके अलावा इसमें उपस्थित विटामिन 'सी' और एंटी-ऑक्सीडेंट्स, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से होने वाली नजरों की कमजोरी से बचाता है।

9. ब्लड साफ करता है : करेले का जूस शरीर में एक प्राकृतिक रक्त शोधक के रूप में कार्य करता है। यह जहरीले तत्वों को बाहर निकालता है और फ्री रेडिकल्स से हुए नुकसान से बचाता है। इसलिए ब्लड को साफ करने और मुहासों जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए रोज एक गिलास करेले का जूस जरूर पिएं।

चेहरे की रौनक बढ़ाता है सेंधा नमक

हमारी त्वचा को ज्यादा ताजगी की जरूरत होती है यदि ताजा ऑक्सिजन नहीं मिलेगी तो आपकी त्वचा पर दाग धब्बे दिखने लगेंगे और त्वचा काली व डेड होने लगती है। ज्यादा कील-मुहांसों व दाग-धब्बों की वजह से लोग परेशान हो जाते हैं। पर अब चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि अब आ गया है ऐसा घरेलू उपाय जिससे आपकी त्वचा दाग-धब्बे रहित हो जाएगी और आपका चेहरा दमक उठेगा। सेंधा नमक से आपकी त्वचा को कोई नुकसान भी नहीं पहुंचेगा साथ ही इसके इस्तेमाल से आपके चेहरे की डेड स्किन भी निकल जाएंगी।

सेंधा नमक पूर्ण रूप से नेचुरल होता है। इसे आप स्क्रब के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। सेंधा नमक के इस्तेमाल से आप स्किन संबंधी कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं। समय-समय पर स्क्रब करते रहना अच्छा है पर इसका सही तरीका भी पता होना जरूरी है। पहली बात हर स्क्रब न करें ये आपके चेहरे के लिए खतरनाक हो सकता है और आपके चेहरे का नेचुरल ग्लो भी खत्म हो सकता है। हलके हाथों से चेहरे पर गोलाई में स्क्रब लगाएं और उसे रब करें। इस बात का खासकर ध्यान रखें की स्क्रब ज्याद ड्राई न हो इसके लिए समय-समय पर पानी की या गुलाब जल की कुछ बूदें डालकर चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें ऐसे करने से आपके चेहरे को कोई हानि नहीं पहुंचेगी और आपका चेहरा साफ भी हो जाएंगा।

सेंधा नमक और शहद : सेंधा नमक को शहद के साथ इस्तेमाल कर निखरी त्वचा के साथ साफ स्किन पा सकते हैं। इसके लिए थोड़ा सेंधा नमक लें और उसमें कुछ बूंदे शहद की डालें और अच्छी तरह से इसका पेस्ट बना लें। फिर इसे आप अपने चेहरे पर लगाएं और सुख जाने के बाद साफ पानी से धो लें। ऐसा करने से आपके चेहरे के टैटिन दूर हो जाएंगे। इसका उपयोग आप सप्ताह में दो या तीन बार करें।

सेंधा नमक व बादाम का तेल : अगर आपके चेहरे की स्किन ड्राई है, तो सेंधा नमक और बादाम का तेल को मिलाकर पेस्ट तैयार करें। बादाम के तेल के अलावा आप जैतून का तेल भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे अपने चेहरे में ठीक ढंग से लगाएं। थोड़ी देर लगे रहने के बाद साफ पानी से धो लें।

सेंधा नमक और नींबू : अगर आपके चेहरे में मुंहासे, डेड स्किन, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स हैं तो इसकी मदद से आसानी से साफ हो जाएंगे। इसके लिए एक बाउल में सेंधा नमक लें और उसमें कुछ बूंदे नींबू के रस की मिलाएं और इसके अपने चेहरे में गोलाई में घुमाकर लगाएं। एक सप्ताह में दो बार इस स्क्रब का इस्तेमाल करें।

सेंधा नमक व ओटमील : अगर आपकी स्किन ऑइली है तो यह काफी फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए एक बाउल में सेंधा नमक और ओटमील डालकर अच्छी तरह से मिला लें। साथ ही इसमें नींबू का रस और बादाम का तेल भी मिला लें। फिर इस स्क्रब को अपने चेहरे में हल्के से लगा लें। और फिर गुनगुने पानी से धो लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी ङ्क्षचता रहेगी। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्क्षचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-2-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ ज्ञ ज दे दो चा ची)
व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-2-5-6

लॉफिंग ज़ोन

चार व्यक्तियों को अदालत में पेश किया गया. इल्जाम था कि वे पार्क में बैठे जुआ खेल रहे थे. जज ने बारी-बारी से उनसे पूछा. पहले ने कहा, मै उस दिन यहां था ही नहीं. सबूत के तौर पर अपने ट्रैवल एजेंट से रेल टिकट की रसीद दे सकता हूं.

दूसरा बोला - 'उस दिन मैं घर पर बुखार में पड़ा था. डॉक्टर का सर्टीफिकेट पेश कर सकता हूं.'

तीसरे का जवाब था, 'मैने आज तक कभी जुआ नहीं खेला, ताश को हाथ तक नहीं लगाया.'

चौथा चुपचाप खडा रहा.

उससे पूछा, और तुम भी जुआ नहीं खेल रहे थे?

वह बोला, जी मैं अकेला जुआ कैसे खेल सकता हूं.

☺ ☺ ☺

दूध वाला- बीबी जी, कल से दूध पचास पैसे महंगा हो जायेगा.

महिला - क्यों, दूध के दाम क्यों बढ़ा रहे हो?

दूध वाला - क्योंकि मुझे भी अब पानी का बिल भरना पड़ता है.

☺ ☺ ☺

शराबी (अजय से) - शराब से ज्यादा नुकसान तो पानी ने पहुंचाया है.

अजय - नहीं , आप गलत कह रहे हैं.

शराबी- क्यों भाई साहब, क्या पिछले साल बाढ़ से हजारों लोग नहीं मरे थे क्या?

काकुरो पहेली - 4027

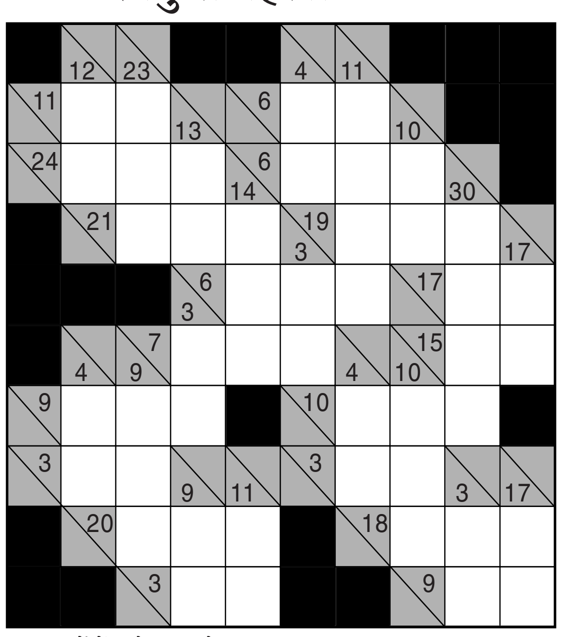

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

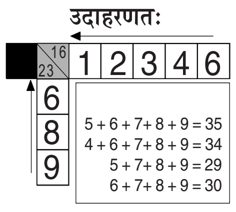

5 + 6 + 7+ 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7+ 8 + 9 = 34
5 + 7+ 8 + 9 = 29
6 + 7+ 8 + 9 = 30

काकुरो -4026 का हल

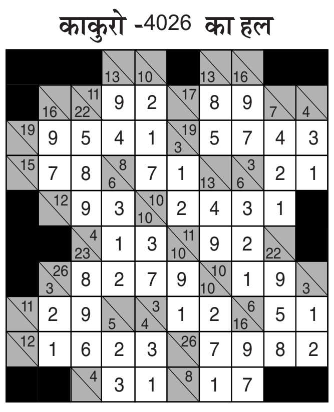

फिल्म वर्ग पहेली- 4027

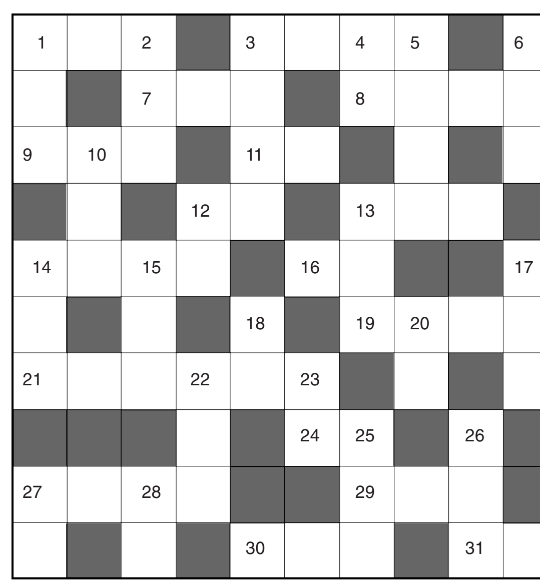

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4026

बं	ध	न		क्ष	त्रि	य		ज	ख्मी
दि		सी	मा		दे	श	प्रे	मी	
श	बा	ब		दे	व		म	न	
	बु		जो	श		बा	गी		खु
दौ	ल	त		द्रो	ही		त	ला	शी
ड़		ला		ही		पा		ट	
	रे	श	नी		आ	प	के	सा	थ
जं	ग		य	की	न			ब	
ग			त		बा	द	ल		जी
ल	की	र		डॉ	न		की	म	त

सूडोकु -4027

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4026 हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शब्द पहेली -4027

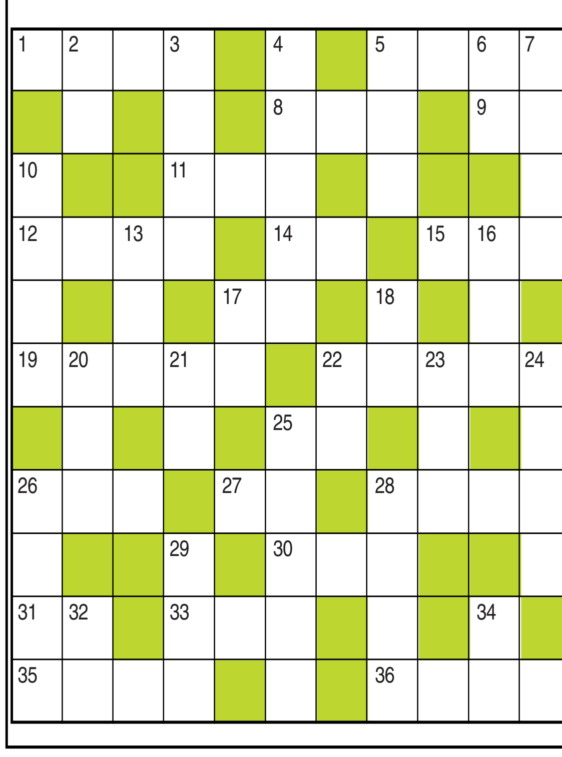

बाएँ से दाएँ

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली -4026 का हल

	त	था	क	थि	त		क	या	म	त
ना	प		ह		र	का	बी		त	र
मु		त	वा	य	फ		ला	वा		खा
ना	पा	क			दा	नी		दा	म	न
सि		दी		प	र		सा		हि	
ब	ह	र	हा	ल		नि	रा	ला	प	न
	र		नि		आ	शा		ज		ज
अ	म	र		अ	तं			वा	न	र
मा		मा	न		क	र	त	ब		बं
न	या		ज	ल	वा		ना		क	द
त	क	दी	र		द	शा	व	ता	र	

मुर्शिदाबाद हिंसा के दौरान पिता-पुत्र की हत्या मामले में दो गिरफ्तार

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद ज़िले के समशेरगंज इलाके में हुई हिंसा के दौरान एक पिता और उसके बेटे की हत्या के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। मृतकों की पहचान हरगोबिंद दास और उनके बेटे चंदन दास के रूप में हुई थी। बीते सप्ताह पूरे मुर्शिदाबाद ज़िले में वक्फ (संशोधन) कानून के खिलाफ प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया था। इसी दौरान समशेरगंज में यह हत्या हुई थी, जिसने हालात को और गंभीर बना दिया था। दक्षिण बंगाल के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सुप्रतिम सरकार ने बताया कि हत्या के मामले में अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक को सोमवार देर रात बिरभूम जिले के मुराराई इलाके से पकड़ा गया, जबकि दूसरे को मंगलवार सुबह मुर्शिदाबाद के सुत्ती से गिरफ्तार किया गया। हालांकि पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सार्वजनिक नहीं की है। बताया गया है कि दोनों आरोपित आपस में चचेरे भाई हैं। दोनों आरोपितों को जिला अदालत में पेश किया गया, जहां अभियोजन पक्ष पुलिस हिरासत की मांग की है। मुर्शिदाबाद के जंगीपुर, समशेरगंज, धूलियान और सूती जैसे संवेदनशील इलाकों में मंगलवार सुबह से हालात धीरे-धीरे सामान्य होने लगे हैं। यह दिन बंगाली नववर्ष की शुरुआत के साथ ही आया है, जिससे कई दुकानों ने एक सप्ताह बाद अपने शटर खोले। हालांकि सड़कों पर आम लोगों की आवाजाही अभी सामान्य से काफी कम है।

बहराइच में ओवरटेक के दौरान हुई दुर्घटना, दो बच्चे व दो महिलाओं सहित पांच की मौत

बहराइच। जिले के गोंडा-बहराइच मार्ग पर पयागपुर थाना की खूंटेहना चौकी के गांव कटेला के पास दोपहरहुई दुर्घटना के मृतकों की शिनाख्त हो गई है। मृतकों में एक ही परिवार के पांच लोगों में दो बच्चें, दो महिलाएं और एक पुरुष है। यह सभी ऑटो से एक रिश्तेदार के यहां वलीमा कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इस दुर्घटना में 11 लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बस ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक रामानंद कुशवाहा ने पत्रकारों को बताया कि एक डबल डेकर बस दिल्ली से गोण्डा जा रही थी। पयागपुर थाना के कटेला गांव के पास पहुंचते ही बस के आगे सीमेंट से लदा ट्रैक्टर ट्रॉली जा रही थी। बस चालक ने तेजी से ट्रैक्टर ट्रॉली को ओवरटेक करते हुए आगे बढ़ा, तभी सामने से आ रहे ऑटो से बस टकरा गई। उन्होंने बताया कि ऑटो में कुल 16 लोग सवार थे। इस दुर्घटना में अलीम (12), फहद (4), मरियम (60), अमजद (50) और मुन्नी (40) की मौत हो गई। इसके अलावा 11 लोग घायल है, जिसमें दस लोगों को लखनऊ रेफर किया गया। एक अन्य व्यक्ति का इलाज मेडिकल कॉलेज बहराइच में चल रहा है। पुलिस ने बस को कब्जे में लेते हुए ड्राइवर को हिरासत में ले लिया। सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं।

कटरा-सांगलदान खंड पर वंदे भारत ट्रेन का ट्रायल रन, प्रधानमंत्री मोदी 19 अप्रैल को करेंगे उद्घाटन

जम्मू। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेलवे लाइन के कटरा-सांगलदान खंड पर विशेष वंदे भारत ट्रेन का ट्रायल रन सफलतापूर्वक किया गया। कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले 272 किलोमीटर लम्बे इस रेलवे खंड का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 अप्रैल को करेंगे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह ट्रायल रन चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल के उद्घाटन की अंतिम तैयारियों का हिस्सा है, जो रेलवे परियोजना के कटरा-सांगलदान खंड में आता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जम्मू-कटरा होते हुए श्रीनगर तक जाने वाली पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी के इस पुल से होकर जाने वाली ट्रेन में यात्रा करने की उम्मीद है। इसके बाद कटरा और बारामुला के बीच ट्रेन सेवाओं का संचालन शुरू होने पर कश्मीर देश के बाकी हिस्सों से जुड़ जाएगा। उन्होंने बताया कि कटरा-सांगलदान सेक्शन के महत्वपूर्ण स्थानों के साथ ही कश्मीर तक पूरे ट्रैक पर बहु स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमने पूरी तैयारी कर ली है और अब यह सेक्शन उद्घाटन और हरी झंडी दिखाने के समारोह के लिए तैयार है। यह पूरा इलाका कश्मीर के धार्मिक, पर्यटन और कनेक्टिविटी के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है।

जापान के राजदूत ने की बिहार के लिट्टी-चोखा की तारीफ, लिखा-'गजब स्वाद बा'

पटना। बिहार के लिट्टी-चोखा का स्वाद विदेशियों को भी भाने लगा है। भारत में जापान के राजदूत केइची ओनो भी लिट्टी-चोखा के स्वाद के मुरीद हो गये हैं। दरअसल, बिहार दौरे पर आए भारत में जापान के राजदूत केइची ओनो को स्थानीय खानपान से जुड़ी थाली परोसी गई। इसमें लिट्टी-चोखा के अलावा लौंगलता, रसिया, मट्ठा, भात, बजका-कचरी के अलावा अन्य व्यंजन थे। ये सभी व्यंजन बिहार के खानपान से जुड़ी संस्कृति की पहचान हैं। केइची ओनो को इनका स्वाद चखाया गया। उन्होंने लिट्टी-चोखा की जोरदार तारीफ की। राजदूत केइची ओनो लिट्टी-चोखा खाते ही बोल उठे- गजब स्वाद बा। उन्होंने बिहार के व्यंजनों से सजी थाली की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर पोस्ट की है जिसमें लिखा है- 'नमस्ते बिहार! अंततः विश्व प्रसिद्ध लिट्टी-चोखा खाने का मौका मिलाज गजब स्वाद बा।

बंगाल हिंसा पर सीएम योगी की दो टूक

'दंगाइयों का इलाज ही डंडा है, लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले'

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर एक बार फिर ममता सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बंगाल जल रहा है और मुख्यमंत्री चुप हैं, दंगाइयों को शांति दूत कहती हैं। सीएम योगी ने यह भी कहा कि लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं? सीएम योगी ने हरदोई में अमर सेनानी राजा नरपति सिंह स्मारक स्थल पर आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि याद कीजिए 2017 के पहले के उत्तर प्रदेश को, हर दूसरे-तीसरे दिन दंगा होता था, इन दंगाइयों का उपचार ही डंडा है। बिना डंडे के मानेंगे नहीं।

आप देख रहे होंगे कि बंगाल जल रहा है, वहां की मुख्यमंत्री चुप हैं, दंगाइयों को शांति दूत कहती हैं, लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं, लेकिन सेकुलरिज्म के नाम पर इन लोगों ने दंगाइयों को दंगा करने की पूरी छूट दे रखी है। सीएम योगी ने ममता सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि पूरा मुर्शिदाबाद एक सप्ताह से जल रहा है, राज्य सरकार मौन है, इस प्रकार की अराजकता पर लगाम लगनी चाहिए और मैं वहां के न्यायालय को इस बात के लिए धन्यवाद दूंगा कि जिन्होंने वहां पर केंद्रीय बलों की तैनाती करके अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाया है। उन्होंने विपक्षी दलों की चुप्पी पर कहा कि सब लोग मौन हैं, मुर्शिदाबाद दंगों पर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी मौन हैं, टीएमसी मौन है, वे धमकी पर धमकी दिए जा रहे हैं, बांग्लादेश के अंदर जो हुआ था, उसका समर्थन कर रहे हैं, अगर उन्हें बांग्लादेश अच्छा लगता है, तो उन्हें बांग्लादेश जाना चाहिए, क्यों भारत की धरती पर बोझ बने हुए हैं? सीएम योगी ने जिक्र किया कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आभारी हैं, जिन्होंने वक्फ कानून को लाकर गरीबों की जमीनों पर डकैती पर लगाम लगाने का काम किया है।

मप्र के भोपाल में बाबा रामदेव के शरबत वाले बयान के खिलाफ थाने पहुंचे दिग्विजय सिंह, शिकायत दर्ज कराई

एजेंसी

भोपाल । मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय ने योग गुरु बाबा रामदेव के हाल ही में शरबत पर की गई टिप्पणी को लेकर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। कांग्रेस नेता ने बाबा पर अपने उत्पादों के प्रचार के दौरान धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राजधानी भोपाल के टीटी नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बाबा रामदेव ने अपने उत्पादों के प्रचार के दौरान ऐसी टिप्पणी की है, जिससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। बाबा रामदेव ने हाल ही में अपने एक शरबत के प्रचार के लिए देश के एक प्रतिष्ठित शरबत ब्रांड पर टिप्पणी की थी कि उस ब्रांड को खरीदने से देश में मदरसे बनेंगे। इस बयान पर आपत्ति जताते हुए दिग्विजय सिंह ने थाने में शिकायत की है। दिग्विजय सिंह का कहना है कि जिसने यह बयान दिया है, मौजूदा कानून के तहत उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। उन्?होंने कहा कि मैं एक सप्ताह तक इंतजार करूंगा, यदि कार्रवाई नहीं हुई तो कोर्ट का दरवाजा खटखटाऊंगा। इस मामले पर अतिरिक्त डीसीपी रश्मि अग्रवाल दुबे ने पुष्टि करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह लिखित शिकायत की है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि बयान और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हल्द्वानी के बनभूलपुरा में 18 अवैध मदरसों पर कार्रवाई; 17 सील, एक का अधिग्रहण

एजेंसी

हल्द्वानी । उत्तराखंड में हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे मदरसों के खिलाफ जिला प्रशासन और पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के बाद दो दिन तक चले अभियान में कुल 18 मदरसों पर कार्रवाई हुई। इसमें 17 मदरसों को सील कर दिया गया, जबकि एक मदरसे का अधिग्रहण किया गया। नैनीताल जिले में अब तक कुल 21 मदरसों के खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है। यह अभियान अपर जिलाधिकारी (एडीएम) विवेक कुमार रॉय के नेतृत्व में चलाया गया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन, पुलिस और अन्य विभागों की संयुक्त टीम ने पहले सर्वे किया था। इस सर्वे में हल्द्वानी क्षेत्र में 18 ऐसे मदरसे सामने आए, जो बिना पंजीकरण और मान्यता के अवैध रूप से चल रहे थे। रविवार को 14 और सोमवार को चार मदरसों पर कार्रवाई की गई। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। एडीएम विवेक रॉय ने कहा कि जिलाधिकारी के आदेश पर एक कमेटी बनाई गई थी, जिसने अवैध मदरसों की जांच की। जिन मदरसों के पास पंजीकरण या मान्यता नहीं

थी, उन्हें सील कर दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी जगहों पर अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। रॉय ने यह भी बताया कि आठ मदरसे वैध पाए गए हैं। साथ ही, अगर कोई बच्चा शिक्षा से वंचित होता है, तो उसे मान्यता प्राप्त संस्थानों में दाखिला दिलाया जाएगा। यह कार्रवाई शांतिपूर्ण रही और प्रशासन ने सभी जरूरी कदम उठाए, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे। बनभूलपुरा में फरवरी 2024 में अवैध निर्माण हटाने के दौरान हिंसा हुई थी, जिसके बाद प्रशासन इस बार अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। सील किए गए मदरसों में कोई छात्र नहीं मिला, लेकिन किताबें जब्त की गईं। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्ती जारी रहेगी। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगने की उम्मीद है।

रामायण केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, भारतवर्ष की आत्मा है : गजेंद्र सिंह शेखावत

एजेंसी

सिलीगुड़ी। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सिलीगुड़ी में आयोजित 'रामायण महोत्सव' में शिरकत की। उन्होंने कहा कि रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है, यह भारतवर्ष की आत्मा है। यह वह महागाथा है, जो धर्म, मर्यादा, त्याग, समर्पण और आदर्शों की शिक्षा देती है। वाल्मीकि रामायण से लेकर तुलसीदास का रामचरितमानस, कंबन की तमिल रामायण, कृति वास की बंगाली रामायण और अब राजबंशी रामायण, हर संस्करण ने अपनी भाषा, क्षेत्र और संस्कृति के अनुसार इस दिव्य गाथा को अपनाया और संवारा है। शेखावत ने समारोह में प्रख्यात कवि एवं पद्मश्री नागेंद्र नाथ रॉय द्वारा रचित अमूल्य ग्रंथ 'राजबंशी रामायण' का लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक ग्रंथ का विमोचन नहीं है, बल्कि यह हमारी लोक-संस्कृति, हमारी भाषायी विरासत, और हमारी रामकथा की परंपरा का पुनर्जागरण है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत योजना के अंतर्गत भाषाई आदान-प्रदान हो या फिर

देशभर में क्षेत्रीय महोत्सवों का आयोजन हो, हम निरंतर इस बात का प्रयास कर रहे हैं कि भारत की विविधता को उसकी शक्ति बनाया जाए।उन्होंने कहा कि सिलीगुड़ी और दार्जिलिंग केवल प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण क्षेत्र नहीं हैं, बल्कि यहां की सांस्कृतिक विविधता भी पर्यटकों को आकर्षित करती है। मैं राजबंशी समुदाय और उत्तर बंगाल के सभी नागरिकों को भी विशेष रूप से बधाई देना चाहता हूं, जिन्होंने अपनी सांस्कृतिक विरासत को न केवल संरक्षित किया है, बल्कि उसे अगली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प भी दिखाया है।

'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद मामले में साइबर सेल ने समय रैना, रणवीर इलाहाबादिया के बयान दर्ज किए

एजेंसी

मुंबई। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद मामले में महाराष्ट्र साइबर सेल की टीम ने सभी पांच पैनलिस्ट समय रैना, रणवीर इलाहाबादिया, अपूर्व मुखीजा, जसप्रीत सिंह और आशीष चंचलानी के बयान दर्ज किये हैं। साइबर सूत्रों के अनुसार महाराष्ट्र साइबर सेल ने आज तीसरी बार समय और रणवीर से पूछताछ की है। इससे पहले महाराष्ट्र साइबर सेल ने कंटेंट क्रिएटर अपूर्व मुखीजा और आशीष चंचलानी के बयान दर्ज किए थे, जो इंडियाज गॉट लेटेंट के विवादास्पद एपिसोड का भी हिस्सा थे। यह जांच फरवरी में समय रैना के यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लेटेंट में रणवीर के संदर्भ में की जा रही है। इस शो में रणवीर को एक प्रतियोगी के साथ अभद्र बातचीत करते हुए दिखाया गया था, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया था। इसी के बाद साइबर सेल ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। इससे पहले स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना 28 मार्च को भी इसी मामले में महाराष्ट्र साइबर सेल के अधिकारियों के सामने पेश हुए थे और छह घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी। काफी दिनों से वह भारत में नहीं थे और कई समन मिलने के बाद वह अपना बयान दर्ज कराने के लिए कुछ दिन पहले ही देश लौटे हैं। शो के सभी पांच पैनलिस्ट समय रैना, रणवीर इलाहाबादिया, अपूर्व मुखीजा, जसप्रीत सिंह और आशीष चंचलानी अपना बयान दर्ज कराने महाराष्ट्र साइबर पहुंचे।अपूर्व मुखीजा ने अपना बयान दर्ज कराया और दफ्तर से निकल गईं। दर्ज किये गए बयानों के बारे में साइबर सेल ने अधिकृत जानकारी मीडिया को नहीं दी है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने देखा परकोटे के हैरिटेज स्वरूप एवं इसके सौन्दर्यकरण के कार्यो का प्रस्तुतिकरण

एजेंसी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में 'जयपुर परकोटे के हैरिटेज सिटी स्वरूप को बनाए रखने और इसके संरक्षण को लेकर सचिवालय में बैठक आयोजित की गई। उपमुख्यमंत्री के समक्ष बैठक में परकोटे के हैरिटेज स्वरूप एवं इसके सौन्दर्यकरण के कार्यो का प्रस्तुतिकरण दिया गया। उपमुख्यमंत्री ने आयुक्त नगर निगम (हैरिटेज) को निर्देश दिए की परकोटा क्षेत्र का विकास एवं सौन्दर्यकरण सरकार की प्राथमिकता है। किन्तु यह उसके पुराने स्वरूप के अनुरूप होना चाहिए। वाल्ड सिटी के हैरिटेज स्वरूप को देखने प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में पर्यटक जयपुर भ्रमण हेतु आते हैं। इस बात को ध्यान में रखकर परकोटा क्षेत्र की विशेष साफ-सफाई, जगह-जगह डस्टबिन्स, परकोटा क्षेत्र के पर्यटक स्थलों के आस-पास ही हैरिटेज लुक

के टॉयलेटस् निर्मित करने हैं। उपमुख्यमंत्री निर्देश दिए कि परकोटा क्षेत्र को बैनर-पोस्टर से मुक्त करते हुए एक समान आकार के साइनेज लगाए जाने हैं।उन्होंने कहा कि परकोटा क्षेत्र में झूल रहे बिजली के एवं अन्य तारों को भूमिगत करना है। दिया कुमारी ने परकोटा क्षेत्र में यातायात को लेकर विशेष प्रबंध किए जाने हेतु पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए। रामनिवास बाग स्थित पार्किंग के सुचारू संचालन एवं वहां से परकोटे में आने वाले यात्रियों को वाहनों की प्रर्याप्त सुविधा उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को विरासत संग्रहालय की प्रगति के संबंध में निदेशक पुरातत्व द्वारा अवगत कराया गया कि इसे संग्रहालय के रूप में विकसित करने का कार्य प्रक्रियाधीन है। दिया कुमारी ने पर्यटक सुविधा केन्द्र (TFC) के संबंध में JDA के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसे शीघ्र ही पर्यटन विभाग को स्थानान्तरित करें ताकि विभाग इसे पर्यटकों की सुविधा हेतु विकसित कर सके। परकोटा क्षेत्र में संचालित मेट्रो रेल का संचालन इस तरह से हो की अधिक से अधिक लोग इसका उपयागे कर सके। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि परकोटा क्षेत्र में दुकानदारों द्वारा बरामदों में सामान रख कर अतिक्रमण कर लिया जाता है इन्हें नियमित रूप से नगर निगम हटाए ताकि पदे ल यात्री इनका उपयागे कर सके।

शमशान, मंदिर और जलाशय पर हिन्दू समाज की सभी जातियों का समान अधिकार : डॉ. मोहन भागवत

एजेंसी

कानपुर। सामाजिक समरसता संघ की गतिविधि ही नहीं बल्कि संघ के स्वयंसेवक का स्वभाव है। 25 से 30 वर्षों से साथ में कार्य करने वाले कार्यकर्ता एक दूसरे की जाति नहीं जानते यही संघ की खासियत है। शमशान, मंदिर और जलाशय (कुआं, नल, तालाब आदि) पर हिंदू समाज की सभी जातियों का समान अधिकार है। हमें अपने कार्य और स्वभाव के माध्यम से यही मानसिकता का संपूर्ण समाज में निर्माण करनी है। यह बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कही। डॉ. मोहन भागवत पांच दिनों के दौरे पर कानपुर प्रवास पर हैं। जहां सोमवार को उन्होंने कारवालों नगर स्थित प्रदेश के सबसे बड़े संघ कार्यालय कैलाश भवन का उद्घाटन किया। वहीं सामाजिक समरसता गतिविधि के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। प्रांत के सामाजिक समरसता प्रमुख रवि शंकर ने सामाजिक समरसता की चल रही गतिविधियों के संदर्भ में सरसंघचालक

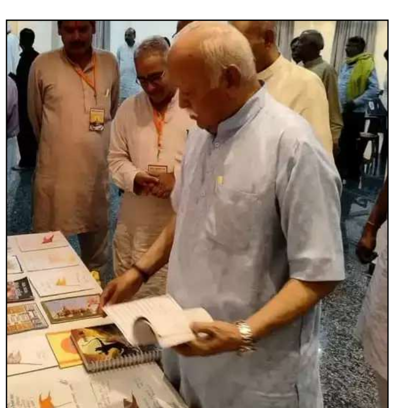

को जानकारी दी। मोहन भागवत ने कहा कि ऐसी कोई जाति नहीं जिसने देश के उत्थान में, देश के संकटों में संघर्ष में योगदान न दिया हो। सभी जातियों ने महापुरुष दिए हैं। समरसता संघ के स्वयंसेवक का स्वभाव होने के कारण संघ से जुड़ने वाले प्रत्येक व्यक्ति में समरसता का भाव होना स्वभाविक हो जाता है। शताब्दी वर्ष में संघ का साहित्य लेकर हम गांव-गांव जाने वाले हैं। हमें गांव-गांव जाकर समरसता के पवित्र संदेश को देना है। एक लक्ष्य तय करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि हमें सामाजिक विषमता को समाप्त करेंगे। समता युक्त, शोषण मुक्त, जाति विद्वेष मुक्त भारत बनाना होगा।

हमें इस कार्य को बहुत तेजी से करना है। संघ के स्वयंसेवक का समरसता पूर्ण स्वभाव समाज का स्वभाव बने, इसका प्रयास हमें तेजी से करना है। बैठक में क्षेत्र प्रचारक अनिल, प्रान्त प्रचारक श्रीराम, प्रान्त संघ चालक भवानी भीख, प्रान्त प्रचार प्रमुख डॉक्टर अनुपम, क्षेत्र प्रचारक प्रमुख राजेंद्र सिंह, सह प्रान्त प्रचारक मुनीश सहित प्रान्त के 21 जिलों के जिला समरसता प्रमुख तथा विभाग समरसता प्रमुख उपस्थित रहे।

पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा से कई घंटे पूछताछ, हाई कोर्ट में लगाई अग्रिम जमानत याचिका

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में ग्रेनेड बम की खेप आने का बयान देकर फंसे नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा मोहाली के साइबर क्राइम पुलिस थाने में पेश हुए, जहां उनसे कई घंटे तक पूछताछ की गई। साथ ही बाजवा ने अपने वकीलों के माध्यम से पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। इस बीच पंजाब कांग्रेस के नेताओं ने साइबर क्राइम पुलिस थाने के बाहर धरना जारी रखा। दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी के नेताओं ने भी मोहाली में प्रताप बाजवा के विरूद्ध धरना दिया।इस धरने में पंजाब के कई मंत्री पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा के बयान के बाद राजनीति पूरी तरह से गरमाई हुई है। अकाली दल, भारतीय जनता पार्टी भी कांग्रेस का समर्थन कर रहे हैं। इस मुद्दे पर मंगलवार की सुबह शुरू हुआ हाईवोल्टेज ड्रामा दिनभर

चलता रहा। प्रताप बाजवा ने एक चैनल में दिए गए इंटरव्यू में कहा था कि पंजाब में 50 बम आए हैं, जिनमें से 18 चल चुके हैं और 32 अभी बाकी हैं। इस मुद्दे पर पंजाब पुलिस ने बाजवा के विरूद्ध मामला दर्ज किया था। मामला दर्ज होने के बाद प्रताप बाजवा ने अपने वकीलों के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका दायर करके कहा कि उन पर एफआईआर राजनीति के तहत दर्ज की गई है। बाजवा खुद आज दोपहर करीब एक बजे मोहाली स्थित साइबर पुलिस थाने में पहुंचे। उनके साथ पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, सुखजिंदर सिंह रंधावा भी थे। थाने के बाहर कांग्रेसियों ने धरना शुरू कर दिया। पुलिस ने करीब सात घंटे तक प्रताप बाजवा से पूछताछ थी। इस बीच आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी बाजवा के विरूद्ध मोहाली में धरना दिया। पंजाब के संसदीय कार्य मंत्री अमन अरोड़ा ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि बाजवा या तो अपने बयान पर माफी मांगे अन्यथा पंजाब पुलिस को बताएं कि उन्हें बम होने की सूचना कहां से मिली।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मायावती के भतीजे आकाश आनंद की वाई प्लस सुरक्षा हटाई

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के नेता आकाश आनंद की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला यह है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर आकाश आनंद की सुरक्षा हटा दी गई है। आकाश आनंद बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्र सरकार ने आकाश आनंद को वाई प्लस सीआरपीएफ सुरक्षा दी गई थी। वह जहां भी जाते थे यह सुरक्षा उनके साथ रहती थी। लेकिन केंद्र सरकार के

आदेश पर यह सुरक्षा हटा दी गई है। बतादें? कि वाई श्रेणी की सुरक्षा खतरे को देखते हुए दी जाती है। इस श्रेणी में आर्म्ड पुलिस के आठ से 11 कमांडो तैनात किए जाते हैं। गौरतलब है कि बसपा प्रमुख मायावती ने कुछ दिन पहले ही आकाश को पार्टी से निकाल दिया था। लेकिन दो दिन पहले ही आकाश आनंद ने एक्स पर अपनी गलतियों के लिए माफी मांगी थी और पार्टी के लिए काम करने का एक और मौका देने का अनुरोध किया था। इसके बाद मायावती ने उन्हें माफ करते हुए पार्टी में वापस ले लिया था।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष बने हेमंत सोरेन

एजेंसी

रांची। हेमंत सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय अध्यक्ष बन गए हैं। पार्टी के संविधान में संशोधन करते हुए कार्यकारी अध्यक्ष के पद को समाप्त कर दिया गया है। पार्टी ने हेमंत सोरेन को केंद्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। वहीं शिबू सोरेने को पार्टी का संस्थापक संरक्षक बनाया गया है। यह फैसला पार्टी के 13वें महाधिवेशन के दूसरे दिन लिया गया। इसी के साथ खेलगांव में चल रहे झामुमो के दो दिवसीय महाधिवेशन का समापन हो गया। शिबू सोरेन को पार्टी का संस्थापक संरक्षक बनाए जाने का प्रस्ताव पार्टी नेता नलिन सोरेन ने रखा और स्टीफन मरांडी ने इसका समर्थन किया। इसके बाद शिबू सोरेन ने हेमंत सोरेन को झामुमो का केंद्रीय अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। महाधिवेशन में शिबू सोरेन ने मौजूद लोगों से हेमंत सोरेन को आशीर्वाद देने का आग्रह किया। केंद्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के बाद हेमंत सोरेन ने कहा कि नई ऊर्जा के साथ पार्टी चलेगी और राज्य का सर्वांगीण विकास किया जाएगा। ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को जोड़ा जाए इस पर भी काम किया जा रहा है। महिलाओं को जिला अध्यक्ष के साथ तमाम पदों पर बैठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब कार्यकारी अध्यक्ष था तब गलती करने का मौका था लेकिन अब गलती करने की भी गुंजाइश नहीं है। पार्टी के अंदर अनुशासन सबसे मुख्य बिंदू है। संगठन को पूरे देश के अंदर बढ़ाने की तैयारी है। पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को समर्पित होना होगा तभी सफर को मंजिल तक पहुंचाएगा जा सकेगा। वहीं उन्होंने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा, बाबा दिशोम गुरुजी ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है, पार्टी के लाखों साथियों ने मुझ पर जो विश्वास जताया है उसे दिन-रात कड़ी मेहनत कर पूरा करने का काम करूंगा। आप सभी का यही साथ ही मेरी ताकत है। बाबा के मार्गदर्शन में वीर पुरुखों के सपनों को साकार करने के लिए मैं दोगुनी ताकत के साथ राज्यवासियों की सेवा के लिए आगे बढ़ूंगा। आप सभी के अपार स्नेह और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद, आभार। पार्टी ने शिबू सोरेन की नई भूमिका तय की है। शिबू सोरेन 1987 से झामुमो के अध्यक्ष थे और उन्होंने पार्टी को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब उनकी भूमिका बदलकर संस्थापक संरक्षक की होगी, जिसमें वे पार्टी के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम करेंगे। झामुमो ने वर्ष 2025 में अपने गठन के 53 वर्ष पूरे कर लिए हैं। पार्टी का गठन चार फरवरी 1973 को हुआ था। पार्टी का पहला स्थापना दिवस धनबाद के गोल्फ मैदान में मनाया गया था। मौजूदा समय में झामुमो झारखंड की राजनीति में एक प्रमुख दल है और सता में है।

युवाओं में जिम ज्वॉइन करने का बड़ा क्रेज है। जिसे देखो वही जिम जा रहा है,कोई तरह-तरह की कसरतें कर रहा है,तो कोई दौड़ लगा रहा है। युवा ही क्यों बच्चे और बूढ़े भी अपनी शारीरिक फिटनेस के लिए खूब सक्रिय रहने लगे हैं।

इमोशनल फिटनेस

इमोशनल फिटनेस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपनी चर्चित किताब इमोशनल फिटनेस-डिस्कवरिंग अवर नैचुरल हीलिंग पावर में लेखिका जेनिस बर्गर ने लिखा है,आप चाहे जितनी एक्सरसाइज करें,सब व्यर्थ है,अगर आप अपनी आंतरिक अनुभूतियों के सम्पर्क में आने से डरते हैं और एंग्जाइटी जैसी विपदाओं से घबरा जाते हैं क्योंकि ये चीजें आपको कमजोर करती हैं।

न दबाएं भावनाएं

हमारा सामाजिक ढांचा हमें अपनी भावनाओं को दबाकर रखना सिखाता है। हमें अपना दर्द और अपनी तकलीफें छिपाकर रखने को कहा जाता है। हमें कोई सवाल भीतर तक हिला डालता है और हम फिर भी उससे दूर रहने की कोशिश करते हैं।

जरा सोचिए आपके शरीर में विषाक्त तत्व इकट्ठा होते रहें और आप उनका समय-समय पर निष्कासन न करें तो क्या होगा? जाहिर सी बात है,हम बीमार पड़ जाएंगे। मन में दबी कुंठित,बुरी,उदासी भरी या अच्छी और उमंग भरी भावनाओं का भी उत्सर्जन या प्रकाशन न किया जाए,तो हम मानसिक रूप से ही नहीं शारीरिक रूप से भी अवश्य ही बीमार पड़ जाएंगे। क्योंकि मन स्वस्थ नहीं रहेगा,तो तन भी स्वस्थ नहीं रहेगा। भावनाओं के वेग और उद्वेग को दबाकर रखना ठीक नहीं है।

करिए इमोशनल वर्कआउट

अमरीका की दी इमोशनल फिटनेस एकेडमी के प्रबंध निदेशक पॉलबर्ड कहते हैं,दिखने में बिलकुल फिट नजर आने वाले एथलीट भी डिप्रेशन व अन्य मानसिक समस्याओं से पीडित हो जाते हैं। इमोशनल स्ट्रेंथ के बिना फिजिकल फिटनेस कोई काम की नहीं। लोग अच्छी अनुभूति पाने के लिए वर्क आउट करते हैं।

ऐसे पाएं इमोशनल फिटनेस

दस मिनट की इमोशनल जॉगिंग करें। दिमाग में सभी तरह के विचार आने दें। हंसें, मेडिटेट करें और रिलैक्स करें। कम से कम 15 मिनट लम्बी सांसें खींचे और बाहर फेंके।

दिमाग को बीती बातों या भविष्य की चिंताओं में न उलझने दें। संयमित मात्रा में दिवा स्वप्न देंखे। अपना आत्मविश्वास परखने के लिए समस्याएं सुलझाने की मानसिक कसरत करें।

रोज समीक्षा करें कि आपके पास क्या है और कौन सी खूबसूरत चीजें हैं।

आशावादी बनें और आप क्या कर सकते हैं,इस पर फोकस करें,सकारात्मक परिणामों की उम्मीद करें। अपनी दिनचर्या में कुछ पल अपने लिए भी निकालें,उस दौरान आप अपनी पसंद का कोई काम कर सकते हैं जैसे बागवानी करना,सामाजिक काम करना।

अपना कुछ समय बच्चों के साथ भी बिताएं।

फिटनेस की परिभाषा

कनाडा के बॉडी बिल्डर और फिटनेस एक्सपर्ट स्कॉट एबेल सच्ची फिटनेस को इस प्रकार परिभाषित करते हैं-दैनिक जीवन की जरूरतों और नियति की उलटफेर को आसानीपूर्वक निभा पाना। आपातकालीन स्थितियों में यदि अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता हो,तो आवश्यक ऊर्जा की कमी महसूस न करना।

त्वचा को चमकाएं चारोली अपनाए

चारोली का उपयोग अधिकतर मिठाई में जैसे हलवा, लड्डू, खीर, पाक आदि में सूखे मेवों के रूप में किया जाता है। इसका शरीर की सुंदरता कायम रखने में भी उपयोग किया जाता है। पेश है कुछ नुस्खे-

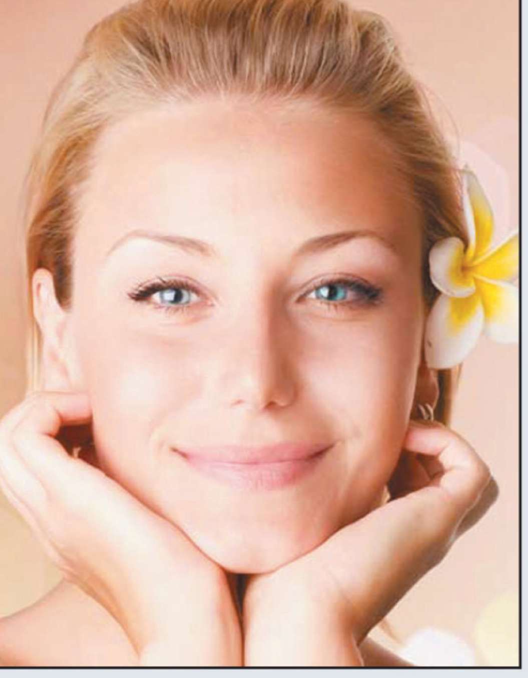

चमकती त्वचा - चारोली को गुलाब जल के साथ सिलबट्टे पर महीन पीस कर लेप तैयार कर चेहरे पर लगाएं। लेप जब सूखने लगे तब उसे अच्छी तरह मसलें और बाद में चेहरा धो लें। इससे आपका चेहरा चिकना, सुंदर और चमकदार हो जाएगा। इसे एक सप्ताह तक हर रोज प्रयोग में लाए। बाद में सप्ताह में दो बार लगाते रहें। इससे आपका चेहरा लगेगा हमेशा चमकदार।

मुंहासे - नारंगी और चारोली के छिलकों को दूध के साथ पीस कर इसका लेप तैयार कर लें और चेहरे पर लगाए। इसे अच्छी तरह सूखने दें और फिर खूब मसल कर चेहरे को धो लें। इससे चेहरे के मुंहासे गायब हो जाएंगे। अगर एक हफ्ते तक प्रयोग के बाद भी असर न दिखाई दे तो लाभ होने तक इसका प्रयोग जारी रखें।

गीली खुजली - अगर आप गीली खुजली की बीमारी से पीड़ित हैं तो 10 ग्राम सुहागा पिसा हुआ, 100 ग्राम चारोली, 10 ग्राम गुलाब जल इन तीनों को साथ में पीसकर इसका पतला लेप तैयार करें और खुजली वाले सभी स्थानों पर लगाते रहें। ऐसा करीबन 4-5 दिन करें। इससे खुजली में काफी आराम मिलेगा व आप ठीक हो जाएंगे।

शीत पित्ती - शरीर पर शीत पित्ती के ददोड़े या फुंसियां होने पर दिन में एक बार 20 ग्राम चिरौंजी को खूब चबा कर खाएं। साथ ही दूध में चारोली को पीसकर इसका लेप करें। इससे बहुत फायदा होगा। यह नुस्खा शीत पित्ती में बहुत उपयोगी है।

ऑक्सीजन ठीक करती है ब्रेन

तेल अवीव के वैज्ञानिकों ने अपने नवीन अनुसंधान में पाया है कि ऑक्सीजन, स्ट्रोक, दुर्घटना, मेटाबॉलिक डिसऑर्डर से हुए ब्रेन डैमेज को पुनः ठीक कर देती है। तेल अवीव यूनीवर्सिटी में फिजिक्स और एस्ट्रोनोमी के प्रोफेसर इशेल बेन जैकब ने स्ट्रोक प्रभावित मरीजों को ऑक्सीजन से भरे चैम्बर्स में हाइपर बैनिक ऑक्सीजन थैरेपी(एचबीओटी)दी इससे उनके शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ गई।

दो महीनों के उपचार के बाद उन मरीजों के ब्रेन की तस्वीरों के विश्लेषण करने पर पाया कि मस्तिष्क कोशिकाओं में उल्लेखनीय गतिविधी नोट की गई। लकवा पीड़ित मरीजों के हाथ पैरों में संवेदना लौट आई और उन्हें बोलने में भी आराम महसूस होने लगा।

इससे जो लोग अपनी दिनचर्या दूसरों के सहारे कर पाते थे वे अब अपने आप नहाने,खाना बनाने,सीढ़ियां चढ़ने लगे और किताबें पढ़ने में समर्थ हो गए। शाई इफ्राती के अनुसार मेटाबॉलिक गड़बड़ी की वजह से न्यूरोन जीवित तो रहते हैं,लेकिन उनमें पर्याप्त ऊर्जा के अभाव में वे इलेक्ट्रिक सिंग्नल को पैदा नहीं कर पाते। एचबीओटी इन ब्रेन सेल्स में ऊर्जा पहुंचाने का काम करती है।

खुशबू से बनाएं निरोगी काया

सुगंध द्वारा चिकित्सा, आयुर्वेद का ही हिस्सा है,जिसे नई वैज्ञानिक शोधों के दौरान भुला दिया गया था,लेकिन आज फिर से इसे अपनाया जाने लगा है। यह एक प्राकृतिक तरीका है,जिसके न कोई साइड इफैक्ट्स हैं न आफ्टर इफैक्ट्स।

फूलों से रोग निदान

रोगों के निदान में पुष्प दवा का कार्य करते हैं। पुष्पों की सुगंध से जो अति सूक्ष्म परमाणु निकलते हैं वे स्वतः ही हमारी नासिका के द्वारा सांस नली में जाकर मस्तिष्क पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालते हैं,जो हमारे शरीर,मन और मस्तिष्क के लिए प्राकृतिक औषधि का कार्य करते हैं। पुष्पों के रंगों एवं विभिन्न प्रकार की सुगंध का सीधा-सीधा असर शरीर के विभिन्न भागों पर होता है,जो तनाव,अनिद्रा एवं थकान से भरे मानव शरीर एवं मस्तिष्क को सकारात्मक ऊर्जा एवं शांति प्रदान करती है।

पुष्पों की सुगंध,रंग तथा उनसे निर्मित उत्पादों के द्वारा जो चिकित्सा पद्धति अपनाई जाती है,उसे ही एरोमा-थैरेपी कहा जाता है। पेड़, पौधे, पत्तियां, जड़, तना, फल, फूल, सब्जियां, मसाले आदि से प्राप्त वस्तुओं से सत निकाला जाता है,जिसे इसेंशियल ऑयल कहते हैं। यह इतना असरदार होता है कि इसमें किसी रासायनिक तत्वों के मिश्रण की आवश्यकता नहीं होती। ये एसेंशियल ऑयल एंटी सेप्टिक, एंटी बेक्टीरियल, एंटी वायरल, एंटीफंगस, एंटीरूमेटिक, एंटी इन्फ्लेमेटरी, एंटीन्यूरोलॉजिक, एंटीटॉक्सिक, एंटीडिपरेसेंट और डियो का काम करते हैं।

फूलों के औषधीय प्रयोग

गुलाब - गुलाब का गुलकंद पेट की गर्मी को शांत करता है तथा ह्रदय रोगों के लिए अच्छा है। आंखों में लाली,सूजन होने पर गुलाब जल से आंखें धोएं लाभ होता है।

गुड़हल - लाल गुड़हल का फूल का रस झड़ते हुए केशों के लिए अचूक दवा है। गुड़हल के फूल का रस बालों में 1 घंटे लगाकर बाल धो लें। यह बालों के लिए प्राकृतिक कलर का भी काम करेगा।

कमल - कमल के पुष्प का प्रत्येक अंग औषधि का कार्य करता है। कमल की डंडी की सब्जी खाने से शरीर में लौह तत्व का निर्माण होता है। कमल की पंखुडियों को पीसकर चेहरे पर लगाने से चेहरे की कान्ति बढ़ती है।

चमेली - चमेली के पुष्प से निर्मित तेल दंत रोग,चर्मरोग में फायदा होता है। फोड़े-फुंसी होने पर चमेली का तेल लगाने से लाभ मिलता है। चमेली के पत्ते चबाने से मुख की दुर्गंध एवं मुंह के छाले दूर होते हैं।

केसर - केसर को त्रिदोषों ;वात-पित्त एवं कफ का शमन कर्ता कहा गया है। केसर का तिलक लगाने से मस्तिष्क को शांति मिलती है। हल्के गुनगुने दूध में केसर डालकर पीने से पुरानी खांसी एवं कफ दूर होता है तथा शरीर में बल,वीर्य,शक्ति एवं स्फूर्ति की वृद्धि होती है।

गेंदा - गेंदे के पीले फूलों को लिवर की सूजन,चर्म रोग एवं पथरी रोगों में इसका प्रयोग लाभकारी होता है।

रात की रानी - रात की रानी का पौधा घर में लगाने से मच्छर इत्यादि घर में नहीं आते हैं। इसकी सुगंध से तनाव एवं अनिद्रा में राहत मिलती है।

शंखपुष्पी - शंखपुष्पी का प्रयोग स्मृतिवर्धक होता है। शंखपुष्पी के चूर्ण में मिश्री मिलाकर पीने से स्वास्थ्य,सुंदर मस्तिष्क एवं कुशाग्र बुद्धि की प्राप्ति होती है।

उपचार में फायदेमंद

एसेंशियल ऑयल तीन प्रकार से लाभदायक है। प्रथम खुशबू से,इनकी सुगंध से मस्तिष्क प्रभावित होकर फौरन सक्रिय हो जाता है। द्वितीय मसाज द्वारा यह त्वचा की भीतरी सतह तक पहुंचकर उसे ठीक करते हैं। तृतीय ये मूड एलीवेटर का काम करते हैं। एसेंशियल ऑयल के प्रयोग से कई पकार के दर्द दूर किए जाते हैं। यह उपचार का एक प्राकृतिक तरीका है, जिसके साइड इफैक्ट्स नहीं होते।

सीनियर नेशनल हॉकी चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश की टीम पहली बार बनी उपविजेता

एजेंसी

भोपाल। उत्तर प्रदेश के झांसी में आयोजित 15वीं हॉकी इण्डिया सीनियर मेन नेशनल चैम्पियनशिप 2025 डिवीजन-ए का फाइनल मुकाबला मध्य प्रदेश पुरुष हॉकी और पंजाब की टीम के बीच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में पंजाब ने मध्य प्रदेश हॉकी टीम को 1-4 से हराकर चैम्पिनयशिप का खिताब अपने नाम किया। इस सीनियर मेन नेशनल चैम्पियनशिप मध्य प्रदेश की टीम पहली बार उपविजेता बनी। प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मध्य प्रदेश हॉकी टीम के खिलाड़ियों के खेल की सराहना करते उपविजेता बनने पर बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि मप्र की टीम पहली बार सीनियर नेशनल के फाइनल मुकाबले में पहुंची थी। खेले गए इस मुकाबले में मध्य प्रदेश की तरफ से 28वें मिनिट में पेनाल्टी कार्नर से प्रताप लाकरा ने एकमात्र किया, जबकि पंजाब की टीम की ओर से 30वें मिनिट में जुगराज सिंह ने पेनाल्टी कार्नर से पहला, 38वें मिनिट में जसकरण सिंह ने फील्ड से दूसरा, 46वें मिनिट में गुरिंदर सिंह ने फील्ड से तीसरा और 49वें मिनिट में जुगराज सिंह ने पेनाल्टी कार्नर से चौथा गोल किया। खेल संचालक राकेश गुप्ता ने मप्र हॉकी टीम के खिलाड़ियों की सराहना करते हुये बताया मध्य प्रदेश की युवा टीम ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। सीनियर नेशनल का यह अनुभव भविष्य में खिलाड़ियों के बहुत काम आयेगा। उन्होनें उप विजेता बनने पर सभी खिलाड़ियों को बधाई दी है।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग का उद्घाटन 18 को, हरियाणा के सीएम को विशेष आमंत्रण

गुरुग्राम। ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) का उद्घाटन समारोह 18 अप्रैल को गुरुग्राम विश्वविद्यालय के मल्टीपर्पज हॉल में आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी खेल संघ (एचआईपीएसए) की अध्यक्ष कांति डी. सुरेश ने उन्हें एक औपचारिक पत्र के माध्यम से इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनने का आग्रह किया है।यह भव्य लीग 13 दिनों तक चलेगी और 30 अप्रैल को पुरुष और महिला दोनों वर्गों के ग्रैंड फाइनल के साथ संपन्न होगी। टूर्नामेंट की शुरुआत पुरुषों के मुकाबलों से होगी, जो प्रत्येक दिन शाम छह बजे से खेले जाएंगे, जिसका सोनी स्पोर्ट्स 3, डीडी स्पोर्ट्स और फैनकोट पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। सुश्री सुरेश ने अपने पत्र में लिखा, ÷कबड्डी को ओलंपिक खेल के रूप में शामिल कराने के भारत सरकार के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए हमने अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण अभियान और अब विश्व की सबसे बड़ी कबड्डी लीग की शुरुआत की है। इस लीग में एशिया, अफ्रीका और यूरोप के 10 देशों के खिलाड़ी भाग लेंगे, जिनमें महिला और पुरुष दोनों वर्ग शामिल हैं।उद्घाटन के साथ-साथ जीआई-पीकेएल ने भारत के प्रमुख शहरों दिल्ली, नोएडा, हैदराबाद और मुंबई में आकर्षक आउटडोर प्रचार अभियान चलाया है। 30 से अधिक प्रमुख बिलबोर्ड इस लीग को लोकप्रियता दिला रहे हैं। लीग उद्घाटन के दिन न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर पर एक दिवसीय डिजिटल अभियान भी चलाएगी।

सुदीरमन कप 2025: बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप से बाहर रहने के बाद सात्विक-चिराग की वापसी

नई दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी फिर से मैदान में उतरने को तैयार है, क्योंकि भारत ने सुदीरमन कप के लिए अपनी 14 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। सुदीरमन कप, 16 देशों की मिश्रित टीम स्पर्धा है जो 27 अप्रैल से 4 मई तक चीन के ज़ियामेन में आयोजित की जाएगी। सात्विक-चिराग ने चोट के कारण पिछले सप्ताह चीन के निंगबो में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लिया था। हालांकि, चोटिल महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद, जो कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप में भी नहीं खेल पाई थीं, को टीम में शामिल नहीं किया गया है। भारत ने अपनी विश्व रैंकिंग के आधार पर टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया।

बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग: ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी टॉप 10 में बरकरार, सिंधु और लक्ष्य नीचे खिसके

नई दिल्ली। नवीनतम बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने शीर्ष 10 में अपना स्थान बरकरार रखा है, जबकि पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन जैसे एकल सितारे और नीचे खिसक गए हैं। पिछले सप्ताह चीन के निंगबो में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भाग नहीं लेने वाली ट्रीसा और गायत्री एक स्थान नीचे खिसककर 10वें स्थान पर आ गईं। ओलंपियन तनीषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी 22वें स्थान पर बनी हुई है। महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु चीन में राउंड-ऑफ-16 से बाहर होने के बाद 17वें से 18वें स्थान पर आ गईं।

आईएसएसएफ विश्व कपः सुरुचि इंदर सिंह ने स्वर्ण, मनु भाकर ने रजत पर किया कब्ज़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। । पेरू के लीमा में चल रहे अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप में भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सुरुचि इंदर सिंह ने स्वर्ण और मनु भाकर ने रजत पदक अपने नाम किया। वहीं, पुरुष वर्ग में सौरभ चौधरी ने कांस्य पदक जीतकर लंबे समय बाद वापसी की।

18 वर्षीय सुरुचि ने मनु को 1.3 अंकों से हराया

सुरुचि इंदर सिंह ने चयन दौर (क्वालिफिकेशन राउंड) में 582 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि मनु भाकर ने 578 अंकों के साथ अंतिम आठ (फाइनल-8) में जगह बनाई।फाइनल मुकाबले में सुरुचि ने बेहतरीन निशानेबाजी करते हुए 243.6 अंक अर्जित किए और

अपनी अनुभवी साथी निशानेबाज मनु भाकर (242.3) को 1.3 अंकों से पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया। सौरभ चौधरी ने 2022 के बाद जीता पहला व्यक्तिगत पदक

पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सौरभ चौधरी ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने चयन दौर में 578 अंक बनाकर सातवें स्थान के साथ अंतिम आठ में जगह बनाई। फाइनल में सौरभ ने जोरदार शुरुआत की और शुरुआती दौर के बाद दूसरे स्थान पर थे। हालांकि, चीन के हु काई ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 246.4 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। ब्राज़ील के फेलिप अल्मेडा वू ने 241.0 अंक बनाकर रजत पदक हासिल किया। सौरभ ने 219.1 अंक बनाकर कांस्य पदक प्राप्त किया।

वरुण तोमर और अन्य भारतीय निशानेबाज़ों का प्रदर्शन

अंतिम आठ में पहुंचे एक अन्य भारतीय वरुण तोमर ने 198.1 अंकों के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया। चयन दौर में आकाश भारद्वाज ने तीसरे सर्वश्रेष्ठ 583 अंक बनाए, लेकिन वह रैंकिंग अंक हेतु (आरपीओ) के अंतर्गत खेल रहे थे, इसलिए पदक स्पर्धा में भाग नहीं ले सके। रविंदर सिंह (574) और अमित शर्मा (आरपीओ, 573) ने क्रमशः 12वें और 16वें स्थान पर स्थान प्राप्त किया।

नेशनल हॉकी चैंपियनशिप :हॉकी पंजाब बना चैंपियन, उत्तर प्रदेश ने कांस्य पदक जीता

एजेंसी

झांसी। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर मेन नेशनल चैंपियनशिप 2025 का फाइनल मुकाबला हॉकी पंजाब और हॉकी मध्यप्रदेश के बीच खेला गया, जिसमें हॉकी पंजाब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-1 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। फाइनल में पंजाब की ओर से जुगराज सिंह ने दो गोल (30वें और 49वें मिनट) कर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। जस्करण सिंह (38) और मनिंदर सिंह (46फीसदी) ने भी एक-एक गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। दूसरी ओर, मध्यप्रदेश के लिए एकमात्र गोल प्रताप लकड़ा ने 28वें मिनट में किया। हार के बावजूद हॉकी मध्यप्रदेश ने रजत पदक के साथ टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। जीत के बाद हॉकी पंजाब के कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा,हमारा प्लान शुरुआत से आक्रामक खेलने का था और टीम ने इसे बखूबी अंजाम दिया। जुगराज ने बेहतरीन खेल दिखाया। कुछ मौके जरूर चूके लेकिन स्वर्ण पदक जीतकर बेहद खुशी हो रही है।

घरेलू स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करना हमेशा खास होता है। तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में उत्तर प्रदेश हॉकी ने मणिपुर हॉकी को 5-1 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। उत्तर प्रदेश के लिए कुशवाहा सौरभ आनंद ने दो गोल (29फीसदी, 49फीसदी) कर मैच में अहम भूमिका निभाई। शारदानंद तिवारी (35फीसदी), दीप अतुल (48फीसदी) और शिवम आनंद (60फीसदी) ने भी एक-एक गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। मणिपुर की ओर से मोइरांगथेम रबीचंद्रन सिंह (45फीसदी) ने एकमात्र सांत्वना गोल किया।

एफा चैंपियंस लीग 2024-25 : गुइरासी की हैट्रिक रही बेकार, बार्सिलोना से हारकर डॉर्टमंड टूर्नामेंट से बाहर

एजेंसी

डॉर्टमंड। यूएफा चैंपियंस लीग 2024-25 के क्वार्टर फाइनल मुक़ाबले में सहरो गुइरासी ने शानदार हैट्रिक लगाई, लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम बोरुसिया डॉर्टमंड प्रतियोगिता से बाहर हो गई। डॉर्टमंड ने दूसरे चरण में बार्सिलोना को 3-1 से हराया, लेकिन पहले चरण में 4-0 की करारी हार के कारण कुल 5-3 के अंतर से पराजित होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। वहीं, बार्सिलोना ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

पहले चरण की बड़ी हार के बाद डॉर्टमंड ने किया जोरदार हमला

पहले चरण में 4-0 की हार झेलने के बाद डॉर्टमंड के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और बार्सिलोना को बैकफुट पर धकेल दिया। गुइरासी ने पहले चरण में कई अवसर गंवाए थे, लेकिन इस बार उन्होंने 11वें मिनट में पेनल्टी पर कोई गलती नहीं की और अपनी टीम को बढ़त दिलाई।

गुइरासी की हैट्रिक, लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया

दूसरे हाफ में गुइरासी ने 49वें मिनट में हेड से दूसरा गोल किया। इसके बाद 76वें मिनट में नज़दीक से तीसरा गोल कर हैट्रिक पूरी की।

इसी के साथ वे इस सत्र में यूएफा चैंपियंस लीग के सर्वोच्च गोल स्कोरर बन गए, उनके नाम अब 13 गोल हो गए हैं। हालांकि, इस बीच रामी बेन्सेबाइनी का आत्मघाती गोल डॉर्टमंड के लिए भारी पड़ गया और उनकी वापसी की उम्मीदों को झटका लगा।

बार्सिलोना ने बचाई बढ़त, सेमीफाइनल में पहुंची

डॉर्टमंड ने अंत तक बराबरी की कोशिश की, लेकिन बार्सिलोना ने अपनी बढ़त को कायम रखा और सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब बार्सिलोना का सामना इंटर मिलान या बायर्न म्यूनिख से होगा।

मैच का कुल स्कोरः

पहला चरणः बार्सिलोना 4-0 डॉर्टमंड

दूसरा चरणः डॉर्टमंड 3-1 बार्सिलोना

कुल स्कोरः बार्सिलोना 5-3 डॉर्टमंड

कप्तान अजिंक्य रहाणे ने लिया केकेआर की हार का जिम्मा, बोले- 'हमने बेहद खराब बल्लेबाजी की'

एजेंसी

चंडीगढ़। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) में मंगलवार रात कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ 16 रन की हार का सामना करना पड़ा।

मैच के बाद प्रेजेंटेशन में रहाणे ने कहा, जो भी हुआ वो आप सबने देखा। काफी निराश हूं। मैं इसकी ज़िम्मेदारी लेता हूं। बतौर कप्तान मैंने भी गलत शॉट खेला, भले ही गेंद मिस कर रही थी, लेकिन वहीं से सिलसिला शुरू हुआ। हमने एक बैटिंग यूनिट के तौर पर बहुत खराब प्रदर्शन किया। हमारे बॉलर्स ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था, 111 रन पर पंजाब जैसी मजबूत टीम को रोकना आसान नहीं था। रहाणे ने माना कि 112 रन का टारगेट चेज़ करना आसान था, लेकिन बल्लेबाज़ों ने लापरवाही से शॉट खेले। उन्होंने यह भी बताया कि अपने विकेट के वक्त उन्होंने डीआरएस नहीं लेने का फैसला इसलिए किया क्योंकि दोनों बैटर्स के बीच कम्युनिकेशन क्लियर नहीं था। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं होना चाहिए था कि मैं रिव्यू ले लूं और फिर बाद में वो एक बचा रहे। कम्युनिकेशन अच्छा नहीं था। शायद अंपायर का कॉल या गेंद लग भी सकती थी। लेकिन कोई शिकायत

नहीं है। सच तो यह है कि हमने बैटिंग यूनिट के तौर पर बेहद खराब क्रिकेट खेला।

रहाणे और अंगकृष रघुवंशी (37 रन, 28 गेंद) ने तीसरे विकेट के लिए 55 रन जोड़कर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन रहाणे के आउट होते ही मैच का रुख पलट गया। युजवेंद्र चहल ने 4 विकेट लेकर केकेआर की मिडल ऑर्डर की कमर तोड़ दी। आखिरी 7 विके**ट महज 23 रन पर गिर गए।** रहाणे ने कहा, आजकल बैटर्स मैदान पर अच्छे दिखने के लिए बड़े शॉट लगाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन टी20 क्रिकेट सिर्फ सिक्स-चौकों का खेल नहीं है। हालात को पढ़ना और उसी हिसाब से खेलना ज़रूरी है। हमें उस वक्त सिंगल-डबल लेकर पारी को आगे ले जाना चाहिए था। विकेट फ्लैट नहीं था, बॉलर्स को मदद मिल रही थी। लेकिन हमने ज़रूरी धैर्य और गेम अवेयरनेस नहीं दिखाई।

ओलंपिक 2028: क्रिकेट के आयोजन स्थल की घोषणा, अमेरिका के पोमोना में बनेगा खास अस्थायी स्टेडियम

एजेंसी

नई दिल्ली। ओलंपिक खेलों में 124 साल बाद क्रिकेट की वापसी होने जा रही है और इसके लिए अमेरिका के साउदर्न कैलिफोर्निया के पोमोना शहर में खास अस्थायी स्टेडियम बनाया जाएगा। जो इस खेल का आयोजन स्थल होगा। एलए 28 ओलंपिक आयोजक समिति ने इसकी घोषणा की। यह आयोजन स्थल 'फेयरप्लेक्स' कहलाता है, जो 500 एकड़ में फैला हुआ है और 1922 से लॉस एंजेलिस काउंटी फेयर की मेजबानी कर रहा है।

14 जुलाई से 30 जुलाई तक होंगे ओलंपिक 2028

लॉस एंजेलिस में 14 जुलाई से 30 जुलाई 2028 तक होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट 1900 के

बाद पहली बार शामिल होगा। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच दो दिवसीय मुकाबला खेला गया था। अब क्रिकेट का आयोजन तेज़-तर्रार और रोमांचक टी20 फॉर्मेट में होगा, जिससे दुनियाभर के नए दर्शकों को जोड़ने की कोशिश होगी।

पुरुष और महिला वर्ग में 6-6 टीमें लेंगी हिस्सा

एलए 28 ओलंपिक में पुरुष और महिला वर्ग में कुल 6-6 टीमें खेलेंगी। इसके लिए क्रिकेट को 90 एथलीट कोटा मिला है, यानी हर टीम में 15 खिलाड़ियों का स्क्वाड होगा। हालांकि क्वालिफाइंग रास्ता और कट-ऑफ्स का ऐलान अभी नहीं हुआ है।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने दी प्रतिक्रिया

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा, हम क्रिकेट के लिए ओलंपिक में वेन्यू की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह हमारे खेल की ओलंपिक में वापसी की तैयारी की दिशा में अहम कदम है। क्रिकेट वैसे तो एक बेहद लोकप्रिय खेल है, लेकिन ओलंपिक जैसे मंच पर टी 20 फॉर्मेट में खेलना नई ऑडियंस तक पहुंचने का शानदार अवसर होगा।

इन नए खेलों को भी मिली जगहः एलए 28 ओलंपिक में क्रिकेट के अलावा बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रॉस (सिक्सेस) और स्क्वैश को भी जगह मिली है। उम्मीद जताई जा रही है कि 2032 ब्रिस्बेन ओलंपिक में भी क्रिकेट को बरकरार रखा जाएगा। वहां गाबा स्टेडियम के आखिरी मैच के तौर पर क्रिकेट फाइनल कराने की योजना है, इसके बाद स्टेडियम को तोड़ने की तैयारी है।

पंजाब एफसी को मिला सर्वश्रेष्ठ एलीट यूथ प्रोग्राम का आईएसएल अवॉर्ड

एजेंसी

मोहाली। पंजाब एफसी को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन के लिए सर्वश्रेष्ठ एलीट यूथ प्रोग्राम अवॉर्ड से नवाजा गया है।

यह सम्मान क्लब के युवा विकास में उत्कृष्ट योगदान और अकादमी से तैयार खिलाड़ियों को सीनियर टीम में सफलतापूर्वक शामिल करने के लिए दिया गया है। इस सीजन में पंजाब एफसी ने लीग की सबसे युवा टीम उतारी, जिसकी औसत उम्र 25 वर्ष और 216 दिन रही। यह क्लब की दीर्घकालिक सोच, स्थिरता और युवा प्रतिभाओं में विश्वास को दर्शाता है। सत्र के दौरान क्लब के नौ अकादमी स्नातकों ने सीनियर टीम में जगह बनाई, जिनमें से छह खिलाड़ियों ने इस मंच पर डेब्यू किया। सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि क्लब ने अंडर-23 खिलाड़ियों को कुल 7,522 मिनट का खेल समय दिया, जो इस सीजन में किसी भी क्लब द्वारा सर्वाधिक है। हेड कोच पानागियोटिस डिल्मपेरिस का युवाओं में भरोसा क्लब की सफलता की नींव बना। प्रमवीर सिंह इस सीजन में आईएसएल इतिहास के सबसे युवा स्टार्टर बने, जबकि सिंगमायुम शामी सबसे युवा गोल स्कोरर के रूप में उभरे। विशाल यादव ने तीसरे सबसे युवा डेब्यू करने वाले खिलाड़ी का गौरव पाया, और मुहम्मद सुहैल तीसरे सबसे युवा असिस्ट देने वाले खिलाड़ी बने।

आईपीएल 2025: रोमांचक मुकाबले में पंजाब ने कोलकाता को 16 रन से हराया

एजेंसी

मुल्लांपुर (पंजाब)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 31वें मुकाबले में पंजाब किंग्स ने अपने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स को 16 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ पंजाब ने आईपीएल इतिहास में सबसे छोटे स्कोर (112 रन) को सफलतापूर्वक डिफेंड करने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 111 रन बनाए। टीम की शुरुआत आक्रामक रही और पहले तीन ओवर में ही स्कोर 39 तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद विकेटों का सिलसिला ऐसा शुरू हुआ कि पूरी टीम 19.4 ओवर में 111 रन पर सिमट गई। पंजाब की ओर से प्रभसिमरन सिंह ने

30, प्रियांश आर्या ने 22 और शशांक सिंह ने 18 रन का योगदान दिया। केकेआर के लिए हर्षित राणा ने तीन विकेट चटकाए, जबकि वरुण चक्रवर्ती और सुनील नरायण ने दो-दो विकेट झटके। 112 रन के आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता की शुरुआत अच्छी रही और पावरप्ले में टीम ने 50 रन जोड़ लिए। मगर कप्तान अजिंक्य रहाणे के आउट होते ही मैच ने करवट ली और केकेआर की पारी लड़खड़ा गई। देखते ही देखते टीम ने 7 रन के अंदर (72 से 79 के बीच) अपने पांच विकेट गंवा दिए और 15.1 ओवर में 95 रन पर ऑलआउट हो गई। कोलकाता की ओर से अंगकृष रघुवंशी ने सर्वाधिक 37 रन बनाए, जबकि रहाणे और आंद्रे रसेल ने 17-17 रन का योगदान दिया। पंजाब के लिए यजुवेंद्र चहल ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिए, वहीं मार्को यानसेन ने तीन सफलताएं हासिल कीं। अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट और ग्लेन मैक्सवेल को भी एक-एक विकेट मिला।

भारतीय महिला हाकी टीम में पूजा का चयन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय महिला हाकी टीम की सदस्य पूजा यादव का भारतीय महिला हाकी टीम में हो गया। सूर्यबली यादव पी.जी. कालेज, देवकली, सरायख्वाजा, जौनपुर की बीए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा पूजा यादव का चयन होने पर विश्वविद्यालय में खुशी की लहर दौड़ गयी। पूजा यादव की इस सफलता से कुलपति प्रो. वन्दना सिंह, कुलसचिव महेन्द्र कुमार, परीक्षा नियन्त्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, सचिव खेलकूद परिषद प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने बधाई दिया है। विश्वविद्यालय की हॉकी महिला टीम लगातार अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रही है। खेलो इण्डिया विश्वविद्यालयीय खेल के लिए अर्हता प्राप्त कर रही है।

चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन 17 अप्रैल से, खालसा कॉलेज करेगा मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज में 17 अप्रैल से चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी (पुरुष व महिला) और बास्केटबॉल (पुरुष व महिला) टूर्नामेंट का आयोजन होने जा रहा है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट हर वर्ष आयोजित किया जाता है और इस बार भी खेल प्रेमियों को शानदार मुक़ाबले देखने को मिलेंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन हॉकी ओलंपियन और 1975 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य अशोक दिवान के हाथों होगा। इस अवसर पर पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के ज्वाइंट सेक्रेटरी श्री गौतम वढेरा और मेज़बान खालसा कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह भी मौजूद रहेंगे। हॉकी में 10 टीमें, बास्केटबॉल में 16 टीमें लेंगी हिस्सा

कॉलेज की डायरेक्टर फिजिकल एजुकेशन, इंदरप्रीत कौर नंदा के अनुसार टूर्नामेंट में पुरुष हॉकी वर्ग में 6 टीमें और महिला हॉकी वर्ग में 4 टीमें उतरेंगी। पुरुष वर्ग में मुकाबले लीग कम नॉकआउट फॉर्मेट में जबकि महिला वर्ग में राउंड रॉबिन लीग फॉर्मेट में खेले जाएंगे।

21 अप्रैल से शुरू होगी बास्केटबॉल प्रतियोगिता

बास्केटबॉल टूर्नामेंट की शुरुआत 21 अप्रैल से होगी, जिसमें पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 8-8 टीमें भाग लेंगी। यह प्रतियोगिता भी लीग कम नॉकआउट फॉर्मेट में खेली जाएगी और फाइनल मुकाबले 25 अप्रैल को आयोजित किए जाएंगे। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का

आयोजन पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के सहयोग से किया जा रहा है। आयोजन समिति को उम्मीद है कि टूर्नामेंट के ज़रिए युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने का बेहतरीन अवसर मिलेगा।

अंतर मंडलीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए टीम चयनित

एजेंसी

मुरादाबाद। ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि कानपुर में आयोजित अंडर- 20 पुरुष अंतर मंडलीय प्रदेश स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता-2025 (मुहम्मद शमसुद्दीन बाबू भाई ट्रॉफी) का आयोजन 16 से 21 अप्रैल तक किया जाएगा। इसमें प्रदेश की समस्त 18 मण्डलों की टीमें प्रतिभाग करेंगी। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु मुरादाबाद मण्डल की टीम का चयन आज एमपीएस के मैदान पर किया गया। चयनकर्ताओं सहायक सचिव आमिर मिर्ज़ा, सुरेंदर पाल सिंह व यूपी पुलिस के सीनियर फुटबॉल खिलाड़ी नासिर हुसैन ने टीम का चयन किया। नासिर कमाल ने बताया कि

चयनित टीम में जाने आलम, मुहम्मद अमन, मुहम्मद हसन, अभय कुमार, मुहम्मद राजा, गणेश, मुहम्मद एहसान, निखिल कुमार, सरताज मुमताज़, हर्षुल चाहल, अनस हुसैन, मुहम्मद शाहनूर, जुबैर खान, तनिष्क प्रतियाल, आमिर अब्बास, प्रियांशु जैन के अलावा टीम कोच नासिर हुसैन रहेंगे। टीम में आरक्षित खिलाडी देव राज, अरहम खान, मुहम्मद मोनिस, रययान खान रहेंगे।

आईडब्ल्यूएलएफ एथलीट आयोग की अध्यक्ष चुनी गईं मीराबाई चानू

एजेंसी

नई दिल्ली। ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता एस. सतीश कुमार को भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) के एथलीट आयोग का क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुना गया है। इन दोनों का कार्यकाल चार साल का होगा। मीराबाई भारत की सबसे सम्मानित भारोत्तोलकों में से एक हैं, जिनके

नाम कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड और ऐतिहासिक उपलब्धियां हैं। कुल भारोत्तोलन में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 205 किग्रा है, (स्नैच में 86 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 119 किग्रा) जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। उनका 88 किग्रा भार उठाकर स्नैच में भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। टोक्यो 2020 ओलंपिक में वह रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय भारोत्तोलक बनीं, जिसने देश में इस खेल के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित किया। इससे पहले 2017 में उन्होंने विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली दो दशकों से अधिक समय में पहली भारतीय बनकर 22 साल की प्रतीक्षा को समाप्त किया। सतीश ने गोल्ड कोस्ट में 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भारोत्तोलन में स्वर्ण पदक जीता था। पुरुषों के 77 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए, उन्होंने कुल 317 किग्रा - स्नैच में 144 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 173 किग्रा भार उठाया। यह उनका लगातार दूसरा राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक था। इससे पहले उन्होंने 2014 में ग्लासगो में यह खिताब जीता था।

आलिया भट्ट

और रणबीर कपूर की शादी को तीन साल हुए पूरे, कपल की प्यारी तस्वीर देख लोग क्या बोल गए

साल 2022 में आलिया भट्ट और रणबीर कपूर शादी के बंधन में बंधे थे, जिसके बाद से ही ये कपल लोगों का फेवरेट बन गया है. हालांकि, दोनों की शादी को 14 अप्रैल को तीन साल हो गए हैं, लेकिन आज भी ये कल की ही बात लगती है. दोनों अपने रिश्ते के साथ ही साथ अपनी बेटी राहा को लेकर भी काफी चर्चा में रहते हैं. हालांकि, दोनों की तीसरी एनिवर्सरी की बात की जाए, तो इस खास मौके पर आलिया ने काफी लविंग पोस्ट अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है.आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने लंबे वक्त तक एक दूसरे को डेट करने के बाद 14 अप्रैल साल 2022 में शादी कर ली थी. दोनों ने काफी सिंपल तरीके से शादी रचाई थी. दोनों ने अपनी तीसरी सालगिरह के खास मौके पर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर की. इस पोस्ट में आलिया और रणबीर की क्यूट फोटो है. इस पोस्ट के साथ आलिया ने कैप्शन शेयर करते हुए एक्टर को अपना घर बताया है.

लोगों ने भी दी दोनों को बधाई

बी-टाउन कपल की इस फोटो को उनके फैंस काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं. इस पोस्ट के कमेंट सेक्शन में आलिया भट्ट की सास नीतू कपूर ने दिल वाली इमोजी भेजी है, तो वहीं उनकी मां सोनी राजदान ने भी कपल पर प्यार बरसाते हुए इस खास दिन की बधाई दी है. परिवार वालों के अलावा बॉलीवुड के और भी स्टार्स ने कपल को उनके एनिवर्सरी पर उन्हें बधाई दी है. इस फोटो में आलिया रणबीर के कंधे पर अपना सिर रखे नजर आ रही हैं.

साथ करने वाले हैं फिल्म

आलिया की बात की जाए, तो उन्होंने रणबीर को डेट करने से पहले कई बार उनके लिए अपने प्यार का इजहार किया है. हालांकि, फिलहाल दोनों ही स्टार अपने-अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट में बिजी हैं.

दोनों की फिल्मों की बात की जाए, तो आलिया और रणबीर जल्द ही साथ में स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं. दोनों संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में साथ दिखेंगे. इसके साथ ही साथ दोनों अपने खुद के अलग-अलग फिल्मों पर भी काम कर रहे हैं.

मां-बेटे के रिश्ते को गलत नजर... निशा रावल का फूटा गुस्सा, बेटे पर उंगली उठाने वालों को लगाई फटकार

टीवी एक्ट्रेस निशा रावल हाल ही में अपने बेटे काविश के साथ वायरल हो रहे एक वीडियो को लेकर सुर्खियों में थीं. वीडियो में काविश अपनी मां के सीने को छूते हुए दिखाई दिए थे, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी काफी आलोचना हुई. अब इस मामले पर निशा रावल ने खुलकर अपनी राय रखी है और इस दौरान मां-बेटे के रिश्ते पर उंगली उठाकर उन्हें ट्रोल करने वालों को भी निशा की तरफ से मुंहतोड़ जवाब दिया गया है.दरअसल सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक वीडियो में निशा रावल मुंबई में हुए एक पार्टी के दौरान पैपराजी के लिए पोज दे रही थीं, तभी उनका सात साल का बेटा काविश अनजाने में उनके सीने को छूता हुआ और उनसे मस्ती करता हुआ नजर आया. इस मामूली घटना को कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने गलत नजर से देखा और निशा-काविश की आलोचना करना शुरू कर दिया. इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए निशा रावल ने कहा कि ऐसे लोगों को खुद पर शर्म आनी चाहिए जो एक पवित्र मां-बेटे के रिश्ते को गलत नजर से देखते हैं.

ट्रोलर्स पर फूटा निशा रावल का गुस्सा

मुंबई में एक फैशन शो के रेड कार्पेट पर जब निशा रावल से इस वायरल वीडियो पर उनकी प्रतिक्रिया पूछी गई, तो उन्होंने इंस्टेंट बॉलीवुड से बातचीत में कहा, शर्म आनी चाहिए उन लोगों को जो एक मां-बेटे के रिश्ते को गलत नजर से देखते हैं. ये खोट उनके मन में है, इसलिए उस पर मैन कोई और टिप्पणी नहीं करना चाहूंगी. अब उसके बारे में क्या ही बोल सकते हैं ? निशा की इस रिएक्शन के बाद कई सोशल मीडिया यूजर्स निशा के सपोर्ट में आगे आए हैं.

पति करण मेहरा से अलग हो गई हैं निशा

गौरतलब है कि इससे पहले साल 2021 में निशा रावल ने अपने पूर्व पति करण मेहरा पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया था, जिसके बाद करण मेहरा को गिरफ्तार भी किया गया था. निशा ने मुंबई के गोरेगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि बहस के दौरान करण ने उन्हें दीवार पर धक्का दिया और उनके सिर पर चोट पहुंचाई थी. निशा ने ये भी दावा किया था कि करण का चंडीगढ़ में शूटिंग के दौरान दिल्ली की एक लड़की के साथ अफेयर था. निशा रावल और करण मेहरा ने 2012 में शादी की थी और 2017 में उनके बेटे काविश का जन्म हुआ था.

सलमान-सनी देओल को जब आमिर ने अकेले दी थी पटखनी, 29 साल पुरानी फिल्म ने कमा डाले थे 76 करोड़

सनी देओल और सलमान खान की फिल्में हाल ही में रिलीज हुई हैं. सलमान की 'सिकंदर' 30 मार्च को सिनेमाघरों में आई थी लेकिन इसे दर्शकों ने नकार दिया है. वहीं सनी देओल की फिल्म 'जाट' ने 10 अप्रैल को दस्तक दी थी जिसे फैंस से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिल रहा है. सलमान और सनी की फिल्मों का एक दूसरे से क्लैश हो रहा है लेकिन कभी दोनों एक्टर साथ में भी बड़े पर्दे पर नजर आ चुके हैं.

सिकंदर और जाट बड़े पर्दे पर आमने-सामने हैं. लेकिन आज से 29 साल पहले दोनों एक्टर्स ने साथ में काम किया था और उनकी फिल्म को दर्शको ने काफी पसंद किया था. लेकिन दोनों की जोड़ी पर अकेले आमिर खान भारी पड़ गए थे. आमिर की भी उसी साल एक फिल्म रिलीज हुई थी जिसने बॉक्स ऑफिस पर कहर बरपा दिया था और सलमान-सनी की फिल्म को पछाड़ते हुए टिकट खिड़की पर 76 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया था.

सलमान-सनी की 'जीत' ने कमाए थे 28 करोड़

सलमान खान और सनी देओल की जिस फिल्म के बारे में हम आपसे बात कर रहे हैं वो है 'जीत'. जीत साल 1996 में रिलीज हुई थी और ये उस साल की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बनी थी. जीत में सनी और सलमान खान के साथ करिश्मा कपूर ने भी लीड रोल निभाया था. राज कंवर के डायरेक्शन में बनी जीत का बजट 5.6 करोड़ रुपये था. वहीं फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 28 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया था और ये हिट साबित हुई.

आमिर की 'राजा हिन्दुस्तानी' ने छापे थे 76 करोड़

साल 1996 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म नाना पाटेकर और जैकी श्रॉफ की 'अग्नि साक्षी' थी जिसने 31 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए थे. जबकि पहले नंबर पर आमिर खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'राजा हिंदुस्तानी' काबिज रही. राजा हिन्दुस्तानी की कहानी के साथ ही इसके गानों ने भी फैंस के दिलों में खास जगह बनाई थी. आमिर और करिश्मा कपूर की लव स्टोरी को फैंस ने काफी पसंद किया था. इस फिल्म का बजट 6 करोड़ रुपये से भी कम था, लेकिन इसने वर्ल्डवाइड 76 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई करके 1996 में सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे.

ये है मोहब्बतें' फेम

दिव्यांका त्रिपाठी

को हुआ डेंगू, चिंतित हुए फैंस

'ये है मोहब्बतें' की इशिमा यानी टीवी एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी ने हाल ही में सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी सेहत के बारे में अहम जानकारी शेयर की है. उन्होंने अपनी स्टोरी में थर्मामीटर की फोटो शेयर करते हुए बताया कि वो कुछ दिनों से बीमार थीं और जांच कराने पर उन्हें पता चला कि उन्हें डेंगू हुआ है.

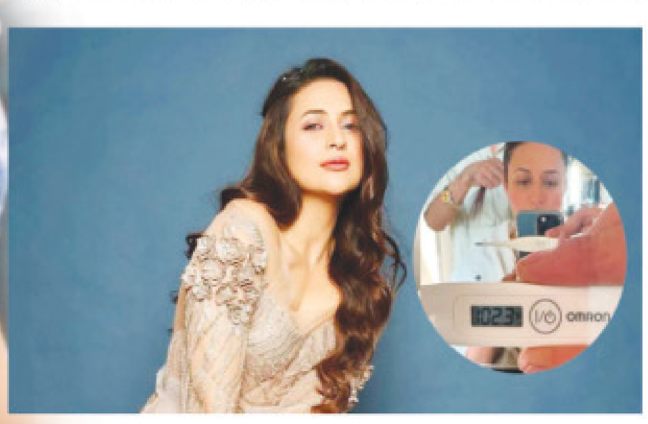

उम्मीद है कि वो बड़ी ही जल्दी ठीक हो जाएंगी और इस उम्मीद के साथ उन्होंने अपनी स्टोरी में चियर्स भी लिखा है. दिव्यांका की इस स्टोरी के बाद उनके फैंस ने उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करना शुरू कर दिया है.

दरअसल दिव्यांका त्रिपाठी को कुछ दिन पहले एक अवार्ड फंक्शन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था. 102 बुखार होने के बावजूद दिव्यांका इस अवार्ड फंक्शन में शामिल हुईं. हालांकि तब वो इस बात से पूरी तरह से अनजान थीं कि उन्हें डेंगू हुआ है. लेकिन जब उन्होंने देखा कि उनका बुखार ठीक होने का नाम ही नहीं ले रहा है, तब उन्होंने अपनी टेस्ट कराई. टेस्ट करने के बाद उन्हें पता चला कि उन्हें डेंगू हुआ है.

टीवी से कुछ समय के लिए दूर हैं दिव्यांका

'बनू मैं तेरी दुल्हन', ' ये हैं मोहब्बतें' जैसे टीवी सीरियल और 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे एडवेंचर रियलिटी शो में अपना कमाल दिखाने के बाद दिव्यांका ने टीवी से दूरियां बनाई हैं.

कुछ दिन पहले वो जियो की वेब सीरीज 'मैजिक ऑफ शिरी' में जादूगर की भूमिका में नजर आई थीं. इस सीरियल में उनके साथ जावेद जाफरी और नामित दास अहम भूमिका में थे. दिव्यांका की पॉपुलैरिटी को देखकर उन्हें कई बार 'खतरों के खिलाड़ी' ऑफर किया गया. लेकिन उन्होंने हमेशा इस शो में शामिल होने से इनकार कर दिया. इस बारे में बात करते हुए उन्होंने टीवी9 हिंदी डिजिटल से कहा था कि उन्हें नहीं लगता फिलहाल उनके लिए इस शो में शामिल होने का सही वक्त है.